रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:87 | बुधवार,03 दिसंबर | ₹5 | Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

कंपनी हड़पने के मामले में विनय सिंह रिमांड पर

संवाददाता

रांची : वन भूमि और सेवायत भूमिघोटाले में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार(होटवार) में बंद नामी ऑटोमोबाइलकारोबारी विनय सिंह की मुश्किलें कमहोने का नाम नहीं ले रही हैं। रांचीपुलिस ने उसे एक नया और गंभीरमामला (जगन्नाथपुर थाना कांड संख्या458/2025) में गिरफ्तार कर कोर्ट सेरिमांड ले लिया है। इस गिरफ्तारी केबाद अब विनय सिंह कुल पांच अलग-अलग आपराधिक मामलों में आरोपी बनचुका हैं, जिनमें से केवल शराब घोटालामामले में ही राहत मिली हुई है।

जज का मोबाइल चोरीखाते से उड़ाए 2.88 लाख

संवाददाता

रांची : खूंटी जिले में पदस्थापित एकजज का चोरों ने भीड़ का फायदाउठाकर मोबाइल चोरी कर लिया।इसके कुछ ही देर बाद उनके बैंक खातेसे 2.88 लाख रुपये की बड़ी राशिडिजिटल माध्यम से निकाल ली गई।इस संबंध में जज ने रांची केजगन्नाथपुर थाना में शिकायत दर्जकराई है। जानकारी के अनुसार, जजधुर्वा के सेक्टर-2 बाजार में सब्जीखरीदने गए थे। इसी दौरान किसीअज्ञात अपराधी ने बड़ी चतुराई सेउनका मोबाइल फोन चुरा लिया। जबतक जज को मोबाइल चोरी होने कापता चला, उससे पहले अपराधियों नेफोन के जरिए उनके बैंक खाते कोनिशाना बनाया। चोरों ने डिजिटलमाध्यम से दो अलग-अलग ट्रांजेक्शनकिए और उनके अकाउंट से कुल 2लाख 88 हजार रुपये सफलतापूर्वकनिकाल लिए।

चक्रवात का प्रभाव खत्म साफ हुआ मौसम

रांची : बंगाल की खाडी में उठाचक्रवाती तूफान 'दितवाह' कमजोर पड़गया है। इससे चक्रवाती तूफान काप्रभाव मंगलवार को समाप्त हो गया।इससे रांची सहित राज्य के सभी जिलोंमें मौसम पूरी तरह से साफ हो गया।यह जानकारी मौसम विभाग ने दी।मौसम साफ होने से रांची में तापमान मेंआंशिक गिरावट दर्ज की गई औरसुबह में भारी कनकनी महसूस कीगई। हालांकि दोपहर में धूप में तल्खीमहसूस की गई, लेकिन इसके बादआसामन में आंशिक बादल छा गए।इससे कनकनी में पुनः वृद्धि हो गई।वहीं सुबह और देर रात में कुहासाछाया रहा। मौसम विभाग ने बताया किरांची सहित राज्य के कई जिलों मेंआनेवाले दिनों में तडके सुबह और रातमें मध्यम दर्जे का कुहासा छाया रहेगा।

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को 'संचार साथी ऐप' को लेकर विपक्ष के सवालों पर कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष जनता को भ्रमित कर रहा है। सिंधिया ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने सदन में इस ऐप की उपयोगिता और इससे उपभोक्ताओं को मिली सुरक्षा का विस्तृत ब्योरा पेश किया है।

झारखंड के 16155740 मतदाताओं की पूरी हुई मैपिंग

अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृतकों की सूची में 12 लाख वोटरों को किया गया है सूचीबद्ध

बीएलओ को कार्यक्षेत्रमें आने वाली परेशानी का आकलन कर मदद करने का दिया निर्देशसं

संवाददाता

रांची : मंगलवार को झारखंड के मुख्यनिर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रविकुमार ने कहा कि राज्य में वर्तमानमतदाता सूची के मतदाताओं की पिछलीस्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)की मतदाता सूची से मैपिंग के क्रम में 1करोड़ 61 लाख 55 हजार 740मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है।उन्होंने कहा कि अनुपस्थित, स्थानांतरित,मृतकों सूची में 12 लाख मतदाताओं कोसूचीबद्ध किया गया है। इसके साथ हीमतदाता सूची की मैपिंग के अन्य कार्यप्रगति पर हैं। सीईओ ने निर्वाचन सदन मेंकम पैतृक मैपिंग करने वाले विधानसभाक्षेत्र के ईआरओ एवं सभी उप-निर्वाचनपदाधिकारियों के साथ बैठक की।

- स्पेशल इंटेंसिव रिवीजनकी मतदाता सूची से मैपिंगके में कम समय में हुआज्यादा काम
- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारीके. रवि कुमार ने दीजानकारी
- सीईओ ने ईआरओ औरउप-निर्वाचन पदाधिकारियोंके साथ की बैठक

बीएलओ को चिह्नित कर दी जाएगी बैचवार ट्रेनिंगसं

सीईओ कहा कि पिछली विशेष गहनपुनरीक्षण (एसआईआर) के बादराज्य में अन्य राज्यों से आएमतदाता एवं जिन मतदाताओं कीपिछली एसआईआर वाले मतदातासूची से मैपिंग में कठिनाई आ रहीहै, उनकी संबंधित राज्य की सीईओवेबसाइट अथवा भारत निर्वाचनआयोग की वेबसाइट का उपयोगकरते हुए मैपिंग सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि कम परफॉर्मेंस वालेबीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) को चिह्नित करते हुए बैचवार ट्रेनिंग दें।इसके साथ ही मतदाताओं को भीपैतृक मैपिंग की प्रक्रिया कीजानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंनेकहा कि वैसे बीएलओ जो पिछलीएसआईआर के मतदाता सूची सेमतदाता का विवरण नहीं ढूंढ पा रहे,वे अपने जिले मुख्यालय के हेल्पडेस्कमैनेजर से संपर्क कर सहायता प्राप्तकर सकते हैं।

दबीश... चर्चित सीए के ठिकानों पर फेमा एक्ट के तहत ईडी की बड़ी कार्रवाई

हुए 15 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापा65 लाख कैश व गहने बरामदद

रांची, मुंबई और सूरत के ठिकानों पर मारी गई रेड, कई दस्तावेज को जब्त, डिजिटल डिवाइस भी मिले

संवाददाता

रांची :मंगलवार सुबह रांची मेंईडी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए)नरेश केजरीवाल के ठिकानों परछापेमारी की। ईडी ने नरेशकेजरीवाल के रांची सहित मुंबईऔर सूरत के 15 ठिकानों पर रेडकिया। यह कार्यकारी विदेशी मुद्राप्रबंधन अधिनियम यानी फॉरेनएक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा)और मनी लॉन्ड्रिंग के तहत की गईहै। रांची में चर्च कॉम्प्लेक्स स्थितउनका कार्यालय और आवासीयठिकाने पर ईडी की टीम ने दबीशदी। टीम वित्तीय लेन-देन औरसंदिग्ध विदेशी मुद्रा से जुड़ेदस्तावेजों की छानबीन की। ईडीकी टीम ने नरेश केजरीवाल केआवास सहित परिवार, रिश्तेदारोंऔर कारोबारी सहयोगियों केठिकानों पर एक साथ छापेमारीकी।

छापेमारी के दौरान 65 लाखरुपये नकद और 55 लाख रुपये केसोना चांदी के सिक्के मिले। साथही हवाला के सहारे पैसों को विदेशभेजने से संबंधित सबूत भी बरामदहुए। रेड के दौरान गिरधरकेजरीवाल के ठिकानों से 30 लाखरुपये नकद व अजय केजरीवाल केठिकानों से 10 लाख रुपये औरइंदर केजरीवाल के ठिकानों से 25लाख रुपये नकद मिले। इसकेअलावा इंदर केजरीवाल केठिकानों से 55 लाख रुपये केसोना-चांदी के सिक्के बरामद हुएयह कार्रवाई आयकर विभाग द्वारा पहले की गई जांच पर आधारित है। विभाग की जांच में यह सामने आया था किनरेश केजरीवाल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नाइजीरिया और अमेरिका में कई अघोषित विदेशी शेल कंपनियों मेंइंवेस्ट किया है। इन शेल कंपनियों का संचालन भारत से ही किया जा रहा था, जिससे इनके उद्देश्य और लेनदेन कोलेकर गंभीर संदेह पैदा हुए। जांच अधिकारियों को विदेशों में किए गए निवेश से जुड़े लेनदेन, कंपनियों और बैंकखातों के बारे में अहम जानकारी मिली है। इन कंपनियों में 900 करोड़ से अधिक का अस्पष्ट भंडार जमा किया गयाहै। लगभग 1,500 करोड़ की राशि फर्जी टेलीग्राफिक ट्रांसफर के जरिए वापस भारत भेजी गई है।

हवाला के सहारे पैसों को विदेशभेजने से संबंधित सबूत भी बरामद

निवेश से जुड़े लेनदेन,कंपनियों और बैंकखातों के बारे में मिली हैकई अन्य अहमजानकारी

आयकर विभाग की जांच के बाद खुला राज

अब सेवा तीर्थ के नाम सेजाना जाएगा प्रधानमंत्रीकार्यालय का नया परिसर

एजेंस

नई दिल्ली :मंगलवार कोअधिकारियों ने यह जानकारी दीकि प्रधानमंत्री कार्यालय(पीएमओ) के नए परिसर कोअब सेवा तीर्थ के नाम से जानाजाएगा। अधिकारियों ने बतायाकि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकासपरियोजना के तहत बन रहेपरिसर का निर्माण कार्य अपनेअंतिम चरण में है। इसे पहलेएग्जीक्यूटिव एन्क्लेव के रूप मेंजाना जाता था। प्रधानमंत्रीकार्यालय के अलावा,निमार्णाधीन परिसर में मंत्रिमंडलसचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदसचिवालय और इंडिया हाउस केकार्यालय भी शामिल होंगे, जोआने वाले गणमान्य व्यक्तियों केसाथ उच्च स्तरीय वार्ता का स्थलहोगा। अधिकारियों ने बताया किसेवा तीर्थ एक ऐसा कार्यस्थलहोगा, जिसे सेवा की भावना कोप्रतिबिंबित करने के लिएडिजाइन किया गया है और जहांराष्ट्रीय प्राथमिकताएं मूर्त रूपलेंगी। उन्होंने कहा कि भारत केसार्वजनिक संस्थान एक शांत,लेकिन गहन बदलाव के दौर सेगुजर रहे हैं। अधिकारियों केमुताबिक शासन का विचार सत्तासे सेवा और अधिकार सेउत्तरदायित्व की ओर बढ़ रहा है।

इस बार जैक लेगा कक्षा 8वीं, 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षा

फिर झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद करेगा आयोजित

एजेंसी

रांची। राज्य के सरकारी स्कूलों में आठवीं, नौवीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षा इस बार (2025-26) झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित की जाएगी. परीक्षा ओएमआर शीट पर ली जाएगी और 31 मार्च 2026 से पहले परिणाम जारी कर दिया जाएगा. आगामी वर्षों (2026-27) में यह जिम्मेदारी (झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) को सौंपी जाएगी, जो 2027 से बदले हुए पैटर्न के अनुसार परीक्षा आयोजित करेगा. इधर, कक्षा 1 से 7 तक के

बच्चों की परीक्षा 16 दिसंबर से प्रस्तावित है. विकास आयुक्त के साथ सोमवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है. जैक अध्यक्ष ने बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है, लेकिन नए पैटर्न को लागू करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है. उन्होंने कहा कि 2018 के निर्देश के अनुसार फिलहाल परीक्षा ओएमआर पैटर्न पर ही ली जा सकती है. इसके आधार पर इस बार जैक को परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दी गई. बैठक में जैक की ओर से अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा, विधायक-सदस्य मथुरा महतो, नागेंद्र महती के अलावा विकास आयुक्त, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह और माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद उपस्थित रहे. बैठक में लिए गए निर्णय - 31 मार्च 2026 से पहले परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी जैक की होगी.

टाटा सब-लीज मामले में एलपीए खारिज होने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंची सरकार

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट में टाटासब-लीज मामले में लैटर पेटेंटअपील (एलपीए) खारिज होने केबाद राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्टमें याचिका दायर की है। शीर्षअदालत की ओर से संबंधित पक्षोंको नोटिस जारी किया चुका है।मामला आशियाना हाउसिंगलिमिटेड और पारिख इन प्राइवेटलिमिटेड से संबंधित है।उल्लेखनीय है कि टाटा स्टीललिमिटेड ने राज्य सरकार कीसहमति के बाद इन दोनों कंपनियोंको जमीन लीज पर देने काएग्रीमेंट किया था। इसके बादजमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति(जेएनएसी) ने सब-लीज कीजमीन

पर निर्माण कार्य कीअनुमति दी। इस बीच उपायुक्त नेएक आदेश जारी कर यथास्थितिबहाल करने का निर्देश दिया। साथही रजिस्टर्ड सब-लीज कीकार्रवाई रोक दी गई। इसके बादयह मामला हाईकोर्ट पहुंचा।न्यायाधीश गौतम कुमार चौधरी नेपक्षों की दलील सुनने के बादसरकार के दावों को अस्वीकारकरते हुए आशियाना हाउसिंग औरपारिख इन के पक्ष में फैसलादिया। साथ ही जेएनएसी कोनियमानुसार रिवाइज्ड बिल्डिंगप्लान की स्वीकृति का आदेशदिया। राज्य सरकार ने इस फैसलेके खिलाफ निर्धारित समय सीमाके बाद एलपीए दायर किया।ए

सत्र | एसआईआर पर विपक्ष का हंगामा,

दूसरे दिन भी नहीं चल सका सत्र, सरकार ने कहा- चुनाव सुधार पर चर्चा को तैयार

एजेंसी

नंई दिल्ली। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत कुछ मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बाधित लोकसभा की बैठक मंगलवार को दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई, वहीं सरकार ने कहा कि वह चुनाव सुधार समेत हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी लोकसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर पांच मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों का शोरशरा

बा जारी रहा। वे -एसआईआर पर चर्चा हो- के नारे लगा रहे थे। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने विपक्षी दलों के सदस्यों से अपनी-अपनी सीट पर बैठने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके जो भी मुद्दे हैं, उन पर सदन में चर्चा कराई जाएगी। उन्होंने कहा, देश की जनता अपने मुद्दों पर यहां चर्चा चाहती है। आप सब जिम्मेदार विपक्ष हैं। कृपया बैठ जाइए। सैकिया ने विपक्षी सदस्यों का शोरगुल जारी रहने पर कहा, यह तरीका जनता पसंद नहीं करती। ऐसा मत कीजिए। आप सुनियोजित तरीके से बार-बार सदन को बाधित कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है। आपके जो भी मुद्दे हैं उस पर चर्चा करने के लिए सदन तैयार है। पिछले सत्र में भी आपने सदन का समय बर्बाद किया। आपके कारण सदन नहीं चल पा रहा। उन्होंने कहा, आप क्यों बार-बार एसआईआर पर बोल रहे हैं। एसआईआर पर चर्चा होगी.....बोला गया है। बिहार में एसआईआर हुआ, परिणाम आपने देखा। जनता को बिहार में अच्छा लगा। एसआईआर का जनता ने भरपूर स्वागत किया। हंगामा नहीं थमने पर, उन्होंने अपराह्न दो बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे शुरू होने पर विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी गतिरोध जारी रहने के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, कल भी हमने अनुरोध किया था, आज फिर कर रहा हूं। देश में कई मुद्दे हैं, किसी मुद्दे को हम छोटा नहीं मानते। संसद नियम से चलती है। एक मुद्दे को लेकर आप बाकी मुद्दों को दबा नहीं सकते।

व्यापार और आर्थिक दृष्टि से देखी जानी चाहिए पुतिन की भारत यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत ने आज कहा कि रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं व्यापार संबंधों में प्रगति की दृष्टि से देखी जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने यहां बताया कि राष्ट्रपति पुतिन का यह यात्रा भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझीदारी स्थापित होने और वार्षिक शिखर बैठक की शुरूआत के 25 वर्ष पूर्ण होने के मौके पर हो रही है। पुतिन पहली बार वर्ष 2000 में आए थे, उसके बाद ये 23वीं वार्षिक शिखर बैठक है। अधिकारियों ने कहा कि इस यात्रा को हमारे बढ़ते आर्थिक और व्यापारिक संबंधों के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में हमारे द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान व्यापार, टेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष, मीडिया

भागीदारी को लेकर हम कई क्षेत्रों में समझौता करने जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि दोनों देशों के नेताओं ने व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने को एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र बताया है, जिन्होंने द्विपक्षीय निवेश को 2025 तक 50 अरब डॉलर और द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार 68.7 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसमें भारत से 4.9 अरब डॉलर का निर्यात और रूस से 63.8 अरब डॉलर का आयात शामिल है। अधिकारियों के अनुसार भारत से निर्यात की प्रमुख वस्तुओं में फार्मास्यूटिकल्स, ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक रसायन, लोहा और इस्पात, तथा समुद्री उत्पाद शामिल हैं, जबकि रूस से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में तेल और पेट्रोलियम उत्पाद, वनस्पति तेल (विशेष रूप से सूरजमुखी तेल), उर्वरक, कोकिंग कोयला, और कीमती पत्थर तथा धातुएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उर्वरक का रूस से आयात महत्पूर्ण है। इस दिशा में दोनों देशों की कंपनियां और भागीदारी बढ़ा रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि रूस देश में मानव संसाधनों का बड़ा ग्राहक रहा है। भारत और रूस कुशल कामगारों को भेजने को लेकर समझौता करने जा रहे हैं जिसका मसौदा फाइनल हो गया है।

रांची में कांग्रेस प्रदेश कार्यसमिति की बैठक, 14 दिसंबर की दिल्ली रैली में शक्ति प्रदर्शन पर बनी रणनीति

रांची, संवाददाता ।

प्रदेश कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली राष्ट्रीय रैली की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई. पार्टी ने दावा किया है कि झारखंड से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेता दिल्ली पहुंचकर कांग्रेस की ताकत का प्रदर्शन करेंगे. बैठक के दौरान यह रणनीति बनाई गई कि राज्य के सभी जिलों से कार्यकताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि यह रैली सिर्फ राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बड़े जन आंदोलन का हिस्सा है. हालांकि, बैठक में

संगठनात्मक अनुशासन को लेकर सवाल भी उठे. क्योंकि आधे से ज्यादा पदाधिकारी बैठक से नदारद रहे, जिससे अंदरखाने चर्चा तेज है.

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष रहे मौजूद

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ मंत्री दीपिका पांडे और तीनों कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो और शाहनवाज आलम सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. प्रदेश अध्यक्ष ने जिम्मेदारियों का बंटवारा करते हुए सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित संख्या में कार्यकताओं को दिल्ली रैली तक भेजने की तैयारी तेजी से पूरी करें. बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस वोट चोरी के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संवैधानिक स्तर पर लड़ाई लड़ रही है. उन्होंने कहा वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा. दिल्ली की रैली में झारखंड से मजबूत उपस्थिति दर्ज होगी. उन्होंने कहा कि जनता के वोट पर डाका डालने वाली ताकतों के खिलाफ हम मजबूती से खड़े हैं.

लोकतंत्र की रक्षा के लिए पीछे हटने वाले नहीं हैं: बंधु तिर्की

वहीं कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने भी आक्रामक रुख अपनाने का संकेत दिया. उन्होंने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस सड़क से सदन तक आक्रामक भूमिका में रहेगी. लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष हमारा कर्तव्य है और हम पीछे हटने वाले नहीं हैं. बैठक में मौजूद कैबिनेट मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने रैली को सफल बनाने के लिए कई अहम निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक दल की नहीं, देश के मतदाताओं की है. हम इसे मजबूती से लड़ेंगे. मंत्री ने कहा कि दिल्ली रैली में झारखंड कांग्रेस अपनी एकजुटता और संकल्प दिखाएगी. 14 दिसंबर को प्रस्तावित यह रैली कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है. जिसमें चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं, एश्ट से जुड़ी शिकायतों और मतदाता अधिकारों के सवाल को राष्ट्रीय मंच पर उठाया जाएगा. पार्टी का दावा है कि रामलीला मैदान में लाखों की संख्या में लोग जुटेंगे, जिसमें झारखंड की भूमिका अहम होगी. हालांकि कार्यसमिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की अनुपस्थिति ने संगठन की सक्रियता और अनुशासन पर सवाल जरूर खड़े किए हैं. लेकिन नेतृत्व का कहना है कि रैली को सफल बनाने के लिए सभी स्तर पर तैयारी जारी है. अब प्रदेश कांग्रेस की निगाहें 14 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन पर टिकी है.

झारखंड के कुख्यात अपराधी राहुल सिंह के खिलाफ ब्लू कार्नर नोटिस जारी, विदेश में बैठ चला रहा गैंग

रांची, संवाददाता ।

विदेश में बैठकर झारखंड में अपने गिरोह का संचालन कर रहे कुख्यात अपराधी राहुल सिंह के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है. झारखंड सीआईडी के अनुरोध पर सीबीआई की मदद से यह कार्रवाई की गई है.

कौन है राहुल सिंह ,क्यों जारी हुआ ब्लू कॉर्नर नोटिस

राहुल सिंह एनकाउंटर में मारे गए गैंगस्टर अमन साहू का बेहद करीबी माना जाता है. अपराध की दुनिया में यह चर्चा है कि राहुल सिंह के द्वारा ही अब अमन साहू गिरोह का संचालन किया जा रहा है. अपराध की गतिविधियों को झारखंड में संचालित करने के लिए राहुल सिंह फिलहाल देश छोड़कर फरार हो चुका है और विदेश में रहकर झारखंड में अपने गुर्गों से आपराधिक वारदातों को अंजाम दिलवा रहा है. झारखंड पुलिस से

मिली जानकारी के अनुसार राहुल सिंह का गिरोह झारखंड के कई जिलों जैसे पलामू, रांची, रामगढ़, बोकारो, चतरा, हजारीबाग और लातेहार में एक्टिव है. विदेश में बैठकर राहुल सिंह अपने गुर्गों को रंगदारी वसूलने के लिए निर्देश देता है, जिसके बाद उसके गुर्गे रेलवे साइडिंग से लेकर कोयला कारोबारी के साइट पर हमला और गोलीबारी करते हैं. जो लोग रंगदारी नहीं देते हैं उन्हें राहुल सिंह विदेश से बैठकर ही धमकता है. हाल के दिनों में राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस के द्वारा लगातार कार्रवाई करते हुए एक दर्ज ज्यादा अपराधियों गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है. इसी क्रम में यह जानकारी मिली कि राहुल सिंह विदेश में बैठकर अपने गैंग का संचालन कर रहा है.

सीआईडी ने सीबीआई से मदद मांगी

झारखंड सीआईडी के अधिकारियों के अनुसार राहुल सिंह की जानकारी इकट्ठा करने के लिए सीबीआई की मदद से इंटरपोल को ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने का आग्रह किया गया था, जिसे मंजूर कर लिया गया है. ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियां राहुल सिंह की पहचान और उसके गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाएंगी ताकि उसकी गिरफ्तारी की राह आसान हो सके. किसी आपराधिक जांच के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान या जगह या फिर उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी इकट्ठा करवाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है.

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर डीएसपीएमयू में चला जागरूकता कार्यक्रम

रांची, संवाददाता ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर रसायन शास्त्र विभाग में आज ह्यराष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवसह्व का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन ने की. अपने संबोधन में उन्होंने छात्रों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार आदतें अपनाने और प्रदूषण मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के तहत विभाग के इको-क्लब द्वारा इंटर-क्लास निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्नातक स्तर के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता और बढ़ते प्रदूषण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना था.

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन, सस्टेनेबल लिविंग और

पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषय दिए गए थे. छात्रों के निबंधों का मूल्यांकन सामग्री की गहराई, मौलिकता, अभिव्यक्ति की स्पष्टता और सुझाए गए समाधानों की व्यावहारिकता के आधार पर किया गया. जजों ने छात्रों की पर्यावरण संबंधी समझ और जागरूकता की सराहना की. प्रतिभागियों ने अपने निबंधों में सिंगल-यूज प्लास्टिक में कमी, अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा, जल संरक्षण और अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया. कई छात्रों ने कठोर प्रदूषण नियंत्रण कानूनों की जरूरत और स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने में नागरिकों की भूमिका को भी रेखांकित किया.

भोजपुरी सुपरस्टार निरहुआ की नई फिल्म मुर्गा ट्रॉफी, झारखंड की धरती पर बनेगी संघर्ष और संवेदना की कहानी

रांची, संवाददाता ।

भोजपुरी सुपरस्टार और पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ ने सोमवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में अपनी नई फिल्म मुर्गा ट्रॉफी से जुड़े महत्वपूर्ण अपडेट साझा किए. उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग झारखंड के खूबसूरत लोकेशन पर तेजी से चल रही है और राज्य की प्राकृतिक सुंदरता फिल्म के लिए सबसे उपयुक्त साबित हो रही है.

झारखंड की नेचुरल ब्यूटी किसी भी कहानी को दिल से जोड़ती है: निरहुआ

निरहुआ ने कहा कि उनकी टीम ने कई राज्यों के लोकेशन देखे, लेकिन ह्यमुर्गा ट्रॉफीह्व जैसी संवेदनशील और वास्तविक कहानी को जीवित करने के लिए झारखंड से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती. उन्होंने आगे कहा कि

झारखंड की प्राकृतिक खूबसूरती, गांवों का वास्तविक परिवेश, स्थानीय संस्कृति और लोगों की सहजता किसी भी कहानी को दिल से जोड़ देती है.

बच्चे के संघर्ष, सपनों और जज्बे पर आधारित है फिल्म

अभिनेता ने बताया कि फिल्म की प्रकृति पूरी तरह पारिवारिक और प्रेरणादायक है, जिसमें एक बच्चे के संघर्ष, सपनों और जज्बे को दशार्या गया है. यह सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि एक संवेदनशील संदेश देने वाली फिल्म है. उन्होंने कहा कि फिल्म के बाल कलाकार पूरी तरह झारखंड से हैं और खास बात यह है कि इनमें से अधिकांश पहली बार कैमरे के सामने अभिनय कर रहे हैं. इसके बावजूद उनकी स्वाभाविक अभिव्यक्ति और गांव की मिट्टी से जुड़ी नैसर्गिकता फिल्म को असाधारण बनाएगी.

फिल्म निमार्ताओं का पसंदीदा स्थान बन सकता है: निरहुआ

निरहुआ ने कहा कि झारखंड में फिल्म बनाने का अनुभव हमेशा सकारात्मक रहा है. यहां का वातावरण, सहयोगी लोग और लोकल कलाकारों की प्रतिभा फिल्म निर्माण को आसान और सार्थक बनाती है. अभिनेता ने कहा कि झारखंड में जब भी कोई फिल्म बनती है तो वह इतनी वास्तविक होती है कि लोगों के दिल को छू लेती है. उन्होंने इस बात की भी सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार फिल्म नीति पर निरंतर काम कर रही है, जिससे आने वाले समय में झारखंड फिल्म निमार्ताओं का पसंदीदा स्थान बन सकता है.

भोजपुरी इंडस्ट्री में नई पहचान स्थापित करेगी मुर्गा ट्रॉफी

फिल्म से जुड़े प्रोडक्शन सदस्यों ने भी बताया कि शूटिंग कई लोकेशन पर चल रही है. स्थानीय लोगों का अपार सहयोग मिल रहा है. ग्रामीण परिवेश, हरियाली से भरपूर प्राकृतिक नजारे और झारखंड की सांस्कृतिक विविधता फिल्म को एक अलग स्तर पर ले जा रही है.

रांची में सफाई अभियान तेज, नगर निगम ने 77,000 रुपये का जुर्माना लगाया

रांची, संवाददाता ।

रांची नगर निगम शहर में सफाई व्यवस्था सुधारने और सूखाझ्रगीला कचरा अलग करने की व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के लिए लगातार निरीक्षण कर रहा है. इसी दौरान निगम की टीम ने कई होटल, रेस्टोरेंट, मेस, अपार्टमेंट, हॉस्टल और अन्य संस्थानों का निरीक्षण किया. जांच में कई जगहों पर खुले में कचरा फेंकना, कचरा अलग न करना और डस्टबिन का सही उपयोग न करने जैसी लापरवाहियां मिलीं, जिसके कारण जुमार्ना लगाया गया. निरीक्षण में जिन रेस्टोरेंट पर कार्रवाई हुई, उनमें द रासो होटल, द रुईन हाउस, माउंटेन व्यू रिसोर्ट, भारत घर, फूड कोर्ट, काउज 7, फ्ऋछ और कावेरी रेस्टोरेंट शामिल हैं. इन सभी पर खुले में कचरा फेंकने या कचरा अलग नहीं करने पर 2,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया. मेस श्रेणी में रिम्स हॉस्टल 07, रिम्स हॉस्टल

08, मेस और मेस पर भी सफाई में लापरवाही मिलने पर जुमार्ना लगाया गया. हॉस्टल श्रेणी में श्री गुरु बॉयज लॉज पर नियमों का पालन न करने पर 5,000 रुपये का चालान काटा गया. होटल/मेस श्रेणी में विजन इंडिया पर डस्टबिन न रखने और खुले में कचरा फेंकने पर 5,000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया. चिकन शॉप में मो. सोहेल पर भी कचरा प्रबंधन में कमी मिलने पर कार्रवाई हुई. अपार्टमेंट श्रेणी में वैष्णवी अपार्टमेंट, कपूर एनक्लेव, नारायणी नर्सिंग होम, रुद्राक्ष ग्रीन, एस जी अपार्टमेंटिका, अमतलश प्लस और गुलमोहर अपार्टमेंट पर कचरा अलग नहीं करने या खुले में कचरा फेंकने पर 5,000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया.

बिरसा मुंडा संग्रहालय के सामने कचरे का अंबार, आगंतुक परेशान, नगर निगम ने सुधार का दिया भरोसा

रांची, संवाददाता ।

करोड़ों की लागत से विकसित ऐतिहासिक भगवान बिरसा मुंडा स्मृति संग्रहालय हर दिन सैकड़ों आगंतुकों को आकर्षित करता है. 15 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका ऑनलाइन उद्घाटन किया था. पुराने केंद्रीय कारागार परिसर में विकसित इस स्मृति स्थल को जनजातीय वीरों के बलिदान और गौरव को समर्पित किया गया है. लेकिन इसके ठीक सामने की तस्वीर इसके महत्व और भव्यता को चुनौती देती नजर आ रही है.

कचरे की बदबू से लोग हो रहे हैं परेशान

संग्रहालय परिसर के समीप बने अस्थायी डंपिंग जोन में कचरे का अंबार लगा हुआ है. आसपास बदबू फैल रही है और गंदगी के कारण आगंतुकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने इस स्थिति पर कड़ी नाराजगी जताई है. लोगों का

कहना है कि जहां एक ओर सरकार इस स्थल को देश की धरोहर के रूप में विकसित कर रही है, वहीं दूसरी ओर उसके ठीक सामने लगातार जमा हो रहा कचरा सौंदर्य और गरिमा दोनों को ठेस पहुंचा रहा है.

जल्द समस्या को किया जाएगा दूर: नगर आयुक्त

रांची नगर निगम के नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने स्वीकार किया कि डंपिंग जोन की समस्या गंभीर है, लेकिन इसे जल्द ही दूर किया जाएगा. उन्होंने कहा 'आने वाले समय में वहां कचरा नहीं दिखेगा. व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है. अत्याधुनिक टफ्ऋमशीन का सेटअप लगाया जा रहा है, जिससे कचरे का तुरंत निष्पादन किया जा सकेगा और क्षेत्र हमेशा साफ-सुथरा रखा जाएगा'. गौरतलब है कि सरकार ने रांची जेल परिसर को अत्याधुनिक संग्रहालय के रूप में विकसित किया है. जहां 25 फीट ऊंची बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है. प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा दिए गए बयान में कहा गया था कि यह संग्रहालय न केवल भगवान बिरसा मुंडा, बल्कि झारखंड और देश के विभिन्न जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और योगदान को समर्पित है. यहां शहीद बुधु भगत, सिदो-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, दिवा-किसुन, तेलंगा खड़िया, गया मुंडा, जतरा भगत, पोटो हो, भगीरथ मांझी और गंगा नारायण सिंह जैसे महान जननायकों से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित की गई हैं.

इस्पात, लौह अयस्क एवं उर्वरक जैसे प्रमुख माल की बढ़ी ढुलाई

रांची, संवाददाता ।

भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, कुशल, विश्वसनीय और विस्तार योग्य लॉजिस्टिक प्रणाली की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय रेल, जो देश की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक धमनियों में से एक है, माल एवं यात्रियों को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचाकर इस प्रगति को गति दे रही है। यह न केवल लॉजिस्टिक लागत को कम कर रही है, बल्कि उद्योगों के तेज एवं सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। साथ ही, भारतीय रेल प्रतिदिन दो करोड़ से अधिक यात्रियों के आवागमन को संभव बनाकर देश की परिवहन प्रणाली की रीढ़ को सुदृढ़ कर रही है। नवंबर 2025 तक संचयी आधार पर भारतीय रेल की माल ढुलाई 3.3% बढ़कर 1,070.8 मिलियन टन हो गई है। यह उपलब्धि विशेष रूप से इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि भारतीय रेल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के केवल आठ महीनों में ही 2013-14 के पूरे वर्ष (1,055 मिलियन टन) की तुलना में अधिक माल ढोया है। यह सतत वृद्धि औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत कर रही है, घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार को समर्थन दे रही है तथा एक अधिक किफायती एवं सतत लॉजिस्टिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दे रही है। रेल परिवहन सड़क परिवहन की तुलना में लगभग आधी लागत में उपलब्ध होने से, उद्योगों को महत्वपूर्ण बचत होती है और व्यापक आर्थिक लाभ सुनिश्चित होते हैं। जैसे-जैसे अधिक थोक माल रेल की ओर स्थानांतरित हो रहा है, लाभ केवल व्यावसायिक प्रदर्शन तक सीमित नहीं हैं—रेल परिवहन कार्बन उत्सर्जन को कम करता है, राजमार्गों पर भीड़ घटाता है और उद्योगों—विशेषकर एमएसएमई—को अधिक हरित एवं विश्वसनीय लॉजिस्टिक विकल्प प्रदान करता है।

झारखंड में कड़ाके की ठंड देने वाली है दस्तक! लापरवाही खड़ी कर सकती है मुसीबत

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में मौसम के लिहाज से पूरा नवंबर माह उतार चढ़ाव भरा रहा. कभी शीतलहर से सामना हुआ तो कभी न्यूनतम पारा में 2-3 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ. अब दिसंबर का महीना शुरू हो गया है. सवाल है कि इस माह में ठंड का रुख कैसा रहने वाला है. मौसम केंद्र के मुताबिक ठंड को लेकर पैनिक होने की जरुरत नहीं है. लेकिन एक बात तय है कि 3 से 5 दिन तक शीतलहर चलने से थोड़ी परेशानी बढ़ सकती है. लिहाजा, दिसंबर माह में थोड़ी सी लापरवाही बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकती है.

मौसम में सतर्क रहने की जरूरत

मौसम केंद्र, रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक अगले चार दिनों में ज्यादातर जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे और 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है. लेकिन ठंड की असली मार 15 दिसंबर के बाद शुरू हो सकती है. तब बफीर्ली हवा की वजह से शीतलहर का दौर शुरू हो सकता है जो 3 से 5 दिन तक असर डाल सकता है. इसका असर क्रिसमस और न्यू ईयर के त्यौहार पर पड़ सकता है. साथ ही यह भी स्पष्ट

किया गया है कि मौसम में ऐसा कोई अप्रत्याशित बदलाव नहीं होगा, जो पैनिक होने का कारण बने.

रांची में 5 डिग्री तक जा सकता है न्यूनतम पारा

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक इस साल रांची का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है. इससे पहले 3 दिसंबर 2021 को रांची का न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था. उन्होंने बताया कि इसको असामान्य स्थिति नहीं कहा जा सकता. आमतौर पर दिसंबर माह में कुछ समय के लिए पारा लुढ़कता है, जिसका ज्यादा असर रांची के ग्रामीण इलाकों जैसे, नामकुम, कांके, मैक्लुस्कीगंज, ओरमांझी जैसे इलाकों में देखने को मिलता है. मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक 19 दिसंबर 2020 को रांची का न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री था. 22 दिसंबर 2021 को पारा 5.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था. 17 दिसंबर 2022 को पारा 8.5 डिग्री था. 17 दिसंबर 2023 को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री था. जबकि 15 दिसंबर 2024 को पारा 7.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था. लेकिन अनुमान जताया गया है कि इस साल दिसंबर माह में रांची का न्यूनतम पारा 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा. ऐसे समय में स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी. 2 दिसंबर को सुबह 8.30 तक जारी रिपोर्ट के मुताबिक सबसे कम तापमान खूंटी में 9.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है. इसके अलावा सिर्फ गुमला जिला है, जहां का तापमान 10 डिग्री से नीचे 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है. शेष सभी जिलों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री से 18.1 डिग्री तक रिकॉर्ड हुआ है. कोडरमा एकमात्र जिला है जहां का न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस रहा है.

युवक सुसाइड मामले में सुखदेव नगर थाना प्रभारी और मुंशी सस्पेंड

रांची, संवाददाता ।

जिले के सुखदेव नगर थाना प्रभारी और थाना के मुंशी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है. शादी से पहले एक युवक के द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद थाना पर लगे आरोपों के बाद यह कार्रवाई की गई है. सुखदेव नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार को आईजी रांची के निर्देश पर एसएसपी रांची ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है. वहीं, एसएसपी ने थाने के मुंशी परशुराम को भी निलंबित कर दिया है. रांची आईजी मनोज कौशिक ने थानेदार और मुंशी के सस्पेंड होने की पुष्टि की है.

मुंशी पर परिवार ने लगाया था रुपये लेने का आरोप

बता दें कि 29 नवंबर रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के किशोरगंज रोड नंबर 5 में शादी की खुशियां अचानक मातम में बदल गई थी. दरअसल, नितेश पांडेय नामक युवक जो रेलवे में कार्यरत था उसकी शनिवार को ही शादी थी, लेकिन इससे पहले ही किशोरगंज से रोड नंबर 05 स्थित नितेश पांडेय ने अपने ही कमरे में आत्महत्या कर ली. नितेश के आत्महत्या को लेकर परिजनों ने सुखदेवनगर पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया था. नितेश के भाई नीरज पांडेय ने बताया था कि 26 नवंबर को उसका तिलक था, इसी बीच प्रियंका नाम की एक लड़की ने उस पर यौन शोषण का आरोप लगाकर केस कर दिया. थाना से बिना किसी जांच के नितेश को हिरासत में ले लिया गया. इसके बाद उसे छोड़ने के लिए वरीय पुलिस अधिकारियों को मैनेज करने के नाम पर दस लाख रुपये भी वसूले गए. भाई नीरज पांडेय ने बताया कि थाने के मुंशी परशुराम कभी एक लाख तो कभी दो लाख की मांग करता था. कभी सिटी एसपी, तो कभी कोतवाली डीएसपी के नाम पर पैसे की मांग की जाती थी. थाने से छोड़ने के बावजूद आरोप लगाने वाली लड़की उसे बहुत परेशान कर रही थी, जिसकी वजह से उसने सुसाइड कर लिया.

डीजीपी ने भी लिया था संज्ञान

रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में बारात निकलने से ठीक पहले दूल्हे द्वारा आत्महत्या करने के मामले में झारखंड पुलिस मुख्यालय ने गंभीर रुख अपनाया था. सोमवार को डीजीपी तदाशा मिश्रा ने मामले की जांच के लिए रांची आईजी मनोज कौशिक को जिम्मेदारी दी थी. साथ ही आरोपित पुलिसकर्मियो को तत्काल लाइन हाजिर करने का भी आदेश भी जारी किया था. पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी प्रेस रिलीज में बताया गया था की मीडिया में आई खबर बारात निकलने से ठीक पहले दूल्हे के द्वारा आत्महत्या को लेकर पुलिस महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक झारखंड ने संज्ञान लेते हुए रांची के प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक और वरीय पुलिस अधीक्षक को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये थे.

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीज की मौत

● परिजनों ने लगाया गलत इंजेक्शन देने का आरोप ● सांसद ने लिया संज्ञान ● दोषी पर कार्रवाई की मांग

संवाददाता

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मंगलवार को इलाज के दौरान पदमा निवासी चौधरी यादव नामक मरीज की मौत हो गई। चौधरी यादव (45 वर्ष) शनिवार (30 नवंबर) की शाम में हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कीटनाशक दवा का सेवन करने के बाद भर्ती हुए थे। परिजनों ने आरोप लगाया है कि इलाज के दौरान लापरवाही से चौधरी यादव की मौत हुई है। चौधरी यादव की मौत के बाद उनके भतीजे रणधीर कुमार यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए यह आरोप लगाया कि डॉक्टर के द्वारा लिखे गए इंजेक्शन जो कि डॉक्टर के पर्चे में लिखा गया था, उसके जगह पर गलत इंजेक्शन स्लाइन के माध्यम से मरीज को चढ़ा दी गई। जो मरीज एकदम ठीक था और डॉक्टर से छुट्टी लेकर घर जाने की मांग कर रहे थे उन्हें एकाएक जलन की शिकायत होने लगी और उनकी मौत हो गई। इस मामले में वह सभी कसूरवारों पर कार्रवाई की मांग की है।इस मामले की सूचना मृतक के परिजनों ने जब हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को दी गई तो वे संसद के शीतकालीन सत्र में होने के बावजूद उन्होंने उनसे बात की और अपने लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अस्पताल भेजा। जहां सांसद प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर मृतकों के परिजनों से घटना की पूरी जानकारी ली और इस पूरे मामले के लिए उन्होंने आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से बहाल लोगों पर सवाल खड़ा करते हुए यह कहा कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए और जो भी इस पूरे मामले में दोषी है उन पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि सांसद मनीष जायसवाल खुद हजारीबाग डीसी शशि प्रकाश सिंह से बात की है और जो भी इस मामले के लिए गुनहगार होंगे उसे पर कार्रवाई होगी। रंजन चौधरी ने सुप्रिंटेंडेंट डॉ.अनुकरण पूर्ति से मिलकर इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद सुपरिंटेंडेंट के द्वारा तीन चिकित्सकों का एक टीम गठन कर पोस्टमार्टम कराया गया।इस दौरान सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी भी यहां परिजनों संग डटे रहे। पोस्टमार्टम के बाद एम्बुलेंस व्यवस्था कराकर शव को उनके आवास भेजवाया गया।वहीं इस पूरे मामले पर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट अनुकरण पूर्ति ने बताया कि मामले की जानकारी प्राप्त हुई है जांच चल रही है और एक टीम बनाकर पोस्टमार्टम भी किया जा रहा है इस पूरे मामले में अगर कोई दोषी होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा और उसे पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और मृतक चौधरी यादव के दो लड़के हैं एवं परिवार के सदस्य कार्रवाई के साथ-साथ मुआवजे की भी मांग कर रहे हैं।सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने एक गंभीर आरोप लगाया कि झारखंड में स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स स्टॉफ की बहाली में बड़ा धांधली होता है।उन्होंने कहा कि आउटसोर्स द्वारा स्किल्ड पदों पर बहाल किए गए कर्मियों की योग्यता की व्यापक स्तर पर उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। विशेषकर हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लगातार प्रबंधकीय अक्षमता के कारण चिकित्सीय लापरवाही का मामला उजागर होता रहा है। जिसमें अधिकतर वार्डों को आउटसोर्स कर्मियों के भरोसे छोड़ देने के कारण लगातार ऐसी अमानवीय घटनाएं सामने आ रही है जो स्वास्थ्य जैसे पुनीत पेशा को कलंकित करता है और शासन- प्रशासन की बदनामी होती है। उन्होंने यह भी बताया कि इन कर्मियों पर विभागीय अधिकारियों और सीनियर चिकित्सकों का भी अंकुश नहीं हो पाता है और ये मनमानी करने पर उतारू हो जाते हैं। इससे पहले भी गायनी ओटी से एक मरीज की गिरकर मौत का मामला सहित कई मामले हैं जिसमें चिकित्सीय लापरवाही का मामला उजागर हो चुका है लेकिन ऐसे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर सख्ती बरतने की जरूरत है ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति भविष्य में न हो।

विश्वरंग 2025 से लौटी आईसेक्ट विश्वविद्यालय की टीम, राष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया मान

संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, की टीम मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित भारत के सबसे प्रतिष्ठित और अभिनव सांस्कृतिक उत्सव विश्वरंग 2025 में शामिल होकर लौट आई। बता दें कि यह भव्य अंतरराष्ट्रीय महोत्सव विश्व रंग फाउंडेशन, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं संस्कृति विभाग,मध्य प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित,जहां देश-विदेश के साहित्य, कला और संस्कृति से जुड़े दिग्गजों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग की सहभागिता को लेकर विश्वविद्यालय परिवार में खासा उत्साह देखा गया। तीन दिवसीय इस महोत्सव में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, मॉरिशस के उपराष्ट्रपति पृथ्वी राज सिंह रूपन, वरिष्ठ पत्रकार सौरभ द्विवेदी, सुमित अवस्थी,सुप्रसिद्ध गायिका सोना महापात्रा,अभिनेत्री मान्या मल्होत्रा, पॉकेट एफएम के अंकुर श्रीवास्तव, स्टेज एप से कुनाल कमरावत, नेपाल के वीर बहादुर,रूस की सेवानिवृत्त प्राध्यापिका तत्याना ओरांस्काया, युक्रेन की प्राध्यापिका पोनोमोरेंको, युके की सुरेखा चौफला, कनाडा के डॉ हंसदीप,श्रीलंका से डॉ वाजिरा गुणसेन,नीदरलैंड से नंनन पाण्डेय सहित देश-विदेश के अनेक साहित्यकार,कलाकार और बुद्धिजीवी शामिल हुए। कुल मिलाकर करीब दुनिया भर के 70 देशों के 1000 से अधिक अतिथियों की मौजूदगी ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। इस महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व विश्वरंग के निदेशक संतोष चौबे ने कहा कि विश्वरंग केवल एक साहित्यिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत की बहुरंगी संस्कृति, वैश्विक विचारों और मानवीय संवेदनाओं का साझा मंच है। यहां देश-विदेश के लेखक, कलाकार, विचारक और युवा एक-दूसरे से संवाद करते हैं, सीखते हैं और नई सोच के साथ आगे बढ़ते हैं। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने इसे विद्यार्थियों के लिए वैश्विक सांस्कृतिक संवाद से जुड़ने का बेहतरीन अवसर बताया। कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि ऐसे आयोजनों से शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति और नवाचार को भी बराबर महत्व मिलता है।सम्कुलपति डॉ गौरव शुक्ला ने इसे युवाओं के सर्वांगीण विकास से जोड़ते हुए नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क को मजबूत करने वाला मंच बताया।छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ एसआर रथ ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी केवल तालीमी दायरे तक सीमित नहीं है, बल्कि उनमें सांस्कृतिक शऊर और रचनात्मक सोच भी प्रबल है।वहीं वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार ने कौशल, संस्कृति और सृजनात्मकता के संगम को समय की अहम जरूरत बताया। आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से विश्वरंग में शामिल होने वालों में कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, सम्कुलपति डॉ गौरव शुक्ला,छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ एस आर रथ, वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार के अलावा डॉ प्रिति कुमारी, डॉ विनय पंजियार, मो शमीम अहमद, कोमल पाण्डेय भेंगरा, राहुल राजवार, नागेश्वरी कुमारी, सबा प्रवीण, विशाखा बाला, योगेश प्रसाद कुशवाहा, रोहित राणा सहित विद्यार्थियों में आरिफ अली, पम्मी विश्वकर्मा, वर्षा कुमारी, शिवांगी कुमारी, अभिजीत मंडल, विजय कुमार महतो, श्रवण कुमार, वर्षा, अर्पित कुमार, गौरव सहित अन्य के नाम शामिल हैं।

27 दिनों में 30 बीएलओ की मृत्यु दुर्भाग्यपूर्ण : बंधु तिर्की

संवाददाता

रांची। पूर्व मंत्री, झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि पिछले 27 दिनों में देश के अलग-अलग राज्यों में 30 बीएलओ की मृत्यु बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के द्वारा जो कुछ भी हो रहा है वह कार्रवाई अनेक सवाल खड़े करता है। श्री तिर्की ने कहा कि लोकतंत्र के नाम पर चुनाव आयोग इस तंत्र के वैसे अभिन्न हिस्से को ही कुचल रहा है जिसके अभाव में चुनाव और लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती।वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बात पूरी तरीके से समझ से परे है कि आखिर किस मजबूरी के कारण केवल दो-तीन महीने के अंदर ही चुनाव आयोग विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआइआर) करने के लिये अपना अभियान जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि यह बात तो समझ में आती है कि चुनाव आयोग वैसे मतदाताओं को लक्षित कर रहा है जो भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं देते और उनकी भावना इंडिया गठबंधन के किसी दल के साथ है जिसे वे अपना मत देते हैं। इसके लिये चुनाव आयोग ने लोकतंत्र की सभी मर्यादाओं को तार-तार कर दिया जिसका खुल्लम-खुल्ला खेल बिहार में नजर आया। उन्होंने कहा कि यह बात किसी भी दृष्टिकोण से समझ में नहीं आती कि जिन प्रदेशों में चुनाव होने में लंबा समय है आखिर वहां भी चुनाव के लिये एसआइआर के लिये केवल 3 महीने का समय क्यों दिया गया है? श्री तिर्की ने कहा कि बंगाल में मार्च-अप्रैल 2026 में चुनाव होना है तो इसलिये वहां आयोग ने युद्ध स्तर पर एसआइआर शुरू किया लेकिन असम, केरल एवं तमिलनाडु में 2026 के बाद के महीनों में चुनाव होना है जबकि, उत्तर प्रदेश एवं गुजरात में 2027 में और मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, पुडुचेरी, अंडमान निकोबार, लक्षद्वीप आदि में 2028 में चुनाव होना है लेकिन चुनाव आयोग ने युद्ध स्तर पर विशेष मतदाता पुनरीक्षण का कार्य शुरू कर दिया जिससे अनावश्यक दबाव बीएलओ पर पड़ा है। श्री तिर्की ने कहा कि बीएलओ की जो मृत्यु चाहे आत्महत्या हो या फिर किसी दबाव, हृदयाघात या दुर्घटना के कारण लेकिन कुल मिलाकर इसे एसआइआर के खाते में ही डाला जायेगा क्योंकि वैसी सभी मौत, पूरी तरीके से अनावश्यक दबाव डालकर अपनी मनमर्जी का फैसला करवाने की सरकार और चुनाव आयोग की साजिश का परिणाम है जिसका खामियाजा केवल बीएलओ नहीं बल्कि, उनके परिवार के सदस्य और पूरा देश भुगत रहा है। साथ-साथ इसके कारण अनेक मतदाता अपना नाम मतदाता सूची से कटने को लेकर भयभीत है। श्री तिर्की ने केन्द्र सरकार और चुनाव आयोग से अपील की है कि वह अपने निर्णय पर गंभीरता के साथ पुनर्विचार करे क्योंकि सरकारें तो आती-जाती रहती है। लेकिन लोकतंत्र को भारत की जमीन पर हमेशा बरकरार रहना है।

बस स्टैंड स्थित आश्रय गृह का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता

पाकुड़। मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने नगर परिषद, पाकुड़ द्वारा बस स्टैंड परिसर में संचालित आश्रय गृह का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आश्रयविहीन एवं जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। नगर परिषद, प्रशासक अमरेंद कुमार चौधरी ने उपायुक्त को अवगत कराया कि आश्रय गृह में रह रहे सभी आश्रयविहीन व्यक्तियों के लिए बिस्तर, तकिया, ठंड से बचाव हेतु कंबल, मच्छरदानी, स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि आश्रय गृह में नियमित साफ- सफाई सुनिश्चित की जाए।

सभी मूलभूत सुविधाएं सुव्यवस्थित एवं सुदृढ़ रहें और बढ़ती ठंड को देखते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन को वृहद स्तर पर अभियान मोड में संचालित किया जाए ताकि आश्रयविहीन एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित रूप से आश्रय गृह तक पहुँचाया जा सके। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि किसी भी आश्रयविहीन व्यक्ति को खुली जगह पर रात गुजारने से पूर्व तुरंत रेस्क्यू कर आश्रय गृह में सुरक्षित व्यवस्था प्रदान की जाए। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद प्रशासक अमरेंद कुमार चौधरी, नगर मिशन प्रबंधक मनीष कुमार मिश्रा तथा आश्रय गृह के केयरटेकर उपस्थित थे।

कांके अंचल के अधिकारियों-कर्मचारियों का कार्य सराहनीय : भू-स्वामी

संवाददाता

रांची। शहर के कांके अंचल अंतर्गत हलका छह के कर्मचारी संजय कुमार की कार्यशैली सराहनीय ही नहीं, बल्कि अनुकरणीय भी है। उक्त बातें कांके अंचल के कई भू-स्वामियों ने कही। भू-स्वामियों के मुताबिक कांके अंचल के हलका कर्मचारी संजय कुमार अंचलाधिकारी अमित भगत व अंचल निरीक्षक चितरंजन टुड्डू के निर्देशानुसार लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन के प्रति सदैव सक्रिय रहते हैं। उनकी तत्परता से भू-स्वामियों के लंबित मामलों का निपटारा स-समय हो रहा है। इस संबंध में एक भू-स्वामी ने बताया कि कांके अंचल कार्यालय में उनका आवेदन पिछले लगभग छह माह से लंबित था। हलका कर्मचारी संजय कुमार से संपर्क कर उन्होंने अपनी समस्या बताई। तत्पश्चात मंगलवार को उनका कार्य निष्पादित कर दिया गया। भू-स्वामियों के मुताबिक कांके के अंचलाधिकारी अमित भगत व अंचल निरीक्षक चितरंजन टुड्डू, कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, उप प्रमुख अजय बैठा सहित अन्य सभी कर्मचारियों का कार्य सराहनीय है। विशेषकर संजय कुमार कर्मचारी (हलका छह) का कहना है कि हम जनता के कार्यों के लिए ही बहाल किए गए हैं। इसलिए जनहित के कार्यों का यथाशीघ्र निष्पादन हमारी प्राथमिकता है। गौरतलब है कि भूमि संबंधी कार्यों के लिए भू-स्वामियों को अंचल कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। स -समय काम नहीं होने से अंचल कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ-साथ सरकार की छवि पर भी विपरीत असर पड़ता है।

दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य मेला का शुभारंभ पहले दिन 651 लोगों का हुआ मुफ्त इलाज

● समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना लक्ष्यः डॉ.प्रवीण श्रीनिवास

संवाददाता

हजारीबाग। संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य मेला का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। आयोजन के पहले दिन मंगलवार को शुरुआत विधिवत दीप प्रज्वलित के साथ मेला का शुभारंभ किया गया। मुख्य रूप से संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल के संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास, मिशन ट्रस्ट से रेव्ह. दादु टुटी, रेनॉल्ड्स जॉय, अतुल तिर्की, अभिमलिकसुरिन एवं ट्रस्टी निगम खलखो सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।मिशन होस्पिटल परिवार द्वारा अतिथियों को स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। स्वास्थ्य मेले में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 651जनों का मुफ्त जांच एवं इलाज किया गया।इसमें निः शुल्क सेवाओं में डॉक्टर परामर्श, बी.पी.जांच, कैंसर स्क्रीनिंग, मुफ्त दवा, दंत जांच, नेत्र जांच, शुगर एवं हीमोग्लोबिन जांच, न्यूरोलॉजिस्ट परामर्श, एक समय का भोजन एवं अल्ट्रासाउंड व अन्य जांच में भारी छूट दी गई। बड़ी संख्या में बच्चे, महिला एवं पुरुष जरूरतमंद पहुंचे एवं स्वास्थ्य मेला का भरपूर लाभ उठाया।मौके पर संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल के संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने संबोधित कर कहा कि यह स्वास्थ्य मेला समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति के कारण कई लोग समय पर जांच और उपचार नहीं करा पाते, इसलिए मिशन होस्पिटल द्वारा इस तरह के शिविरों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि दूसरे दिन बुधवार को और भी अधिक लोग इस मेला का लाभ उठाकर अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होंगे। उन्होंने सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, ट्रस्ट के सदस्यों और सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और बताया कि मेले के दूसरे दिन भी विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा सेवाएं दी जाएगी।

मोटोरोला का मोटो जी 57 पावर लॉन्च

रांची। मोटोरोला, मोबाइल ने 12,999 रुपये में बजट फोन मोटो जी 57 पावर लॉन्च किया है। कंपनी के मुताबिक यह डिवाइस शक्तिशाली दुनिया के पहले स्नैपड्रैगन 6 एस जेन 4 प्रोसेसर के साथ बजट श्रेणी को फिर से परिभाषित करता है, जो श्रेणी में सर्वोत्तम परफॉर्मेंस और मल्टी-टास्किंग के लिए है, इसमें बेहतरीन फोटोग्राफी अनुभव के लिए सेगमेंट का सर्वश्रेष्ठ 50 एमपी सोनी एलवाईटीआईए 600 कैमरा, स्लिमर डिजाइन के लिए सेगमेंट की सबसे अधिक 7000 एमएएच सिलिकॉन कार्बन बैटरी दी गई है। साथ ही, सेगमेंट का सबसे अधिक टिकाऊपन कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 7इ और एमआईएल -810एच के साथ दिया गया है, और एक बेहतरीन 6.72 120 एचजेड एफएचडी + डिस्प्ले भी है, यह सब कुछ अल्ट्रा-प्रीमियम पैंटोन क्यूरेटेड वेगन लेदर डिजाइन में दिया गया है। आधुनिक और दुनिया के पहले स्नैपड्रैगन 6 एस जेन 4 प्रोसेसर से संचालित, मोटो जी 57 पावर दुनिया का पहला स्मार्टफोन है जिसमें यह प्रोसेसर है। साथ ही, सेगमेंट का सबसे अधिक टिकाऊपन कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 7इ और एमआईएल -810एच के साथ दिया गया है, और एक बेहतरीन 6.72 120 एचजेड एफएचडी + डिस्प्ले भी है, यह सब कुछ अल्ट्रा-प्रीमियम पैंटोन क्यूरेटेड वेगन लेदर डिजाइन में दिया गया है।

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 181 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 181 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया "राम सिया राम सिया राम जय जय राम" के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। मंत्री विष्णु चौधरी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित कर केसरिया पेड़ा, गुड़, चना, फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। मंत्री विष्णु चौधरी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा सेवा मुकेश मित्तल ने गिलोला सेवा एवं राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपाध्यक्ष अशोक लड़िया मंत्री विष्णु चौधरी उपमंत्री प्रवीन सिंघानिया रिषभ कुमार हर्ष कृष्णा अंकित कुमार आदि भक्त उपस्थित थे। "शनिवार को श्री श्याम भंडारा" शनिवार को 180 श्री श्याम भंडारे का आयोजन संध्या 4-30 बजे से किया गया है। निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी ने सभी धर्म प्रेमियों को प्रसाद के लिए आमंत्रित किया है।

20 तोला सोना, लाखों की नगदी सहित लाखों के सामान लेकर चोर हुए रफूचक्कर

संवाददाता

पाकुड़। नगर थाना क्षेत्र में एक बार फिर बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। बागानपाड़ा स्थित विष्णु कुमार अग्रवाल के बंद आवास को चोरों ने निशाना बनाते हुए 20 तोला सोना, करीब 10से11 लाख रुपये नकद, 1.300 किलो चांदी समेत लाखों के कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के मुताबिक 29 नवंबर को पीड़ित परिवार शादी समारोह में शामिल होने आसनसोल गया था। 1 दिसंबर को लौटने पर मेन गेट खोलते ही उन्हें अंदर का ग्रिल टूटा और कमरों के दरवाजे खुले मिले। आलमारी पूरी तरह खंगाली हुई थी। सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी बबलू कुमार, एसआई अभिषेक कुमार, एसआई मिथुन रजक और एएसआई अनंत कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की बारीकी से जांच की। पुलिस ने तकनीकी सेल की मदद से आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। फुटेज में स्पष्ट दिखा कि चोर घर की चारदीवारी फांदकर अंदर घुसे थे। पीड़ित ने मंगलवार को नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस अब चोरों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए तकनीकी और मैदानी दोनों स्तरों पर छानबीन तेज कर चुकी है। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द चोरी गए सामान की बरामदगी और चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

तेली समाज का सबसे ज्यादा राजनीतिक शोषण करने वाली पार्टी भाजपाःसुनील साहू

संवाददाता

बड़कागांव। तेली साहू समाज संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कुंज बिहारी साव की अध्यक्षता में तेली साहू समाज संघर्ष समिति (झ4) की बैठक हजारीबाग परिसदन भवन के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन पूर्व मुखिया सह जिला संयोजक नन्दलाल साव ने किया। उक्त मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील साहू एवं प्रदेश अध्यक्ष संजय खेही समेत जिला के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिनिधिगण उपस्थित हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि तेली समाज के लोग 95 प्रतिशत से भी अधिक वोट सिर्फ भाजपा को देते हैं। बदले में भाजपा लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मौके पर तेली समाज को टिकट नहीं के बराबर देती है। इतना ही नहीं राज्यसभा और विधान परिषद में भी तेली समाज की उपेक्षा बड़े पैमाने पर की जाती है। स्पष्ट है कि तेली समाज का सबसे ज्यादा राजनीतिक शोषण भाजपा के द्वारा ही की जाती है। प्रदेश अध्यक्ष संजय खेही ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने तेली समाज को सिर्फ 5 टिकट दिया वहीं आरजेडी ने बड़ा दिल दिखाते हुए तेली समाज को 5 टिकट दिया जबकि तेली समाज के लोग आरजेडी को 5% भी वोट नहीं देते हैं।अध्यक्षता करते हुए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कुंज बिहारी साव ने कहा कि तेली समाज को राजनीतिक भागीदारी लेना है तो सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़नी ही होगी। श्री साव ने यह भी कहा कि जल्द ही जिला कार्यसमिति का विस्तार भी किया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा किए जा रहे समीक्षा कार्यों के बाद डीसी के सवाल पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी

❖कहा- पेंशन योजना के तहत 25620 लाभुकों को सिंतबर 2025 तक पेंशन प्रदान कर दिया गया है।

❖राज्य पेंशन योजना के तहत कुल 97227 लाभुकों को नवंबर 2025 तक का पेंशन उपलब्ध करा दिया गया है वहीं

रामगढ़, संवाददाता

मंगलवार को उपायुक्त, रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा शंकर प्रसाद के द्वारा उपायुक्त को रामगढ़ जिले में केंद्र एवं राज्य प्रायोजित पेंशन योजनाओं के तहत लाभुकों को दिए जा रहे लाभ की जानकारी दी गई। इस दौरान सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा द्वारा बताया गया कि केंद्र प्रायोजित पेंशन योजनाओं में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के तहत 25620 लाभुकों को सिंतबर 2025 तक पेंशन प्रदान कर दिया गया है। राज्य प्रायोजित पेंशन योजना के तहत सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा के द्वारा उपायुक्त को जानकारी दी गई की सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य एचआईवी एड्स पीड़ित व्यक्तियों के लिए पेंशन योजना, स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना एवं मुख्यमंत्री ट्रांसजेंडर पेंशन योजना के तहत कुल 97227 लाभुकों को नवंबर 2025 तक का पेंशन उपलब्ध करा दिया गया है वहीं मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 126718 लाभुकों को अक्टूबर 2025 तक का सम्मान राशि उपलब्ध करा दिया गया है। जिस पर उपायुक्त ने ससमय लाभुकों को सम्मान राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा शाखा सहित अन्य उपस्थित थे।

नगर परिषद एवं छावनी परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा में डीसी ने दोनों विभाग के अधिकारियों से कहा

❖साफ सफाई ,जल जमाव, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पर काम करने को कहा।

❖आयुष्मान, प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री श्रमिक आवास पर काम करने का आदेश दिया।

रामगढ़, संवाददाता

मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में रामगढ़ जिला अंतर्गत नगर परिषद एवं छावनी परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा सर्वप्रथम पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली गई जिसके उपरांत उन्होंने अलग-अलग योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी ली गई एवं नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उनके द्वारा 15वें वित्त आयोग, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के भी समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त द्वारा क्षेत्र में साफ सफाई, जल जमाव आदि के तहत किए जा रहे हैं कार्यों की जानकारी लेते हुए इस पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, नगर प्रबंधक नगर परिषद सहित अन्य उपस्थित थे।

बीसीसीएल एरिया 3 के ओरिएंटल माइंस क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई, अवैध कोयला जब्त

धनबाद, संवाददाता

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के एरिया-3 अंतर्गत ओरिएंटल माइंस क्षेत्र में मंगलवार को सीआईएसएफ और बीसीसीएल प्रबंधन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 25 टन अवैध कोयला जब्त किया। यह छापेमारी ओरिएंटल माइंस के निकट की गई, जहां अवैध रूप से कोयले का भंडारण और परिवहन किया जा रहा था। सूत्रों के अनुसार, संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान कोयले के अवैध परिवहन और भंडारण से संबंधित प्रारंभिक जानकारी भी जुटाए हैं। इस मामले में अवैध कारोबारियों के सिंडिकेट की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है। इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। जब्त कोयले के आधार पर अवैध खनन, भंडारण और परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धनबाद में जर्जर सड़कों व मूलभूत सुविधाओं को लेकर राज सिन्हा का धरना सफल, नगर निगम ने लिखित रूप से मानी मांगें

धनबाद, संवाददाता

शहर की जर्जर सड़कों के निर्माण, नालियों के निर्माण, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही के खिलाफ भाजपा विधायक सह विधानसभा के सचेतक राज सिन्हा द्वारा धनबाद नगर निगम मुख्य द्वार पर 1 दिसंबर से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को समाप्त हो गया। धरना रात्रि में भी जारी रहा, जिसमें ठंड के बावजूद सैकड़ों कार्यकर्ता विधायक के साथ जनता की समस्याओं के निदान की मांग को लेकर डटे रहे। दूसरे दिन आंदोलन ने व्यापक रूप ले लिया। विभिन्न वार्डों के लोग, सामाजिक संगठन, भाजपा महानगर व ग्रामीण जिला के सभी मंडलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में धरना स्थल पहुँचे। भाजपा झारखंड प्रदेश नेतृत्व ने आंदोलन का समर्थन करते हुए तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति–पूर्व नेता प्रतिपक्ष व मंत्री अमर बाउरी, प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम और पूर्व मंत्री अपर्णा सेन गुप्ता को धनबाद भेजा। समिति ने धरना स्थल पर पहुँचकर समर्थन जताया और विधायक के साथ बैठकर आंदोलन को मजबूती दी।जनदबाव और विधायक राज सिन्हा के अडिग रुख के बाद नगर आयुक्त रविराज शर्मा, उपनगर आयुक्त प्रकाश कुमार तथा निगम अभियंताओं की टीम ने धरना स्थल पर पहुँचकर सभी प्रमुख मांगों को लिखित रूप से स्वीकार किया। लिखित आश्वासन मिलने के बाद विधायक ने धरना को स्थगित कर इसे जनता की जीत बताया। विधायक राज सिन्हा ने कहा, धनबाद की सड़कों, नालियों और स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था जनता के टैक्स का अधिकार है। जनता के हक पर किसी प्रकार की उदासीनता स्वीकार नहीं होगी। यदि निगम समय पर कार्य पूरे नहीं करता, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि जरूरत पड़ी तो इसे राज्यव्यापी आंदोलन बनाया जाएगा। भाजपा उपाध्यक्ष विकास प्रीतम ने विकास बाधित करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। पूर्व मंत्री अपर्णा सेन गुप्ता ने कहा कि जनता की समस्याओं पर सही अर्थों में आवाज केवल भाजपा उठाती है। भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि जनता ने रिकॉर्ड समर्थन देकर स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब केवल विकास चाहिए। ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने कहा कि शहर ही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह आंदोलन धनबाद की जनता के हित में एक व्यापक जन-आंदोलन के रूप में दर्ज हुआ।

भुरकुंडा के बलकुदरा माइन में फिर से गूंजेगी मशीनों की आवाज, बंद पड़े खदान का हुआ पुनः शुभारंभ

रामगढ़, संवाददाता

बंद पड़ी बलकुदरा आउटसोर्सिंग माइन में मंगलवार को फिर से रौनक लौट आई। भुरकुंडा के परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी के द्वारा आउटसोर्सिंग माइन कार्य का शुभारंभ किया गया। इसकी शुरूआत पीओ द्वारा विधिवत नारियल फोड़कर मशीन चालू कराया गया। इसके बाद उपस्थित लोगों के बीच लड्डू बांटे गए। इस मौके पर कर्मचारियों के बीच उत्साह और खुशी का माहौल देखा गया। लंबे समय से बंद पड़े माइन के दोबारा चालू होने से स्थानीय कर्मियों और क्षेत्र के लोगों में नई उम्मीद जगी है। पीओ ने कहा कि खदान के पुनः संचालन से न केवल उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि आसपास के लोगों को भी रोजगार का लाभ मिलेगा। कर्मचारियों ने पदाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए माइन के सुचारू संचालन में पूरा सहयोग देने का संकल्प लिया। मौके पर मैनेजर राजेश कुमार सिंह, सेफ्टी ऑफिसर पंकज कुमार सिंहद्व अविनाश चंद्रा, भुरकुंडा सर्वे ऑफिसर धीरेन्द्र कुमार, बीएमएस के महामंत्री शशिभूषण सिंह, कोफिमयू के भुरकुंडा शाखा सचिव पप्पू सिंह, शैलेंद्र सिंह, अमरेंद्र सिंह, नौशाद आलम, ओमप्रकाश, लक्ष्मी नारायण प्रसाद, सुभाष तिवारी, अफजल हुसैन, एसएम राजकुमार, गजेश, नान्हू महतो, मुन्ना मुंडा, शनिचरवा, प्रदीप सहित दर्जनों कर्मचारी मौजूद थें।

एक क्विंटल से अधिक डोडा भूसी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

पलामू, संवाददाता

पलामू पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में एक कार से अवैध रूप से तस्करी किए जा रहे एक क्विंटल एक किलो 870 ग्राम डोडा भूसी बरामद किया है। पुलिस ने मामले में उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के रहने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने प्रेस वार्ता कर बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि सफेद रंग की अर्टिगा कार (संख्या यूपी 25 डीवाई 0589) से रांची के चक बुंडू इलाके से खरीदी गई डोडा भूसी उत्तर प्रदेश के बरेली ले जाई जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद सदर थाना पुलिस की टीम ने सिंगराकला गांव स्थित आंगन ढाबा के नजदीक एनएच-39 पर वाहनों की विशेष जांच शुरू की। करीब 12:50 बजे संदिग्ध वाहन पुलिस को देख तेजी से भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। जांच के दौरान कार से चार प्लास्टिक बोरे में भरी अवैध डोडा भूसी बरामद की गई। वाहन में सवार बरेली के एजाजनगर गांव निवासी मोहम्मद चांद (23) और जीशान (30) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पूछताछ में दोनों आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे प्रतिबंधित डोडा भूसी को बरेली में बेचने के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने उनके खिलाफ सदर थाना कांड संख्या 133/2025, दिनांक 1 दिसंबर 2025, धारा 15/22 एनडीपीएस एक्ट अंतर्गत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की। छापेमारी दल में पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन, एएसआई सुजीत कुमार पांडेय, एएसआई पंकज कुमार तिवारी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

शक्ति मेला में भक्ति जागरण का आयोजन

धनबाद, संवाददाता

टाटा सिजुआ 12 नंबर (आजाद सिजुआ) स्थित शहीद शक्तिनाथ महतो के समाधि स्थल परिसर में चल रहे शक्ति मेला में सोमवार रात भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। भांगड़ भोला हेमंत कुमार दुबे एंड म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायक हेमंत ने साजि गेला साजि गेला,,,,,, भांगड़ भोला,,,,,,होरी दिन तो गेलो,,,,,तुमि एमन सुरे आर बाजयोना आदि प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर विवश कर दिया। वाद्य यंत्र नाल पर मिहिर कुम्हार, बेंजो पर राधे-राधे, पेड पर रंजीत कुमार तथा कोरस में जगदीश व अकलु ने संगत देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के सचिव मनोज कुमार महतो, ललित नारायण महतो, हीरलाल महतो, विकास महतो, राजेश महतो, तारकनाथ महतो, मोहित महतो, कृतिवास महतो, रवि महतो, श्रृष्टिधर महतो, आर्यन महतो, निखिल महतो, पंकज महतो, रोनित महतो, नवीन महतो, रंजीत महतो, निर्मल महतो आदि का विशेष योगदान रहा।

10 घंटे में लूटकांड का खुलासा, पर्स लूट के आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

पलामू, संवाददाता

शहर थाना पुलिस ने लूटपाट की घटना में शामिल एक आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घटना एक दिसंबर को रेडमा जनकपुरी निवासी सुनीता देवी के साथ घटी थी, जब वह सुबह करीब 11:30 बजे पैदल बाजार जा रही थीं। इसी दौरान सुरेश सिंह चौक, पांकी रोड के पास बुलेट सवार एक अज्ञात व्यक्ति उनका पर्स छीनकर फरार हो गया। पर्स में उनका मोबाइल फोन, 10,500 रुपये नकद, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक तथा सोने का टूटा हुआ टॉप रखा हुआ था। सुनीता देवी द्वारा शहर थाना में आवेदन दिए जाने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया और तत्काल जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ने 10 घंटे के अंदर बुलेट मोटरसाइकिल व आरोपी की पहचान कर ली। इसके बाद कार्रवाई करते हुए आरोपी विक्की कुमार (उम्र 24 वर्ष), पिता सुदेश्वर पासवान, निवासी बारालोटा, पांकी रोड को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके निशानदेही पर गुरुद्वारा बेलवाटिका के पास नाली से छिनाया गया पर्स तथा घर से मोबाइल फोन बरामद किए गए। वहीं घटना में प्रयुक्त रॉयल एनफील्ड बुलेट (संख्या JH 03 AP 05724) भी जब्त की गई। शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है। छापेमारी टीम में एएसआई माया कुमारी, टाइगर मोबाइल के जवान मुकेश सिंह, सूर्यनाथ सिंह, अमित कुमार, मिथिलेश पासवान, शैलेश कुमार और सहायक पुलिस जवान जयंत दुबे शामिल थे।

जपला एके सिंह डिग्री कॉलेज के समीप हड़ही नदी पर पुल नहीं बनने से छात्रों को हो रही हैं परेशानी

पलामू, संवाददाता

हुसैनाबाद प्रखंड के कुसुआ गांव स्थित जपला एके सिंह डिग्री कॉलेज के समीप हड़ही नदी पर आजादी के बाद भी पुल नहीं बन सका है। इसके कारण छात्र-छात्राओं को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त नदी पर पुल बन जाने से कॉलेज जाने में दूरी भी कम हो जाएगी। गांव से जाने में लोगों को काफी परेशानी होती हैं।बरसात में जैसे तैसे सड़क पार करना पड़ता है। लोगों ने बताया कि विकास के इस दौर में भी लोग हयूम पाइप के सहारे नदी पार करने के लिए विवश हैं स्थानीय लोगों और छात्रों में इस पुल के नहीं बनने के कारण काफी गुस्सा है । स्थानीय लोगों का कहना है कि जपला एके सिंह डिग्री कॉलेज हुसैनाबाद अनुमंडल मुख्यालय से महज दो से तीन किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है इसके बावजूद कॉलेज की समस्या के समाधान के लिए न पदाधिकारी और ना ही माननीय सांसद महोदय ने ध्यान नहीं दे रहे है। जबकि उक्त कॉलेज में शासी निकाय के सांसद तीन साल से अध्यक्ष के पद पर भी काबिज है। लोगों ने कहा कि पुल निर्माण की मांग को लेकर जनप्रतिनिधि समेत अधिकारी से कई बार संपर्क किया गया है` बावजूद उक्त समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हो सका है । लोगों ने बताया कि हड़ही नदी पर अप्रोच सड़क कॉलेज के लिए दान दे दिया है। अब उक्त हड़ही नदी पर पुल के नहीं बनने के कारण कुसुआ गांव से होकर छात्रों को जाना पड़ता है। जिसके कारण परीक्षा के समय घंटों जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं।

कोडरमा उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जन शिकायत कोषांग की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

कोडरमा, संवाददाता

जिला उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जन शिकायत कोषांग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त आमजन की शिकायतों एवं आवेदनों के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना से संबंधित मामलों में मुआवजा भुगतान से जुड़े आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ऑनलाइन दाखिल-खारिज तथा अबुआ आवास योजना लाभार्थियों के आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने को कहा। नगर पंचायत कोडरमा को नाली सफाई एवं मरम्मती से जुड़े मामलों पर नियमित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। आपदा से प्रभावित विशेषकर मकान ध्वस्त मामलों पर भी अधिकारियों को त्वरित निष्पादन कर मुआवजा उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया।

इसके अतिरिक्त सामान्य शाखा से संबंधित मामलों, जैसे झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितकरण तथा गृह रक्षा वाहिनी से जुड़े आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री प्रिंस गोडविन कुजुर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीतीश कुमार निशांत सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी उपस्थित रहे।

कोडरमा उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोडरमा, संवाददाता

जिला उपायुक्त ऋतुराज अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिले के आम नागरिकों की समस्याओं से अवगत हुए। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं दूर-दराज क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएँ उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को एक-एक कर ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। आज के जनता दरबार में प्रमुख रूप से जिन समस्याओं पर आवेदन प्राप्त हुए, उनमें जमीन विवाद, दाखिल खारिज, भूमि पर अवैध कब्जा हटाने, पेंशन योजना से लाभान्वित कराने, आवास योजना का लाभ दिलाने, आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा राशन कार्ड में नाम जोड़ने से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। उपायुक्त ने सभी आवेदनों पर त्वरित एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया, ताकि आमजन की समस्याओं का जल्द से जल्द निष्पादन हो सके।

चीन, सऊदी समेत गल्फ कंट्री में लड़कियों की तस्करी

भारत-नेपाल बॉर्डर से 180 दिनों में 100 से अधिक लड़कियां गायब, एन.एच.आर.सी. पहुंचा मामला

मुजफ्फरपुर। बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों से पिछले 6 महीनों में 100 से अधिक लड़कियों और महिलाओं के गायब होने का मामला मानवाधिकार आयोग पहुंच गया है। मानवाधिकार मामलों के वकील एसके झा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। वकील झा ने बताया कि मोतिहारी से सटे भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय तस्कर बड़ी संख्या में एक्टिव हैं। ये तस्कर लड़कियों को देश के अलावा नेपाल, चीन, ब्राजील और सऊदी अरब जैसे देशों में करोड़ों रुपए में बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये मामला काफी संवेदनशील और मानवता को शर्मसार करने वाला है। साथ ही ये पुलिस की कार्यशैली और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवालिया निशान खड़ा करता है। झा की ओर से आयोग से मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग भी की गई है। राष्ट्रीय और बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग में दी गई याचिका में क्या कहा? पटना स्थित राज्य मानवाधिकार आयोग में दी गई याचिका में झा की ओर से कहा गया है कि 30 नवंबर के मोतिहारी एडिशन में बॉर्डर क्षेत्र से 6 माह में 100 लड़कियां गायब शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया। जिसकी तह तक जाने पर ये

जानकारी हुई कि अपने देश के अलावा नेपाल, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब में करोड़ों में बेटियां बेची जा रही है। लड़कियों के गायब होने के मामले बॉर्डर इलाकों के अलग-अलग थानों में दर्ज है। रक्सौल, आदापुर, रामगढ़वा और हरपुरवाना क्षेत्र से लड़कियों के गायब होने के मामले सामने आए हैं। जिसमें आदापुर के चैनपुर के एक ही परिवार की 4 लड़कियां गायब थीं, जिनका रेस्क्यू थानाध्यक्ष की तत्परता से हो गया। लेकिन अन्य स्थानों से गायब लड़कियों का रेस्क्यू अब तक नहीं हो सका है। हरैया थाना और रक्सौल थाना में दर्ज मामलों में विवाहित महिलाएं भी शामिल हैं। रामगढ़वा बाजार से गायब महिला का मायका रामगढ़वा में है, जबकि नेपाल में उसकी ससुराल है। महिला रामगढ़वा बाजार से तीन महीने पहले यानी 6 जून को गायब हुई थी। रक्सौल के रतनपुर के रहने वाले विजय पांडेय की बेटी के गायब होने का मामला 10 जून को रक्सौल थाना में दर्ज हुआ। बॉर्डर पर मानव तस्करी के खिलाफ काम करने वाली एनजीओ के अनुसार, सरोगेसी, शादी और बॉडी पार्ट्स की खरीद-फरोख्त के लिए भी लड़कियों की बड़े पैमाने पर विदेशों में तस्करी किए जाने का खुलासा हुआ है। 6 माह में सीमा क्षेत्र से 100 से अधिक लड़कियां गायब हो चुकी हैं। बॉर्डर पर अपने देश के अलावा नेपाल, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब आदि देशों के मानव तस्करों के सिंडिकेट सक्रिय हैं। जो इन लड़कियों की लाखों-करोड़ों में डील करते हैं। पिछले दिनों इनमें से महज एक दर्जन लड़कियों को रेस्क्यू किया गया था, बाकी अब भी लापता हैं। रेस्क्यू की गई लड़कियों में चार लड़कियां एक ही परिवार की थी। मानव तस्करी निरोध के लिए बॉर्डर पर कार्यरत 'स्वच्छ रक्सौल' के अध्यक्ष रंजीत सिंह, 'प्रयास' संस्था की कोऑर्डिनेटर आरती और एसएसबी इंस्पेक्टर विकास कुमार ने बताया कि नशा कारोबारियों की ओर से लड़कियों

का इस्तेमाल नशीले पदार्थ की तस्करी में किया जाता है। जिन लड़कियों की तस्करी की जाती है या जिनके गायब होने का मामला सामने आया है, उनमें अधिकतर की उम्र 18 से 25 साल के बीच की होती है। ये लड़कियां नेपाल के रिमोट एरिया वाले दूर वाले गांव से आती हैं। मानव तस्करी गैंग में शामिल लड़के इन लड़कियों को सोशल मीडिया के जरिए टारगेट करते हैं। उन्हें लालच देकर, सपने दिखाकर प्यार के जाल में फंसाते हैं। फिर फ्यूचर की चकाचौंध दिखा कर बॉर्डर पार करा लेते हैं। बॉर्डर क्रॉस कराने के बाद कुछ लड़कियों से शादी कर ली जाती है, जबकि कुछ लड़कियों को रेड लाइट एरिया में जबरन बेच दिया जाता है। बॉर्डर पर काम कर रही मानव तस्कर विरोध संस्थाओं के मुताबिक, पहले इन लड़कियों को लड़के उनके एरिया में जाकर ले आते थे, लेकिन अब चलन बदल गया है। लड़कियों को अकेले बॉर्डर पर बुलाया जाता है, फिर उन्हें उनके सोशल मीडिया फ्रेंड बॉर्डर पार कराते हैं। अगर किसी को शक हुआ तो लड़के भाग जाते हैं। ज्यादातर मामलों में लड़के पकड़ में नहीं आते।नेपाल में ज्यादातर लड़कियां 10वीं, 12वीं पास होती हैं। कुछ की परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं होती कि वे आगे की पढ़ाई कर पाए, कुल मिलाकर इनका फैमिली बैकग्राउंड आर्थिक तौर पर कमजोर होता है। ऐसी लड़कियां नौकरी करना भी चाहती हैं, लेकिन नेपाल में उन्हें मन मुताबिक जॉब नहीं मिल पाता। इसी का फायदा मानव तस्कर गैंग में शामिल लड़के उठाते हैं। सोशल मीडिया के जरिए हो ऐसी लड़कियों को टारगेट कर उन्हें नौकरी का झांसा दिया जाता है। गैंग में पहले से शामिल लड़कियों से वीडियो कॉल पर बातचीत कराई जाती है, ताकि इन लड़कियों को शक न हो। वीडियो कॉल पर बात करने वाली लड़कियां अच्छी कमाई का लालच देती हैं, इसलिए लड़कियां इनके झांसे में आ जाती हैं।नेपाल में पहाड़ी इलाकों में रहने वाले परिवारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होती है, ऐसे में कुछ परिवार अपनी बेटियों को मजदूरी के नाम पर ठेकेदारों को बेच देते हैं, इसके बदले में लड़कियों के परिवार वालों को कुछ अच्छे पैसे मिल जाते हैं। इसके बाद लड़कियों के बदले उनके माता-पिता को रुपए देने वाले इन्हें कभी ईंट-भट्ठों पर, तो कभी ढाबों पर मोटी रकम लेकर उनका सौदा कर देते हैं। इसके बाद ये लड़कियां शारीरिक से लेकर मानसिक शोषण की शिकार हो जाती हैं। सोशल साइट के माध्यम से मानव तस्कर लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर शादी और नौकरी का झांसा देते हैं। इसके बाद उन्हें घर से भगाकर बॉर्डर पार ले जाते हैं और देसी-विदेशी एजेंटों को मोटी रकम लेकर बेच देते हैं। कई बार नशा खिलाकर भी उन्हें बेचा जाता है। इसके अलावा, इन लड़कियों की हत्या कर उनकी किडनी तक बेची जाती है। जिस अनुपात में लड़कियां गायब हो रही हैं, उसके मुकाबले उनका रेस्क्यू बेहद कम, करीब पांच प्रतिशत ही हो पा रहा है, जबकि बॉर्डर पर इसे रोकने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। बॉर्डर पर काम कर रहे NGO के सदस्यों का कहना है, अगर मानव तस्करी का कोई मामला आता है तो हम लोग लोकल पुलिस को कार्रवाई के लिए देते हैं। क्योंकि, हम कानूनी कार्रवाई नहीं कर सकते। कई बार जो बॉर्डर पार कराते हैं, उन्हीं के खिलाफ कार्रवाई होकर रह जाती है। कई बार कार्रवाई नहीं भी होती है। ऐसे में इस सिंडिकेट के बड़े सरगना तक पहुंचने की कोशिश नहीं होती, जिससे ये कानून से बच जाते हैं।

बच्चे के सामने ईंट से कूचकर महिला की हत्या

पटना। में एक महिला की ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। मृतका के पति के अनुसार वो अपने दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। इसी बीच गाली देने पर सभी में मारपीट शुरू हो

गई। झगड़े के बाद दोस्तों ने महिला की ईंट से कूच कर हत्या कर दी और फरार हो गए। मामला राजीवनगर रोड नंबर-25 ऊ का है। मृतका की पहचान प्रियंका कुमारी (25) के रूप में हुई है। वे समस्तीपुर की रहने वाली है। प्रियंका पिछले 7 साल से रेंट के मकान पर पति-पत्नी और एक बच्चा (7) के साथ राजीव नगर में रह रही थी। पति मेघनाथ साह ने बताया कि सोमवार को रात 8:30 बजे मैं अपने दोस्त प्रकाश उर्फ जेपी और लालू उर्फ मुखिया के इंद्रपुरी स्थित रूम पर गया था। वहां हमने पहले शराब पार्टी की। फिर बीच बीच में दोनों एक दूसरे पर कमेंट करने लगें। उन्होंने मुझे गाली दी तो मैंने भी गाली दिया था। बात इतनी बढ़ गई कि कमरे में ही मारपीट शुरू हो गई। दोनों मुझे कमरा में बंद कर पीटने लगें। मैंने इसी बीच अपने छोटे भाई दिलखुश को बुला लिया। फिर दिलखुश ने मुझे वहां से निकाला। दोनों भाई कमरे से बाहर आए और दिलखुश साइकिल से इंद्रपुरी रोड नंबर-14 अपने रेंट के मकान पर चला गया और मैं वहां से अपने घर रेपीडो बुक कर इंद्रपुरी रोड नंबर 25-D के लिए निकला। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। आरोपी पालीगंज के रहने वाले हैं। पटना के इंद्रपुरी में किराए के मकान में रहकर सेंटिंग लगाने और मिट्टी ढुलाई का काम करते हैं। मृतका के बेटे ने बताया है कि ईंट से मार कर दो लोगों ने मेरी मां की हत्या कर दी है। वो बाइक से आए थे। बता दें कि 12 मार्च 2018 को मेघनाथ साह की शादी प्रियंका से हुई थी। बोरिंग रोड में काम के सिलसिले में मेघनाथ साह जाता था, इसी दौरान दोस्ती जेपी से हुई थी। जेपी के घर पर कभी-कभी मुखिया भी आता था, इसी दौरान उससे भी परिचय हुआ। पिछले 3 साल से तीनों के बीच दोस्ती थी।

पटना में पति दूसरा निकाह कर रहा था, पत्नी पहुंच गई

पटना। के एक मैरिज हॉल में सोमवार देर रात हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। एक महिला अपने पति की शादी रुकवाने पहुंची। महिला ने दावा किया कि उसने 6 साल पहले उसने लव मैरिज की थी, लेकिन अब वह उसे रखने से तैयार नहीं और दूसरी शादी कर रहा है। महिला ने कहा कि, अब वो मुझसे बात भी नहीं करता है। चोरी छिपे यहां शादी कर रहा है। मैं अब तक उसे 15 लाख रुपए दे चुकी हूं। सहरसा से पहुंची प्रेमिका रिजवाना खातून (28) ने मैरिज हॉल में घंटों हंगामा किया। पटना महिला कोषांग की कोऑर्डिनेटर शिल्पी कुमारी ने समझाने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद प्रेमी फारूक अब्दुल्ला (38) ने देर रात दूसरी शादी कर

ली। रिजवाना खातून का दावा है कि फारूक अब्दुल्ला ने 2019 में सहरसा में उसकी शादी हुई थी। पटना फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के रानीपुर स्थित अलवा कॉलोनी के मैरिज हॉल की है। महिला कोषांग की कोऑर्डिनेटर शिल्पी कुमारी ने बताया कि, रिजवाना खातून और फारूक अब्दुल्ला का मामला कोर्ट में चल रहा है। अगर फारूक अब्दुल्ला ने जबरन दूसरी शादी की है, तो यह गैरकानूनी है। इस निकाह में उसकी मदद करने वालों के खिलाफ भी पुलिस कार्रवाई करेगी।रिजवाना खातून मूल रूप से सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर की रहने वाली है। उनके पहले पति से दो बच्चे हैं। रिजवाना ने बताया कि उनके पहले पति से तलाक के बाद 2016 में फारूक अब्दुल्ला उनकी जिंदगी में आया। फारूक ने तीन साल तक उसे प्यार और शादी का झांसा दिया, जिसके बाद 2019 में दोनों ने लव मैरिज कर ली। दोनों पति-पत्नी की तरह रहने लगे। रिजवाना खातून एक प्राइवेट स्कूल में टीचर है। सोमवार को रिजवाना को सूचना मिली कि फारूक किसी दूसरी लड़की से शादी करने जा रहा है। सूचना मिलने के बाद आनन-फानन में रिजवाना सहरसा से पटना पहुंची और महिला कोषांग में इसकी शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद महिला कोषांग की कोऑर्डिनेटर फुलवारी शरीफ थाने की मदद से मैरिज हॉल में पहुंची। महिला कोषांग कोऑर्डिनेटर शिल्पी कुमारी ने बताया कि रिजवाना ने दावा किया है कि फारूक उनका पति है। दोनों ने शादी की है, अब वह दूसरी शादी करने जा रहा है। लड़के और लड़की के परिजनों को फिलहाल शादी रोकने के निर्देश दिए गए हैं। अगर इसके बावजूद भी फारूख जबरदस्ती दूसरी लड़की से शादी करता है, तो उस पर मामला दर्ज कर उसे जेल भेजा जाएगा।

ट्रैफिक सुधारने के मिशन पर प्रशासन की टीम अतिक्रमण हटाने के लिए दूसरे फेज की कार्रवाई

पटना। शहर में कल से फिर अतिक्रमण हटाओ अभियान की दूसरे फेज की शुरुआत हुई है। दिसंबर महीने के लिए बने एडवांस कैलेंडर के तहत यह अभियान जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. के निर्देश पर चलाया जा रहा है। डीएम खुद इस पूरे अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और सभी एसडीओ/एसडीपीओ को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि अभियान को पूरी सख्ती और प्रभावी तरीके से चलाया जाए। पटना प्रमंडल के

आयुक्त ने हाल ही में बैठक कर साफ कहा था कि पटना में ट्रैफिक व्यवस्था सुधरनी चाहिए और इसके लिए लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए। उसी निर्देश पर डीएम और एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा ने कई टीमें गठित की हैं। कई विभाग की टीम उतरी सड़क पर अभियान में नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन विभाग, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, अग्निशमन, बिजली, वन प्रमंडल, पुल निर्माण निगम सहित कई विभागों की टीमें शामिल हैं। यह ड्राइव जिला नियंत्रण कक्ष की निगरानी में चल रहा है। 5 सदस्यीय मॉनिटरिंग सेल बनाई गई अभियान की निगरानी के लिए डीएम ने एक स्पेशल मॉनिटरिंग टीम बनाई है, जिसमें शामिल हैं- 1. पुलिस अधीक्षक (यातायात) 2. एडीएम (नगर व्यवस्था) 3. पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था) 4. अपर नगर आयुक्त/नगर कार्यपालक पदाधिकारी 5. सिटी मजिस्ट्रेट (जिला नियंत्रण कक्ष) यह टीम संयुक्त रूप से फील्ड में सक्रिय रहकर पूरे ऑपरेशन को मॉनिटर करेगी। फिर से अतिक्रमण किया तो सीधे FIRजिलाधिकारी ने साफ कहा है कि बार-बार

नीतीश ने तेजस्वी से कहा- ऐ खड़ा हो ना भाई

विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार को खड़े होकर प्रणाम करवाया; CMनेता प्रतिपक्ष स्पीकर को कुर्सी तक लाए

पटना। 18वीं विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन स्पीकर का चुनाव हुआ। बीजेपी के विधायक प्रेम कुमार निर्विरोध स्पीकर चुने गए। जिसके बाद सदन के नेता नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी कुमार साथ में उन्हें चेयर तक लेकर आए। निर्वाचन के बाद सदन में 'भारत माता की जय' और 'जय श्रीराम' के नारे लगे। स्पीकर चुने जाने पर नीतीश कुमार ने प्रेम कुमार को बधाई दी। साथ ही उनके काम की सराहना करते हुए सभी सदस्यों को खड़े होकर विधानसभा अध्यक्ष को प्रणाम करने को कहा। इस दौरान तेजस्वी उठ ही रहे थे, तभी नीतीश कुमार ने कहा- ए खड़ा हो न भाई। इसके बाद सभी विधायकों ने स्पीकर का अभिवादन किया। प्रेम कुमार को बधाई देते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, 'मैं आपको शुभकामनाएं देना चाहता हूं। आपसे यही उम्मीद रहेगी कि सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष को साथ-साथ लेकर चलिएगा। हम सभी को भरोसा है कि आप किसी को निराश नहीं कीजिएगा।' 'हमलोग एक ही मोटिव से यहां आए हैं। हम लोग संकल्प से काम करें। बेरोजगारी, गरीबी को दूर करें। विपक्ष आइना दिखाता है। सत्ता से ज्यादा विपक्ष को ध्यान दें। सीएम नीतीश को शुभकामनाएं। वह स्वस्थ रहें।'स्पीकर बनने के बाद प्रेम कुमार ने कहा, 'सर्वसम्मति से चुना जाना मेरी लिए हर्ष से ज्यादा जिम्मेदारी का विषय है।' विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव 4 दिसंबर को होगा। 3 दिसंबर दोपहर 12 बजे तक इसके लिए नामांकन किया जा सकता है। सदन की कार्यवाही कल बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई इससे पहले 5 विधायकों ने शपथ ली। सबसे पहले मदन सहनी ने शपथ ली, उसके बाद लौरिया विधायक विनय बिहारी को शपथ लेनी थी। शपथ से पहले वो भोजपुरी की गाथा सुनाने लगे। जिस पर प्रोटेम स्पीकर ने टोका। विनय बिहार- वीरन के धीर हिए वीरन के बानी, भुरकुट हिए भोज के कुंवर के कहानी हमारी भोजपुरी भगवान कहिल बाने महोदय

प्रोटेम स्पीकर- जो आपको दिया गया है, उसे पढ़िए विनय बिहार- शपथ तो लेंगे ही, लेकिन इतने लोगों में भोजपुरी कविता नहीं पढ़ सकता क्या प्रोटेम स्पीकर-आप अपनी शपथ पढ़िएविनय बिहार-मैं तो गायक बनकर ही, भोजपुरी गाकर ही विधायक बना हूं। इसके बाद विनय बिहारी ने शपथ पढ़ना शुरू किया। विनय बिहारी के बाद जीवेश मिश्रा ने संस्कृत में शपथ ली। 7 विधायकों में से 5 ने आज शपथ ली। दो बाहुबली विधायक कुचायकोट से अमरेंद्र कुमार पांडेय और मोकामा से अनंत सिंह आज भी गैरहाजिर हैं। कार्यवाही शुरू होने से पहले जदयू के हाथ से गृह विभाग चले जाने पर मंत्री विजय चौधरी ने कहा, गृह विभाग चला गया ये सुर्खियों में है, लेकिन उससे बड़ा वित्त विभाग हमें मिला,उस पर बात नहीं होती है। वहीं सदन पहुंचे प्रेम कुमार ने कहा, 'जो जिम्मेदारी मिल रही है, उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा। सदन में हर किसी का सम्मान होगा।' अनंत सिंह, अमरेंद्र पांडेय आज भी गैरहाजिर पहले दिन भाजपा और जदयू के कुल सात विधायक शपथ नहीं ले पाए थे। आज 5 विधायकों ने शपथ ली, लेकिन जदयू के दो बाहुबली विधायक कुचायकोट से अमरेंद्र कुमार पांडेय और मोकामा से अनंत सिंह आज भी गैरहाजिर रहे। अमरेंद्र पांडे का भतीजा बीमार है। उनका इलाज दिल्ली में चल रहा है। इसके कारण जीत के बाद वे सर्टिफिकेट लेने भी नहीं पहुंचे थे। जिला प्रशासन की टीम जीत का सर्टिफिकेट लेकर दिल्ली अस्पताल गई थी। जबकि अनंत सिंह चुनाव के पहले से ही जेल में हैं। विजय चौधरी ने 10 साल पुराना किस्सा साझा करते हुए कहा कि 2 दिसंबर 2015 में मैं इसी तरह से निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुना गया था। उस वक्त आप नेता प्रतिपक्ष थे, और आपने, सीएम नीतीश कुमार के साथ मुझे आसान तक पहुंचाया था। आज मैं आपकी नई शुरूआत के लिए बधाई देता हूं। जेडीयू से गृह विभाग छीने जाने पर विजय चौधरी ने कहा, गृह विभाग जदयू से छीन गया ये तो सुर्खियों में है, लेकिन उससे भी बड़ा विभाग वित्त और वाणिज्य, हमारे पास है। इस पर कोई चर्चा नहीं करता। इन बातों में मत पड़िए। हमें वाणिज्य कर और वित्त विभाग मिला है, आप लोग इसकी चर्चा क्यों नहीं करते?विधान सभा स्पीकर चुने जाने से पहले प्रेम कुमार ने कहा है कि सदन में पक्ष और विपक्ष दोनों जरूरी है। दोनों का साथ होना जरूरी है। मेरी कोशिश रहेगी कि दोनों को साथ लेकर चलें। लोकतंत्र में यह जरूरी है। विपक्ष के कमजोर होने के सवाल पर वह बोल रहे थे। सत्र के तीसरे दिन राज्यपाल का अभिभाषण होना है। राज्यपाल सदन में बिहार सरकार की नीतियों, उपलब्धियों तथा आगे की दिशा को प्रेजेंट करेंगे। वहीं चौथे और पांचवें दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी। विपक्ष और सत्ता पक्ष, दोनों अपनी-अपनी बातों को जोरदार तरीके से सदन में रखेंगे। साथ ही अनुपूरक बजट भी पेश किया जाएगा, जिस पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

पटना के इंद्रपुरी में चोर की पिटाई

पटना। के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी मकान संख्या-43 में चोरी के दौरान रंगेहाथ एक चोर पकड़ा गया। जिसके बाद घर के लोगों ने दो चार थप्पड़ लगाने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मकान मालिक अमित कुमार सिंह ने बताया कि बहन की शादी में सभी लोग घर लॉक कर के आरा गए थे। इसी बीच देर रात घर में लगभग 3 से 4 की संख्या में चोर घुस गए। इत्तफाक से अमित और

उनके दो चार परिजन देर रात लगभग 2:30 बजे शादी समारोह से पटना लौट आए। गेट पर पहुंचे तो देखा दरवाजा खुला है। इसके बाद वह लोग समझ गए कि कोई लॉक तोड़कर चोरी की नीयत से घुसा है। घर के अंदर वह लोग तेजी से घुसकर चोरों को ढूंढने लगें। इसी दौरान एक चोर पकड़ा गया। जबकि उसके 3 साथी छत फांदकर भाग निकले। चोरों का हो हल्ला सुनकर पड़ोसी भी जग गए। वहां अमित के दरवाजे पर भीड़ जमा हो गई। इस दौरान लोगों ने चोर की पिटाई की और उसे चार थप्पड़ भी लगा दिए। फिर डायल-112 पर कॉल कर के पुलिस के हवाले कर दिया। डायमंड रिंग और शादी का बैग लेकर भागे आवेदन के मुताबिक पकड़े गए चोर के दूसरे साथी घर से एक डायमंड की अंगूठी और शादी के कपड़ों से भरा बैग चोरी कर के भागे हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि उसके जानने वाले रुपए का लालच देकर चोरी करने के लिए बुलाकर लाए थे। मकान मालिक आए तो वो सभी छत फांदकर भाग गए। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पटना में दो पक्ष में पथराव, युवक जख्मी

पटना। के गौरीचक थाना क्षेत्र के रामगंज में जमीन के विवाद को लेकर दो गुटों के बीच जमकर पथराव हुआ। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना जमीन की नापी के दौरान हुई, जिसमें एक गुट ने दूसरे पर ईंट-पत्थरों से हमला कर

दिया। घटना का एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। रामगंज निवासी सुबोध कुमार ने गौरीचक थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी 56 डिसमिल खानदानी जमीन पर पड़ोसी राजीव कुमार और संजीव कुमार 2021 से ही पिलर गाड़कर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे।सुबोध के अनुसार, पूर्व में गांव के लोगों के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके तहत राजीव और संजीव के कब्जा की गई 16 फीट जमीन के बदले उन्हें दूसरी जगह जमीन दी गई थी। हालांकि, 1 दिसंबर 2025 (सोमवार) को जब उनकी जमीन की नापी होनी थी, तो राजीव और संजीव ने फिर विवाद शुरू कर दिया। एक पक्ष की ओर से अमीन बुलाकर नापी कराई जा रही थी, तभी दूसरे पक्ष ने ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इस दौरान सुबोध कुमार के सिर पर ईंट लगने से वह घायल हो गए। गौरीचक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मंगलवार को जांच शुरू करने की बात कही है।

भागलपुर में ट्रेन से गिरकर शख्स की मौत

भागलपुर। में ट्रेन से गिरकर एक शख्स की मौत हो गई। मृतक फुलसिया निवासी मनोज मंडल (50) हैं। जो मजदूरी करके परिवार चलाते थे। घटना उस समय हुई जब वे पैसेंजर ट्रेन से अम्मा पाली से अपने घर लौट रहे थे। पक्की सराय के पास पैर फिसलने से वे ट्रेन से नीचे गिर गए। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने स्थिति गंभीर देखते हुए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। एक घंटे इलाज के बाद मनोज ने दम तोड़ दिया। घटना घोघा स्टेशन स्थित धुलियां-अम्मा पाली रूट की है। घर के इकलौते कमाऊ सदस्य थे मनोज मंडल अपने परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनके 3 बेटे और 2 बेटियां हैं। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की मां फुलमनी देवी ने बताया कि रोज की मजदूरी से ही घर का चूल्हा जलता था। अचानक दुर्घटना ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही घोघा थाना पुलिस टीम मायागंज अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी।

हेलमेट पहनकर घर से निकलें, लगातार चलेगा वाहन जांच अभियान

दरभंगा। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र सहित पूरे दरभंगा शहर में बड़े पैमाने पर स्पेशल वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर शहर से लेकर ग्रामीण थाना क्षेत्रों तक पुलिस टीम सड़कों पर उतरकर अभियान को आगे बढ़ा रही हैं। एसएसपी

जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने बताया कि सभी थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर वाहन चेकिंग किया जा रहा है। हेलमेट, प्रदूषण प्रमाणपत्र, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन कागजात की विशेष जांच की जा रही है। साथ ही अवैध हथियार, नशीले पदार्थ व अन्य संदिग्ध वस्तुओं की भी गहन जांच हो रही है। एसएसपी ने कहा कि जिला के थाना अध्यक्ष, डीएसपी स्तर के अधिकारी भी सड़क पर उतरकर निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गलती करने वाले वाहन चालकों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा, चालान और कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।इस अभियान से वाहन चालकों में डर और सतर्कता दोनों देखने को मिल रही है। रेलवे स्टेशन, बाघ घर मोड़ के पास चेकिंग के दौरान बाइक चालक इरफान ने बताया कि मैं बिना हेलमेट घर से निकल पड़ा था। मैं केवटी प्रखण्ड के जलवारा का रहने वाला हूं, स्टेशन जा रहा था। बिना हेलमेट आने के कारण 1000 का चालान काटा गया है। आगे से कभी गलती नहीं करूंगा, हेलमेट पहनकर ही घर से निकलूंगा।कागजातों की हो रही जांच विशेष पुलिस टीम ने शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों पर मोर्चा संभाल लिया है। अधिकारी मौके पर पहुंचकर वाहन चेकिंग और पुलिसकर्मियों के कामकाज की समीक्षा कर रहे हैं। एसएसपी के निर्देश पर यह अभियान लगातार दिन-रात चलेगा, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आये और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित हो सके।

सीएम योगी की ओर दौड़ा युवक, कमांडो ने पकड़ा

5 मिनट लंबा शंखनाद, नमोघाट पर काशी-तमिल संगमम का शुभारंभ

वाराणसी। सीएम योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली। एक शराबी युवक सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए योगी के मंच के पास पहुंच गया। युवक सीएम तक पहुंच पाता इससे पहले कमांडोज ने झपट्टा मारकर उसे पकड़ लिया। ACP विदुष सक्सेना ने बताया कि पकड़े गए युवक का नाम जोगिंदर गुप्ता है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उसका इलाज भी चल रहा है। परिवार ने भी पुष्टि की है कि वह अक्सर नशे में रहता है। युवक और उसके भाई से पूछताछ की जा रही है। काशी-तमिल संगमम के चौथे संस्करण की मंगलवार शाम को शुरुआत हुई। नमो घाट पर 5 मिनट लंबा शंखनाद हुआ। इसके बाद योगी ने रिमोट का बटन दबाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उत्तर-दक्षिण के संबंधों की मजबूती देने वाले कार्यक्रम की शुरुआत पीएम मोदी ने 2022 में की थी। कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि तथा पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलासनाथन सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे। यह आयोजन 15 दिसंबर तक चलेगा। जिसमें 1400 प्रतिनिधि शामिल होंगे। तमिल करकलाम यानी आइए तमिल सीखें की थीम पर आधारित काशी तमिल संगमम उत्सव के केंद्र में तमिल भाषा को रखा गया है। संगमम का पहला चरण 16 नवंबर 2022 से 15 दिसंबर 2022 तक चला था। दूसरे संस्करण का आयोजन 17 से 30 दिसंबर 2023 जबकि, तीसरा संस्करण 15 से 24 फरवरी 2025 तक आयोजित हुआ था। काशी तमिल संगमम-4.0 में शामिल होने के लिए प्रथम दल मंगलवार को छात्र, शिक्षक व लेखकों के दल वाराणसी पहुंचा। स्वागत के लिए बनारस स्टेशन पर रेड कारपेट बिछाया गया था। स्वस्तिक मंत्रोच्चार के बीच पुष्प वर्षा और माला पहनाकर सभी का स्वागत किया गया। इस दौरान कुछ डेलिगेट्स डमरू और नगाड़े की धुन पर नाचते हुए दिखे। 216 सदस्यीय दल ने दोपहर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। इसके बाद अन्नक्षेत्र में प्रसाद ग्रहण किया।

सीएम योगी ने तमिल डेलिगेट्स के साथ नमो घाट पर पहुंचे। यहां उन्होंने सभी से परिचय किया। काशी की अंजली सीएम का चित्र बनाकर पहुंची हैं। उनका कहना है कि इस चित्र को मैं सीएम से मिल कर देना चाहती हूं। मुझे उम्मीद है, मेरी ये विश पूरी होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि हम अपने राज्य में हिन्दी नहीं सीख पाए। लेकिन दिल्ली आकर सीखा। आज हमको खुशी है कि आज उत्तर प्रदेश में बिना किसी रोक-टोक के लोग तमिल सीखेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण यह सफल हुआ। तमिल संगमम के मंच पर वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को सीएम योगी ने सम्मानित किया। रेखे ने 2000 मंत्रों से युक्त दंडक्रम पारायण को बिना किसी रुकावट के 50 दिनों में पूरा किया है। कार्यक्रम के दौरान एक युवक दौड़ते हुए मंच की ओर भागने लगा। इससे पहले वह मंच तक पहुंचता सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। उसे मंच से दूर ले गए। मंगलवार को काशी में तमिल संगमम के चौथे संस्करण कार्यक्रम की शुरुआत हो गई। इस दौरान करीब 5 मिनट का शंखनाद हुआ। काशी तमिल संगमम के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तमिल डेलिगेट्स पहुंचने लगे हैं। कुछ ही देर में यहां सीएम योगी पहुंचेंगे। जो कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी वाराणसी पहुंच चुके हैं। एयरपोर्ट से वह काशी तमिल संगमम के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकल गए। काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण के कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन पहुंच चुके हैं। उन्होंने चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण को शुरुआत करने के लिए सीएम योगी वाराणसी पहुंच चुके हैं। उनका हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन में उतरा। वहां से वह गाड़ी से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ एल मुरुगन काशी पहुंचे। काशी तमिल संगमम के प्रथम समूह के आगमन पर काशी विश्वनाथ मंदिर के अधिकारियों ने परंपरागत गरिमा के साथ सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंदिर प्रशासन की ओर से पुष्प वर्षा और डमरू वादन की ध्वनि के बीच सम्पूर्ण समूह का स्वागत किया गया। फिर सदस्यों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। दर्शन के पश्चात मंदिर प्रशासन ने समूह को काशी विश्वनाथ धाम के भव्य कॉरिडोर का विस्तृत भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान सभी ने धाम के ऐतिहासिक स्वरूप, स्थापत्य कला, नवनिर्मित सुविधाओं और निरंतर बढ़ती श्रद्धा-धारा के बारे में जानकारी प्राप्त की। सीईओ विश्व भूषण मिश्र ने कहा- तमिलनाडु से आने वाले सभी अतिथि हमारे लिए अत्यंत सम्माननीय हैं। विश्वनाथ धाम उनके स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। बीएचयू के दिव्यांग रिसर्च स्टूडेंट्स अभय ने हट नरेंद्र मोदी के आवास में काशी तमिल संगमम-4 के बारे में बताया। कहा- यह दो राज्यों के अटूट संगम का उत्सव है। इसमें जरूर शामिल होना चाहिए। बहुत कुछ जानने सुनने और सीखने को मिलेगा। काशी तमिल संगमम-4 की सबसे खास पहलों में से एक अगस्त्य अभियान है, जो तमिल और भारतीय परंपरा में गहराई से जुड़े एक सम्मानित रास्ते को दिखाता है।

जनजागरूकता से ही होगा टीबी रोग का खात्मा: आशुतोष मिश्र

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के छात्राओं को सीएफसी कसया के क्षयरोग पर्यवेक्षको द्वारा क्षयरोग के बारे में जागरूक किया गया। वरिष्ठ क्षयरोग पर्यवेक्षक आशुतोष कुमार मिश्र ने कहा कि जनजागरूकता से ही टीबी रोग का खात्मा होगा। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों को दो सप्ताह से ज्यादा की खाँसी, खाँसी के साथ बलगम आना, बलगम में खून का आना, भूख न लगना, वजन कम होना, रात को बुखार होना, महिलाओं में बांझपन होना आदि टीबी रोग के लक्षण है। श्री मिश्र ने कहा कि टीबी रोग की जाँच एवं उपचार की निःशुल्क व्यवस्था है। उपचार के साथ ही प्रतिमाह एक हजार रुपये टीबी रोगियों के खाते में भेजा जाता है। जिला पीपीएम समन्वयक नितेश राव ने कहा कि जो भी टीबी रोग के लक्षण वाला व्यक्ति मिले। उसे तत्काल नजदीक सरकारी अस्पताल पर जांच हेतु भेजें। यदि कोई व्यक्ति टीबी रोग से ग्रसित हो जाता है और उसका समय से उपचार नही होता है तो वह सालभर में 10 से 15 लोगों को टीबी रोग से ग्रसित कर सकता है। एसटीएस शाहिद अंसारी ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान वार्डेन अर्चना सहित सभी शिक्षिकायें उपस्थित रहीं।

लोक अदालत प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

संवाददाता

हमीरपुर। जिला जज मनोज कुमार राय की अध्यक्षता में 13 दिसम्बर 2025 को होने वाली लोक अदालत को कामयाब बनाने के लिये प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार वैन का खास मकसद लोक अदालत के बारे में जानकारी देकर आम लोगों को जागरूक करना है, इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि 10 दिसम्बर 2025 को प्रचार वैन दोबारा निकाली जायेगी। जो जिले के दूर दराज जगहों पर जायेगी, ताकि गाँव के लोगों को भी लोक अदालत के बारे में जानकारी मिल सके। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका फायदा ले सकें। प्रचार वाहन बस स्टैण्ड, कालपी चैराहा, सिटी फॉरेस्ट, जिला अस्पताल, डिग्गी से होते हुये लक्ष्मीबाई तिराहा, मेरापुर, भिलावां, रमेड़ी तिराहा दीक्षित स्वीट्स, कोतवाली के चैराहेवों होते हुये नगर भ्रमण किया। इस मौके पर फास्ट अपर जिला जज उदय वीर सिंह, स्पेशल जज एस.सी./एस. टी रनवीर सिंह, स्पेशल जज अनिल कुमार खरवार, सिविल जज सी.डि. निहारिका जायसवाल, सिविल जज सी.डि./एफ.टी.सी. वन्दना अग्रवाल, सिविल जज (जू0डि0) अंकित पाल, सिविल जज (जू0डि0)/एफ0टी0सी0 कीर्ति मिश्रा, सिविल जज (जू0डि0)/एफ0टी0सी0 शैली शरण, अध्यक्ष स्थाई लोक अदाल प्रमोद कुमार मौजूद रहे।

गीता जयंती पर संस्कृत गायन एवं नृत्य से गुंजायमान हुआ श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर

■ दुलारी सेवा संस्थान द्वारा सांस्कृतिक गोष्ठी, गायन एवं नृत्य का आयोजन

संवाददाता

कुशीनगर। नगर के वार्ड नंबर 18 श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर में दुलारी सेवा संस्थान द्वारा गीता जयंती के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक गोष्ठी, गायन एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गीता जयंती पर रविवार को सायं आयोजित कार्यक्रम में पिंटू गुप्ता और सहयोगियों ने संस्कृत विद्या पर आधारित भरतनाट्यम समूह नृत्य प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुनंदा विश्वकर्मा ने भगवद्गीता के श्लोकों को स्वरलिपि भाव से प्रस्तुत किया जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। मुख्य अतिथि आचार्य पं. सुरेश पांडेय ने कहा कि गीता का ज्ञान मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक है और संस्कृत हमारी सांस्कृतिक जड़ है। विशिष्ट अतिथि आचार्य सिद्धार्थ पांडेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने संस्कृत विद्या और गायन पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के बच्चों को संस्कृत अध्ययन के महत्व के बारे में प्रेरित किया। इस अवसर पर रामप्रताप चौरसिया, विशाल शर्मा, चंदन कुमार, सुनील पांडेय, संजय कुमार, राजेश गुप्ता सहित क्षेत्र के अनेक सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अमित कुमार मिश्रा ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन संस्कृत भाषा, भारतीय संस्कृति और गीता के आध्यात्मिक संदेश को समर्पित रहा।

गीता हमें त्याग सिखाती है: संत दिव्य सागर

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर के महर्षि अरविन्द विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गीता जयन्ती अवसर पर मायावती के चित्र पर अतिथिगण ने पुष्पार्चन किया। मुख्य अतिथि पूज्य सन्त दिव्य सागर ने कहा कि गीता हमें त्याग सिखाती है। जो भी चीज हमारे लिए भले ही प्रिय है किन्तु हानि पहुंचाने वाली है उसे त्याग दें। उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल का उपयोग शिक्षा के लिए करें। उन्होंने वन्दना सत्र में 2 मिनट तेज गति से ताली बजाने के लिए कहा और लाभ बताए। अध्यक्षता विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख सुरेश प्रसाद गुप्त ने की। अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र देकर किया गया। स्वागत भाषण प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र मिश्र एवं अतिथि परिचय और सफल संचालन वरिष्ठ आचार्य जनार्दन ने किया। श्याम श्रीराम जानकी मन्दिर मठ परिसर में गौतम फाउण्डेशन की ओर से भी गीता जयन्ती धूमधाम से मनायी गयी। अतिथियों द्वारा योगेश्वर कृष्ण के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। महन्त त्रिभुवन शरण दास व व्यवस्थापक देवनारायण शरण का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। मुख्य वक्ता पूज्य सन्त दिव्य सागर जी ने कहा कि भगवत गीता जीवन का गीत है जिसे हर व्यक्ति को गाना पड़ता है। गीता केवल पढ़ना नहीं बल्कि इसे जीवन उतारने की आवश्यकता है। इस अवसर पर गीता प्रदर्शनी, भगवान कृष्ण को 56 भोग, रंगोली व दीपोत्सव किया गया। अनुष्का गुप्ता, अदिति उपाध्याय, यथार्थ श्रीवास्तव, वन्दना मद्धेशिया ने भजन प्रस्तुत किया। गौतम फाउण्डेशन के प्रबन्धक राजू जायसवाल ने आभार और संचालन आचार्य जनार्दन ने किया। कस्तूर चन्द जायसवाल, सुरेश प्रसाद गुप्त, डाक्टर हरिओम मिश्र, त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव, अनमोल, सुभाष चंद दूबे शिवानन्दन दूबे, आलोक, इन्द्र मिश्र, शान्ति श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

हाथरस में जिलाधिकारी ने लगाए प्रतिबंध

हाथरस। जिलाधिकारी राहुल वत्स ने जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े प्रतिबंध लागू किए हैं। यह आदेश आगामी विभिन्न परीक्षाओं, क्रिसमस और बसंत पंचमी जैसे त्योहारों को देखते हुए जारी किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत 30 जनवरी तक इन प्रतिबंधों को जनपद में प्रभावी करने के निर्देश दिए हैं। इन आदेशों के अनुसार, त्योहारों और परीक्षाओं के दौरान किसी भी प्रकार के धरना-प्रदर्शन, जुलूस, राजनीतिक गतिविधि, हथियार ले जाने, भड़काऊ भाषण देने, पोस्टर या पम्फलेट से उकसाने, भीड़ जुटाने और अफवाह फैलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सार्वजनिक स्थलों पर लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग बिना अनुमति के नहीं किया जा सकेगा। धार्मिक स्थलों का राजनीतिक उपयोग भी पूरी तरह वर्जित रहेगा। इसके अतिरिक्त, किसी भी व्यक्ति को पांच से अधिक व्यक्तियों के समूह में इकट्ठा होने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रावधान किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का धरना-प्रदर्शन, नारेबाजी, जुलूस निकालना, हथियार ले जाना, ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, भीड़ का एकत्र होना, फोटो कॉपियर और स्कैनर का संचालन, मोबाइल फोन तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

दंडी स्वामी के संतों ने किया भूमि पूजन

प्रयागराज में तीन जनवरी से शुरू हो रहा माघ मेला, भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू

प्रयागराज। संगम की रेती पर 3 जनवरी से माघ मेले की शुरुआत होने जा रह है। माघ मेले को लेकर जमीन आवंटन आज से शुरू हो गया है। प्रयागराज मेला विकास प्राधिकरण की ओर से संगम तट पर गंगा पूजन के बाद तंबुओं का शहर आबाद करने के लिए साधु संतों को जमीन आवंटन का कार्य शुरू हुआ है।

माघ मेले में सबसे पहले दंडी संन्यासियों को भूमि का आवंटन किए जाने की परंपरा है। सोमवार को गंगा पूजन के बाद दंडी स्वामी नगर बसाने के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही शुरू की गई। भूमि आवंटन से पहले दंडी संन्यासी प्रबंधन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी विमलदेव आश्रम, दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज, महामंत्री स्वामी शंकर आश्रम व अन्य दंडी संन्यासियों ने भूमि पूजन किया। इस मौके पर मेलाधिकारी ऋषिराज, अपर मेलाधिकारी दयानंद प्रसाद

और एसडीएम माघ मेला विवेक शुक्ला भी मौजूद रहे। वहीं, दूसरी ओर से माघ मेले के सकुशल संपन्न की कामना के लिए संगम नोज पर गंगा पूजन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मेलाधिकारी ऋषि राज, समेत अन्य साधु संत भी शामिल रहे। अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के अध्यक्ष स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज ने बताया कि माघ मेले और कुंभ मेले में सबसे पहले दंडी संन्यासियों को भूमि का आवंटन किया जाता है। उन्होंने कहा है कि मेला प्रशासन ने तीन दिन का समय दंडी नगर बसाने के लिए तय किया है उन्होंने कहा कि 4 दिसंबर तक दंडी नगर में बसने वाले दंडी संन्यासियों को भूमि का आवंटन कर दिया जाएगा इसके बाद उनके शिविर वहां पर लगने लगेंगे। अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद ने बताया कि इसके बाद तीर्थ पुरोहितों व अन्य संस्थाओं को जमीन आवंटित की जाएगी। उन्होंने बताया कि माघ मेले में 4000 से ज्यादा संस्थाओं को भूमि आवंटित की जाएगी। जमीन बचने पर नई संस्थाओं को भी जमीन आवंटित करने पर विचार किया जाएगा।

2026 के माघ मेले की शुरुआत पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व 3 जनवरी से हो जाएगी। इस बार का माघ मेला 44 दिनों तक 15 फरवरी महाशिवरात्रि के पर्व तक चलेगा।

संक्षिप्त डायरी

एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर सभासद भागत सिंह ने किया जागरूक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत वार्ड नंबर 22 महंथ अवेद्यनाथ नगर स्थित संचालित विद्यालय डुमरी में बने बूथ पर सभासद विजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ भगत सिंह ने निरीक्षण किया और एसआईआर फॉर्म भरने के लेकर लोगों को पूरा करने को लेकर जागरूक किया। मंगलवार को वार्ड के सभासद श्री सिंह बूथ संख्या 267 पर पहुंचे और भरे जा रहे फॉर्म के बारे में जानकारी ली। कहा कि निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआईआर फॉर्म भरने का लक्ष्य समय से पूरा हो। इसके लिए सभी को सहयोग करना है। श्री सिंह ने कहा कि अपने- अपने घर के सदस्यों का फॉर्म भरना सुनिश्चित करें ताकि कोई मतदाता सूची से वंचित न रहे। बीएलओ द्वारिका कुशवाहा ने बताया कि एसआईआर फॉर्म 77.24 प्रतिशत भरा जा चुका है। जल्द ही लक्ष्य पूरा हो जायेगा। इस दौरान प्रधानाध्यापक मनोज कुमार चौबे, सफाई सुपरवाइजर राजेश कुमार रावत आदि मौजूद रहे।

बिजली बिल राहत योजना को लेकर रैली निकालकर उपभोक्ताओं को किया जागरूक

संवाददाता

कुशीनगर। बिजली बिल राहत योजना 2025 के प्रचार हेतु बिजली उपकेंद्र कर्मचारियों ने जागरूकता रैली निकाली। रैली एसडीओ श्याम जायसवाल के नेतृत्व में उपकेंद्र से शुरू होकर अस्पताल, ब्लॉक, कॉलेज और बघौचघाट रोड होते हुए फोरलेन तक पहुँची। रैली के दौरान व्यापारियों और उपभोक्ताओं को योजना के लाभ बताए गए। एसडीओ ने कहा कि इस बार की योजना खास है क्योंकि पहली बार सरचार्ज के साथ मूलधन में भी छूट, विशेष परिस्थितियों में आसान किश्तें, तथा विद्युत चोरी के मुकदमों में राहत का प्रावधान है। योजना 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक चलेगी। रैली में अवर अभियंता संदीप मिश्रा, सरताज अली, शम्भू आलम, अजीत कुमार, गिरिजेश सिंह, फिरोज अंसारी, मयंक सिंह, रामबहाल सिंह, अनील कुमार, श्रवण प्रसाद आदि मौजूद रहे।

तहसीलदार ने किया एसआईआर कार्यों का निरीक्षण, धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

संवाददाता

कसया। तहसील क्षेत्र में तहसीलदार धर्मवीर सिंह ने विभिन्न गांवों का दौरा कर बीएलओ द्वारा किए जा रहे एसआईआर (विशेष पुनरीक्षण) कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। कई स्थानों पर कार्य धीमा पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए बीएलओ को तुरंत गति बढ़ाने के निर्देश दिए। तहसीलदार सबसे पहले कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के रामबक्ष बुजुर्ग गांव पहुंचे, जहां उन्होंने बीएलओ से सत्यापन कार्य की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि एसआईआर फार्म वितरित किए जाने के बाद भी कई लोग पुनः बीएलओ के पास जमा करने नहीं पहुंच रहे हैं। इस पर उन्होंने बीएलओ को मतदाताओं से सीधे संपर्क कर फार्म समय से जमा कराने की अपील करने को कहा। उन्होंने रामकोला बीडीओ और सप्लाई इंस्पेक्टर को भी स्पष्ट निर्देश दिए कि सत्यापन कार्य को गंभीरता से लेते हुए समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाए, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया समय पर समाप्त हो सके। इसके बाद तहसीलदार ने नेका छपरा, भैंसहा टोला, टेकुआटार, परवरपार, बैदौली सहित कई गांवों के बूथों का निरीक्षण किया और एसआईआर कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान लेखपाल शैलेंद्र दुबे, विनोद, राजन पांडेय आदि अधिकारी मौजूद रहे।

संभल में बड़े मीट कारोबारियों के मैनेजर के घर आयकर छापा, कारखाने में चार दिन तक हुई थी जांच, पुलिस तैनात

संभल। सरायतरीन निवासी मीट कारोबारी हाजी इमरान और इरफान के मैनेजर के घर चमन सराय में आयकर विभाग को टीम पहुंची है। मीट कारोबारी इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी के नाम से कारोबार करते हैं। मैनेजर के घर पहले भी आयकर की टीम छानबीन कर चुकी है। कई बेनामी संपत्ति और लग्जरी कारों के दस्तावेज मिलने की चर्चा रही थी बता दें कि इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी का कारोबार करीब 1000 करोड़ रुपये से अधिक का बताया जाता है। 14 अक्तूबर को भी आयकर की टीम ने मीट कारोबारियों के कई ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इसमें मैनेजर का घर भी शामिल था। चार दिन तक चली कार्रवाई के दौरान करीब 400 करोड़ रुपये की कर चोरी के संकेत मिले थे। मीट कारोबारियों के ठिकानों पर हुई कार्रवाई जिले की सबसे बड़ी कार्रवाई में शामिल है। आयकर की टीमों को आयकर चोरी के पुख्ता प्रमाण मिलने की चर्चा हुई थी लेकिन आगे की कार्रवाई पर विराम लग गया था। अब मैनेजर के घर टीम फिर पहुंची है। छानबीन की जा रही है। सुरक्षा के लिए पुलिस को तैनात किया गया है। टीम लखनऊ से आने की चर्चा बनी हुई है।

यात्री वाहन बिक्री में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, मारुति सुजूकी अग्रणी

- जीएसटी कटौती और मांग ने दिया बड़ा सहारा

नई दिल्ली।

नवंबर 2025 में भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री लगभग 4,25,000 इकाई रही, जो पिछले साल की इसी अवधि में 3,52,000 वाहनों से 20.7 फीसदी अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा की गई जीएसटी कटौती और त्योहारी सीजन की मांग ने इस वृद्धि को मजबूती दी है। भारतीय वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम के अनुसार, अक्टूबर में भी घरेलू थोक बिक्री 17.2 फीसदी बढ़कर 460,739 वाहन रही। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार मजबूत मांग और जीएसटी कटौती के कारण भारत का वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। मारुति सुजुकी की की घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री, जो डीलरों को भेजी गई एक साल पहले के मुकाबले 21 फीसदी 1,70,971 इकाई हो गई। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआईएल) के एक वरिष्ठ कार्य अधिकारी ने कहा कि दिसंबर में थोक बिक्री भी अच्छी रहने की उम्मीद है क्योंकि उत्पादन टीम उच्च मांग को पूरा करने के लिए ओवरटाइम काम कर रही है। उन्होंने बताया कि इस साल नवंबर में वाहन उद्योग की यात्री वाहनों की थोक बिक्री लगभग 4,25,000 गाड़ियों की रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में करीब 3,52,000 गाड़ियां बिकी थीं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में वाहन उद्योग की कुल यात्री वाहनों की बिक्री 5 से 6 फीसदी के दायरे में रहने की उम्मीद है। भारतीय वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम ने 14 नवंबर को कहा था कि त्योहारी सीजन और जीएसटी में कमी के बीच उच्च मांग के कारण इस साल अक्टूबर में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 17.2 फीसदी बढ़ी है और 460,739 गाड़ियां बिकी हैं। नवंबर में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री के मामले में दूसरे नंबर पर रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा की घरेलू यात्री वाहनों थोक बिक्री 56,336 इकाई रही, जिसमें कि एक साल पहले के मुकाबले 21.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। ह्युंडै मोटर इंडिया की घरेलू पीवी थोक बिक्री नवंबर में एक साल पहले के मुकाबले 4.3 फीसदी बढ़कर 50,340 इकाई हो गई।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में किया बदलाव

- ओवरलिमिट के नाम पर नहीं चलेगा बैंक का खेल

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बीच देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग तेजी से बढ़ा है। लेकिन कई बार ग्राहक अनजाने में अपनी निर्धारित कार्ड लिमिट से अधिक खर्च कर लेते हैं, जिसके कारण बैंकों द्वारा भारी ओवरलिमिट शुल्क लगाया जाता है। ऐसे बढ़ते मामलों को देखते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अब क्रेडिट कार्ड से जुड़े अहम नियमों में बड़ा बदलाव किया है। ये नए नियम करोड़ों कार्ड उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आए हैं। आरबीआई ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अब कोई भी बैंक या कार्ड जारीकर्ता ग्राहक की स्पष्ट सहमति के बिना ओवरलिमिट फीचर सक्रिय नहीं कर सकेगा। पहले कई बैंक इस सुविधा को स्वतः सक्रिय कर देते थे, जिससे ग्राहक अनजाने में अपनी लिमिट से अधिक खर्च कर बैठते थे और बाद में उन्हें भारी ओवरलिमिट चार्ज चुकाना पड़ता था। आरबीआई ने इस प्रथा पर पूरी तरह रोक लगा दी है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी कार्ड जारीकर्ताओं को अपने मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म पर एक ट्रांजैक्शन कंट्रोल फीचर उपलब्ध कराना होगा। इस फीचर के माध्यम से ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार ओवरलिमिट सुविधा को ऑन या ऑफ कर सकेंगे। यह विकल्प 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि ग्राहक ने ओवरलिमिट की अनुमति नहीं दी है, तो कार्ड किसी भी स्थिति में निर्धारित लिमिट से अधिक खर्च की अनुमति नहीं देगा।

रिलायंस रिटेल ने अपने उपभोक्ता कारोबार का पुनर्गठन पूरा किया

- एफएमसीजी कारोबार अब नई इकाई न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड में

नई दिल्ली। रिलायंस रिटेल ने अपने उपभोक्ता कारोबार का पुनर्गठन पूरा कर लिया है। इसके तहत एफएमसीजी (दैनिक उपभोग की वस्तुएं) ब्रांड व्यवसाय को नई इकाई न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (न्यू आरसीपीएल) में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह कदम 1 दिसंबर 2025 से प्रभावी हो गया है। अब न्यू आरसीपीएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की प्रत्यक्ष सहायक कंपनी बन गई है। न्यू आरसीपीएल में आरआईएल का हिस्सा 83.56 प्रतिशत होगा, जबकि आरआरवीएल में अन्य निवेशकों की हिस्सेदारी 16.44 प्रतिशत रहेगी। आरआरवीएल के शेयरधारकों को न्यू आरसीपीएल में शेयर आवंटित किए जाएंगे, दर के अनुसार आरआरवीएल के दो शेयर न्यू आरसीपीएल का एक शेयर। इस प्रक्रिया के तहत आरआरवीएल की पूर्व-योजना की चुकता शेयर पूंजी रद्द और कम कर दी जाएगी। आरआईएल ने 17 अक्टूबर को अपने नवीनतम आय विवरण में कहा था कि आरसीपीएल ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 9,850 करोड़ रुपये का सकल राजस्व दर्ज किया। रिलायंस ने 2022 में एफएमसीजी बाजार में प्रवेश किया। उसके बाद से इसने कैंपा कोला सहित कई ब्रांड का अधिग्रहण किया और कई नए ब्रांड पेश किए हैं। इसकी उपस्थिति कोला से लेकर साबुन, स्टेपल, डिशवॉशिंग लिक्विड, डिटर्जेंट और फ्लोर क्लीनर तक के एफएमसीजी खंड में है। आरआरवीएल ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 3.30 लाख करोड़ रुपये का एकीकृत कारोबार किया था।

पोस्ट ऑफिस की टीडी योजनाः निवेश एक लाख, पांच वर्ष में ब्याज रिटर्न 44,995 रुपए

- पांच वर्षीय टीडी पर 7.5 फीसदी ब्याज दर लागू

नई दिल्ली।

पोस्ट ऑफिस की पांच वर्षीय टाइम डिपॉजिट (टीडी) योजना उन निवेशकों के लिए आदर्श है, जो शून्य जोखिम वाले निवेश की तलाश में हैं। यह योजना केंद्र सरकार द्वारा समर्थित है और निवेशकों को निश्चित ब्याज दर पर रिटर्न देती है। इस योजना में निवेशक 1, 2, 3 या 5 वर्ष के लिए निवेश कर सकते हैं, जिसमें पांच वर्षीय टीडी सबसे लोकप्रिय है। पांच वर्षीय टीडी निवेशकों को स्थिर और गारंटीड रिटर्न के साथ टैक्स लाभ भी देता है।

निवेशक आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो लंबी अवधि में सुरक्षित रिटर्न चाहते हैं। निवेश करने के लिए अपने नजदीकी पोस्ट ऑफिस में टीडी खाता खोलना होगा। आवश्यक केवायसी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड और फोटो जमा करना अनिवार्य है। खाता नकद, चेक या बैंक ट्रांसफर के जरिए तुरंत खोला जा सकता है। खाता सिंगल या जॉइंट भी हो सकता है।

वर्तमान में पोस्ट ऑफिस की पांच वर्षीय टीडी पर 7.5 फीसदी ब्याज दर लागू है। 1,00,000 रुपये निवेश करने पर 5 वर्षों में कुल रिटर्न 44,995 रुपये होगा और मैच्योरिटी राशि 1,44,995 रुपये तक पहुंच जाएगी। ब्याज सालाना भुगतान होता है, लेकिन गणना त्रैमासिक आधार पर की जाती है।

सरकार का बड़ा फैसलाः सभी नए स्मार्टफोनों में 'संचार साथी' ऐप अनिवार्य

- 'संचार साथी' ऐप उपयोगकर्ताओं द्वारा हटाया नहीं जा सकेगा

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नया आदेश जारी किया है। इसके तहत अब देश में बिकने वाले सभी नए स्मार्टफोन में 'संचार साथी साइबर सेफ्टी ऐप' पहले से इंस्टॉल होना अनिवार्य होगा। साथ ही इसे यूजर द्वारा हटाया नहीं जा सकेगा। जो फोन पहले से सप्लाई चेन में हैं, उनके लिए यह ऐप सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार का मानना है कि साइबर धोखाधड़ी, फोन चोरी, सिम कार्ड के दुरुपयोग और अन्य साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। 'संचार साथी' ऐप इन जोखिमों से सुरक्षा बढ़ाने में मदद करता है। इसे अनिवार्य बनाकर हर यूजर इसके सुरक्षा फीचर्स का लाभ उठा सकेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम फोन निर्माता कंपनियों की प्रीलोडेड ऐप पॉलिसी, सॉफ्टवेयर कस्टमाइजेशन और डेटा सुरक्षा अनुपालन पर असर डाल सकता है। कंपनियों को अपने सिस्टम अपडेट और फ्रेमवर्क में बदलाव करना होगा। चूंकि ऐप हटाया नहीं जा सकेगा, कई यूजर्स इसे बाध्यकारी ऐप के रूप में देख सकते हैं। सरकार का दावा है कि यह कदम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 41 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.94 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की व्यापक मजबूती और लगातार विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 89.85 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार कंपनियों, आयातकों और विदेशी निवेशकों द्वारा डॉलर की मजबूत मांग ने रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.70 पर खुला था, जो जल्दी ही नए निचले स्तर पर फिसल गया। सोमवार को यह 89.79 प्रति डॉलर तक गिरने के बाद 89.53 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 99.41 पर स्थिर दिखा।

सुप्रीम कोर्ट ने की रिलायंस और अधिकारियों की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और उसके दो अधिकारियों की याचिका खारिज कर दी। याचिका प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सेट) के फैसले के खिलाफ थी, जिसमें जियो-फेसबुक सौदे के बारे में शेयर बाजार को तुरंत स्पष्टीकरण न देने पर सेबी का 30 लाख रुपये का जुर्माना बरकरार रखा गया था। सेबी ने पाया कि आरआईएल और उसके अधिकारी अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) का तत्काल खुलासा करने में विफल रहे। जुर्माने का निर्णय जून 2022 में लिया गया था और सेट ने इसे दो मई 2025 को बरकरार रखा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि सेट के निष्कर्ष हस्तक्षेप योग्य नहीं हैं और इसमें कोई कानूनी सवाल नहीं है।

दिल्ली-मुंबई एयरपोर्ट में सफर करना हो सकता है महंगा

- विवादित आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर यात्रियों से वसूले जाने वाले यूजर डेवलपमेंट फीस (यूडीएफ) में भारी वृद्धि हो सकती है। यह टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल (टीडीसैट) के हालिया आदेश के कारण सामने आया है, जिसमें 2009-2014 के एयरलाइन टैरिफ की गणना का फॉर्मूला दोबारा तय किया गया है। दिल्ली में घरेलू यात्रियों के लिए यूडीएफ 129 रुपए से बढ़कर 1,261 रुपए और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 650 से 6,356 रुपए तक हो सकता है। मुंबई में घरेलू यात्रियों के लिए यह 175 से 3,856 रुपए और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 615 से 13,495 रुपए तक पहुंच सकता है। भारतीय और विदेशी एयरलाइंस ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

टाटा स्टील का पोर्ट टैलबॉट प्लांट में बड़ा बदलाव, आय प्रभा वित

- टाटा स्टील की पुरानी भट्ठी बंद कर नई इलेक्ट्रिक भट्ठी लगाने की तैयारी

नई दिल्ली।

टाटा स्टील का पोर्ट टैलबॉट प्लांट सितंबर 2024 में अपनी आखिरी पारंपरिक भट्ठी बंद कर चुका है। इसके स्थान पर कंपनी इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) लगा रही है, जो बिजली से चलेगी और कम प्रदूषण करेगी। इस नई भट्ठी की कुल लागत 1.25 बिलियन पाउंड है, जिसमें से 500 मिलियन पाउंड सरकार दे रही है। नया प्लांट 2027 के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है। जब तक नया प्लांट नहीं बनता, टाटा स्टील यूके दूसरे देशों से स्टील स्लैब मंगाकर काम चला रही है। इससे लॉजिस्टिक व्यवस्था कठिन हो गई है और उत्पादन खर्च बढ़ गया है। वहीं वैश्विक बाजार में स्टील की कीमतें गिरने से कंपनी की कमाई पर सीधा असर पड़ा है। कंपनी पिछले साल 200 मिलियन पाउंड बचा चुकी थी और इस साल भी उतना ही बचाने की योजना है। कुल तय लागत में से लगभग 40 फीसद की कटौती की गई है। कर्मचारियों की संख्या कम की गई, कई कॉन्ट्रैक्ट दोबारा किए गए और दफ्तर में खर्च पर रोक लगाई गई है। फिर भी, बाजार की कमजोरी के कारण ये बचत पूरी तरह लाभकारी नहीं हो रही। ब्रिटेन में प्लेट स्टील की मांग 2018 से 33 फीसद कम हो गई है, जबकि आयात की सीमा 20 फीसदी बढ़ गई है। इससे विदेशी सस्ता स्टील बाजार में भर गया और घरेलू कीमतें गिर गईं। टाटा स्टील का कहना है कि अगर सरकार यूरोप जैसी कठोर आयात नीतियां अपनाए, तो उद्योग की स्थिति जल्दी सुधर सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

- सेंसेक्स 503, निफ्टी 143 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 503.63 अंकों टूटकर 85,138.27 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 143.55 अंक नीचे आकर 26,032.20 अंकों पर बंद हुआ। आज बैंकिंग स्टॉक्स सहित सेंसेक्स और निफ्टी की ज्यादातर कंपनियों के शेयर नीचे आये थे। वहीं गत दिवस भी बाजार हल्की गिरावट पर बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 10 कंपनियों के शेयर भी तेजी के साथ में बंद हुए और शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 50 में से केवल 15 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और शेष सभी 35 कंपनियों के शेयर गिरे। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स के शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि आईसीआईसीआई बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.14 फीसदी नीचे आकर बंद हुए।

इनके अलावा, आज सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, टीसीएस और टाइटन के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, बीईएल, एलएंडटी, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, टीएमपीवी, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआत में सेंसेक्स 300 से अधिक अंक टूटकर 85,325 पर खुला। हालांकि इसके बाद कुछ रिकवरी देखने को मिली। इसी तरह निफ्टी भी कमजोरी के साथ 26,087 पर खुलने के कुछ देर बाद यह 57.85 अंक की गिरावट के साथ 26,117 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजारों की बात करें तो मंगलवार को एशियाई इंडेक्स में मजबूती दिखी। कोस्पी 1.02 फीसदी मजबूती के साथ बंद हुआ। जापान का निक्केई 225 शुरुआती कारोबार में 0.54 फीसदी चढ़ा, हालांकि जापानी सरकारी बॉन्ड यील्ड में उछाल आया और 10-वर्षीय यील्ड 1.88 फीसदी तक पहुंच गई, जो 2008 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। उधर, वॉल स्ट्रीट पर क्रिप्टो-प्रेरित बिकवाली से निवेशकों की धारणा कमजोर रही। एसएंडपी 500 में 0.53 फीसदी, नैस्डैक में 0.38 फीसदी और डॉव जोन्स में 0.9 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

रिलायंस ने स्टार इंडिया का जियोस्टार में विलय पूरा किया

- संयुक्त कंपनी का मूल्य लगभग 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी अनुषंगी कंपनी स्टार टेलीविजन प्रोडक्शंस लिमिटेड (एसटीपीएल) का जियोस्टार के साथ विलय पूरा कर लिया है। एसटीपीएल 'स्टार' ब्रांड की मालिक है और समूह कंपनियों को इसे लाइसेंस देती है। रिलायंस ने 14 नवंबर 2024 को इस विलय योजना की जानकारी दी थी। जियोस्टार ने 30 नवंबर 2025 को सूचना दी कि विलय अब प्रभावी हो गया है। जियोस्टार, रिलायंस के मीडिया कारोबार और वॉल्ट डिज्नी के भारतीय कारोबार के विलय के बाद बनी संयुक्त कंपनी है। संयुक्त कंपनी का मूल्य लगभग 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया है। यह भारत का प्रमुख मीडिया और मनोरंजन मंच बन चुका है। जुलाई-सितंबर तिमाही में जियोस्टार ने 7,232 करोड़ रुपये का राजस्व और 1,322 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। फरवरी में जियोसिनेमा और डिज्नी प्लस हॉटस्टार का विलय कर नया ओटीटी प्लेटफॉर्म 'जियोहॉटस्टार' लॉन्च किया गया था। इस विलय से रिलायंस मीडिया कारोबार को और मजबूत और व्यापक टीवी व ओटीटी प्लेटफॉर्म का नेतृत्व हासिल होगा।

विप्रो ने हरमन की डीटीएस इकाई का 37.5 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण किया

- विप्रो की बड़े पैमाने पर नवाचार करने की क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली।

बेंगलुरु मुख्यालय वाली आईटी सेवा कंपनी विप्रो ने हरमन की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस (डीटीएस) कारोबार इकाई का अधिग्रहण नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद पूरा कर लिया है। यह अधिग्रहण 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 3,270 करोड़ रुपये) में हुआ। कंपनी ने 21 अगस्त 2025 को इस सौदे की घोषणा की थी। विप्रो ने कहा कि डीटीएस का अधिग्रहण कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमताओं, इंजीनियरिंग नवाचार और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) उत्कृष्टता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विप्रो की एंड-टू-एंड इंजीनियरिंग सेवाओं की पेशकश मजबूत होगी और बड़े पैमाने पर नवाचार करने की क्षमता बढ़ेगी। विप्रो के प्रबंध साझेदार और इंजीनियरिंग के वैश्विक प्रमुख ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी को जटिल व्यावसायिक बदलावों को समर्थन देने और मापनीय व्यावसायिक मूल्य प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। डीटीएस के एक अधिकारी ने बताया कि विप्रो की वैश्विक पहुंच और उन्नत तकनीकी क्षमताएं नए उद्योगों में विस्तार और ग्राहकों को बेहतर समाधान देने का आधार प्रदान करेंगी। इस अधिग्रहण के साथ, विप्रो ने अपनी तकनीकी और नवाचार क्षमता को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया है, जिससे यह उद्योग में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करेगा।

वेकफिट का आईपीओ आठ दिसंबर को खुलेगा

- मूल्य दायरा 185-195 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। घरेलू सामान एवं फर्नीचर बनाने वाली कंपनी वेकफिट इनोवेशंस ने अपने 1,289 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 185-195 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। बेंगलुरु स्थित कंपनी का आईपीओ आठ दिसंबर को खुलेगा और 10 दिसंबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक पांच दिसंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 377.18 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और करीब 912 करोड़ रुपये मूल्य के 4,67,54,405 शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे कुल मिलाकर इसका आकार 1,289 करोड़ रुपये बैठता है। कंपनी के शेयर 15 दिसंबर को बाजार में सूचीबद्ध होंगे।

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

ललित गर्ग

निश्चित तौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे।

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन का 19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्योरिटी एंड नैशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

निश्चित तौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।

सत्र को सुचारूरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

इस सत्र से सरकार 14 महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, यह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है।

देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

सदन की मर्यादा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मर्यादा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने व विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, त्रुटिहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है।

मोबाइल फोन पर अब निजता का अधिकार?

दिलीप कुमार पाठक

तेजी से डिजिटल होती दुनिया में मोबाइल फोन अब केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की निजी जरूरत बन चुका है। इसी वजह से फोन से जुड़ी किसी भी सरकारी नीति को लेकर नागरिकों की चिंता स्वाभाविक है। विशेषकर तब, जब सरकार की दूरसंचार नीति सीधे तौर पर लोगों के व्यक्तिगत डेटा, लोकेशन, गैलरी या संदेशों, उनकी पसंद ना पसंद और निजी संबंधों तक की पहुंच पर प्रश्न खड़ा करती हो। भारतीय संविधान में निजता का अधिकार केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक एवं सभ्य समाज की आत्मा है। निजता को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा माना गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है। नागरिक अपनी व्यक्तिगत जानकारी, गतिविधियों और संचार पर नियंत्रण रखने का अधिकार रखते हैं। जब किसी सरकारी ऐप को अनिवार्य रूप से फोन में इंस्टॉल करने की बात सामने आती है। वह भी बिना हटाने के विकल्प के साथ तो सरकार की यह कार्यवाही सीधे लोगों के निजी अधिकार के साथ-साथ उनकी स्वतंत्रता को भी बाधित करती है। सरकार का यह निर्णय सीधे सवालों के घेरे में आ जाता है। सरकारी ऐप को लेकर अब नागरिकों को लग रहा है, सरकार नागरिकों की पल-पल की जासूसी करके बंधुआ बनाना चाहती है। वहीं दूसरी तरफ सरकार का तर्क है, ये सरकारी ऐप साइबर सुरक्षा को मजबूत करेंगे। चोरी, साइबर फ्रॉड को रोकने और मोबाइल के सभी संव्यवहार को सुरक्षित बनाएंगे। निस्संदेह, उद्देश्य महत्वपूर्ण हैं। दरअसल साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। डिजिटल सुरक्षा वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती है। नागरिकों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी भी है। तकनीकी को लागू करने के पूर्व सरकार को उस नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए, नागरिकों को उसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। भारत में तकनीकी को पहले लाया जाता है, उसके बाद सुरक्षा और खतरों को लेकर सरकार सजग होती है। जिसके कारण नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। सुरक्षा का नाम लेकर सरकार द्वारा अनिवार्य निगरानी प्रणाली स्थापित करना कितना उचित है। यह गंभीर बहस एवं चिंता का विषय बन गया है। सुरक्षा और निगरानी, दोनों के बीच की दीवार बेहद पतली है। यदि किसी ऐप को कैमरा, माइक्रोफोन, लोकेशन, गैलरी और एसएमएस तक स्थायी पहुंच सतत मिलती है, तो यह केवल सुरक्षा नहीं, वरन व्यापक नियंत्रण का साधन बन सकता है। लोकतंत्र में राज्य को नागरिकों पर इतनी व्यापक दृष्टि रखने की अनुमति देने से पहले पारदर्शिता, सामाजिक सहमति और मजबूत कानूनी सुरक्षा बहुत आवश्यक है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में नागरिकों के पास स्वयं यह अधिकार होना चाहिए, कि जो व्यक्ति चाहे इस ऐप को इंस्टॉल करे, ना चाहे तो ना करे। यह स्वतंत्रता उसकी निजता का हिस्सा और एक संवैधानिक अधिकार भी है। सरकार की नीतियां नागरिकों के भरोसे का प्रतीक होनी चाहिए, भय अथवा शक का कोई स्थान नहीं होना चाहिये। आधुनिक तकनीक का उद्देश्य जनता को सशक्त बनाना है। नाकि उनकी निजी ज़िंदगी में अनियंत्रित हस्तक्षेप का साधन बने। सुरक्षा के नाम पर निजता का हनन अब सामान्य बात हो गई है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं भी कमजोर होती चली जा रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है, क्या मोबाइल सुरक्षा के बहाने नागरिक अपनी निजता की अंतिम दीवार को गिरने देंगे? यदि ऐसा हो गया तो परिवार और निजी संबंध जिसमें सामाजिक आर्थिक और अन्य गतिविधियां सरकार के नियंत्रण में होंगी। ऐसी स्थिति में हमारी स्वतंत्रता खतरे में पड़ना तय है। सरकार जिस तरह से हमारे ऊपर नियम कानून लागू करना चाहेगी जैसे भी रखना चाहेगी उसका हम कभी हम पूरी तरह से सरकार के ऊपर निर्भर होकर रह जाएंगे। लोकतंत्र में नागरिकों की जागरूकता ही वास्तविक नागरिक अधिकार और संवैधानिक अधिकार की शक्ति है। इसे बनाए रखने के लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है।

41 साल बाद भी खत्म नहीं हुआ है गैस त्रासदी का असर

योगेश कुमार गोयल

भोपाल गैस त्रासदी से निकलते जहरीले सवाल...

1984 में 2-3 दिसम्बर की रात भोपाल में मौत ने ऐसा तांडव मचाया था, जिसके जख्म आज तक नहीं भरे हैं। भयानक गैस त्रासदी की उस घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 2-3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। हालांकि इसी साल भोपाल के जहरीले कचरे का निपटान किया जा चुका है किन्तु भोपाल गैस कांड को 41 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। भोपाल गैस त्रासदी पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाली थी कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया था जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा था, आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 40 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हुए हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। उस कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और वह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। जिन लोगों के फेफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? दुर्घटना के चार दिनों बाद 7 दिसम्बर 1984 को यूसीआईएल अध्यक्ष एवं सीईओ वारेन एंडरसन की गिरफ्तारी हुई थी किन्तु विडम्बना देखिये कि इतने भयानक हादसे के मुख्य आरोपी को गिरफ्तारी के महज छह घंटे बाद मात्र 2100 डॉलर के मामूली जुर्माने पर रिहा कर दिया गया था। उसके बाद वह अवसर का लाभ उठाते हुए भारत छोड़कर अपने देश अमेरिका भाग गया, जिसे भारत लाकर सजा देने की मांग निरन्तर उठती रही लेकिन भारत सरकार अमेरिका से उसका प्रत्यर्पण कराने में

विफल रही। 29 सितम्बर 2014 को वारेन एंडरसन की मौत हो गई। इस हादसे से पर्यावरण को ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का रूख इस पूरे मामले में संवेदनहीन ही रहा। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को भले ही जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु उल्लेखनीय यही है कि इस गैस त्रासदी के 41 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

चिंतन-मनन

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

रुक्मिणी वसंत का सीक्रेट माइंड मैजिक जो उन्हें जमीन पर टिकाए रखता है!

तेज़ रफ्तार शेड्यूल, लगातार सफ़र और हर दिन नई-नई चुनौतियाँ — एक उभरती अभिनेत्री की ज़िंदगी बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर उतनी ही तूफ़ानी हो सकती है। लेकिन रुक्मिणी वसंत ने इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है — एक बेहद सरल, बेहद निजी और चौंकाने वाला रिचुअल - जर्नलिंग। हाँ, डायरी में लिखना — वही पुरानी आदत, जिसे हममें से कई लोग छोड़ चुके हैं — यही रुक्मिणी की सबसे बड़ी सुपरपावर है। चाहे दिन कितना भी भागमभाग वाला हो, चाहे सेट पर कितने भी सीन हों, चाहे सफ़र कितना भी लंबा हो, रुक्मिणी रात को अपनी डायरी के पन्नों से ज़रूर मिलती हैं। यह उनका तरीका है खुद से दोबारा जुड़ने का, मन के शोर को शांत करने का और ज़िंदगी को एक साफ़ नज़र से देखने का। वह इस रिचुअल पर खुलकर कहती हैं, जर्नलिंग वही जगह है जहाँ मैं रुककर खुद को देख पाती हूँ। मैं अपनी पुरानी डायरीज़ खूब पढ़ती हूँ — वो नज़रिया देती हैं। बिबंल से पहले की मेरी चिंता, ड्रामा स्कूल के दिनों की उलझनें आज से इतनी अलग, पर उतनी ही सच्ची। इससे समझ आता है कि जो आज बड़ा तूफ़ान लग रहा है, कुछ साल बाद वही हल्की सी हवा जैसा।

दिल्ली क्राइम 3 की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह

एक्ट्रेस शेफाली शाह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 की सफलता का आनंद उठा रही हैं। दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में शेफाली ने दर्शकों का आभार जताया। शेफाली शाह ने कहा, मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में ऐसे रोल मिले, जिन्होंने न सिर्फ मुझे चुनौती दी, बल्कि दिल की गहराइयों को भी छुआ। दिल्ली क्राइम का गंभीर किरदार, डार्लिंग्स में निभाया गया जटिल रोल और करियर की शुरुआती फिल्म सत्या के अनुभव... इन सभी ने मेरे अभिनय को नई दिशा दी। इन भूमिकाओं को दर्शकों से जितना प्यार मिला, वह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। हर किरदार ने मुझे एक अलग तरह से बदला, एक कलाकार के रूप में संवारा और यह सफर मेरे लिए बेहद सीखने का अवसर रहा। उन्होंने कहा, जब मैं अपने सफर के बारे में बात करती हूं, तो मुझे हमेशा याद आता है कि मैंने स्टोरीटेलिंग से प्यार क्यों किया था। मेरे लिए अभिनय सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब दर्शक मेरे अभिनय को समझते हैं, महसूस करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, तो यह एक कलाकार के तौर पर बहुत भावुक और संतोष देने वाला अनुभव होता है। बता दें कि आईएफपी महोत्सव में हर साल बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार, निर्देशक और उद्योग विशेषज्ञ वक्ता, मेंटर्स और जजों के रूप में शामिल होते हैं। यह नए और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं, लेखकों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां से कई उभरते हुए टैलेंट को बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफार्मों में काम करने का मौका मिलता है। शेफाली ने कहा कि आईएफपी ने ऐसा माहौल बनाया है जहां कलाकार और दर्शक एक-दूसरे से ईमानदारी के साथ जुड़ते हैं। यह मंच क्रिएटर्स को न सिर्फ अपनी कला दिखाने का अवसर देता है, बल्कि विचारों का ऐसा खुला आदान-प्रदान करवाता है जो उन्हें और भी बेहतर बनाने में मदद करता है।

विजय सेतुपति और निर्देशक पुरी जगन्नाथ की पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग हुई पूरी

साउथ एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों साउथ निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म में काम कर रहे हैं। आज फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। इसी मौके का एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुरी और विजय फिल्म के बारे में खास बातें करते नजर आ रहे हैं।

विजय काफी समय से निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, जो आज पूरी हो चुकी है। फिल्म के सेट से एक वीडियो पुरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म के आखिरी दिन के शूट को लेकर विजय बेहद उदास नजर आए। इस वीडियो में एक्ट्रेस चार्मी कौर वीडियो कॉल पर नजर आ रही हैं और दोनों से फिल्म को लेकर बातें कर रही हैं। चार्मी, विजय और पुरी का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। पुरी और विजय ने फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिन को लेकर कहा कि वे पहले से ही एक-दूसरे को मिस कर रहे हैं।

फिल्म निर्माताओं का पोस्ट पुरी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, Puri Sethupathi की फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। सेट पर कई महीनों की भावनात्मक और आनंदमय यात्रा के बाद, टीम ने फिल्म की पूरी शूटिंग खत्म कर ली है। जल्द ही कुछ रोमांचक अपडेट के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

विजय और पुरी की आने वाली फिल्म के बारे में

विजय सेतुपति की इस आगामी फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री संयुक्ता नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल 23 सितंबर, 2025 को रिलीज होना था, लेकिन कुछ वजहों से इसमें देरी हो गई। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इस फिल्म में विजय और संयुक्ता के अलावा तब्बू भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। वहीं ब्रह्माजी सहायक भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा 2025 में की गई थी और इसकी शूटिंग जून 2025 में शुरू हुई थी। इस फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्टस और जेबी मोशन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म का संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर ने तैयार किया है।

कीर्ति सुरेश ने सुनाई व्यथा

कहा- लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं कीर्ति सुरेश ने अब एक्टर्स के काम के घंटों पर नई बहस छेड़ दी है। दसारा और बेबी जॉन की एक्ट्रेस ने दीपिका पादुकोण के 8 घंटे काम की मांग के महीनों बाद कहा है कि 8 घंटे काम करने के दौरान भी, एक एक्टर को सोने के लिए जरूरी समय नहीं मिल पाता है। हैदराबाद में अपनी अगली फिल्म रिवॉल्वर रीटा के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि कम घंटे काम करने के आइडियल सिनेरियो में भी एक एक्टर को महज 6 घंटे की ही नींद मिलती है। दिग्गज फिल्ममेकर-एक्टर जी. सुरेश कुमार की बेटी कीर्ति ने कहा, सुबह 9 बजे की शिफ्ट के लिए, अगर मुझे सुबह 7.30 बजे तक वहां पहुंचना है, तो मुझे सुबह 6.30 बजे घर से निकलना होगा और सुबह 5.30 बजे तक उठना होगा। शाम को लगभग 6 या 6.30 बजे पैक-अप के बाद, घर वापस जाना पड़ता है, कपड़े बदलने पड़ते हैं, एक्सरसाइज करनी पड़ती है, डिनर करना पड़ता है, और सोने के लिए जरूरी घंटे निकालने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है।

कीर्ति सुरेश ने आगे कहा, अब, मुझे रात 11.30 बजे सोने के बाद सुबह 5:30 बजे फिर उठना पड़ता है। कीर्ति ने बताया कि कैसे आठ घंटे की वर्क शिफ्ट, जिसे एक आइडियल सिनेरियो माना जाता है, उसमें भी सोने का समय मुश्किल से ही शामिल होता है, जबकि एक एडल्ट बॉडी के लिए आइडियल जरूरत आठ घंटे की नींद है। उन्होंने कहा, हम कहते हैं कि आठ घंटे की नींद अच्छी है, लेकिन हम मुश्किल से छह घंटे सो पाते हैं। यह एक आइडियल 9 बजे से 6 बजे तक की शिफ्ट में है। कीर्ति सुरेश बोलीं- लाइटमैन तो 2-3 घंटे ही सो पाते हैं साल 2018 में महानति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पा चुकीं कीर्ति ने बताया कि हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर 12 घंटे की शिफ्ट होती है। उन्होंने सिर्फ एक्टर्स ही नहीं, बल्कि फिल्म के वर्क मेंबर्स खासकर लाइटमैन की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, केरल में लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं। हालांकि, नींद भी खाने या एक्सरसाइज जितनी ही जरूरी है। ये वो साथी हैं, जो सेट पर एक्टर्स से भी पहले पहुंचते हैं।

सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। छोटे शहर जमशेदपुर से बड़े पर्दे तक उनका सफर मेहनत, लगन और हिम्मत की कहानी है। 'मिर्जापुर', 'मंटो' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके दमदार किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दी। हालांकि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई प्रोड्यूसर्स ने कहा कि वे सेलेबल नहीं हैं, यहां तक कि एक डायरेक्टर ने उनसे असम्मानजनक व्यवहार भी किया था। लेकिन रसिका ने ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनाए रखी और अपने काम पर ध्यान दिया। किराया भरने की चिंता और बार-बार रिजेक्शन झेलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रसिका का मानना है कि सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि हर दिन खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है।

मैंने ऐसे कभी नहीं सोचा था कि एक्टर ही बनना है, लेकिन जिसमें भी मुझे मौका मिलता, मैं तो बड़े मजे से करती थी। एक्टिंग को मैं आगे चलकर करियर बनाऊंगी, ये कभी नहीं सोचा था। न फैमिली में कोई ऐसा उदाहरण था सब बिजनेस लाइन से थे। कुछ लोग होते हैं ना, जो बचपन से एक्टर बनने का सपना देखते हैं और बाथरूम में शैंपू की बोतल पकड़कर अपनी स्पीच दे रहे होते हैं, वैसा नहीं था मेरे साथ। अनवर के बाद मुझे अनुराग कश्यप की फिल्म 'नो स्मोकिंग' मिली थी। जब मेरा सिलेक्शन हुआ, तो प्रोड्यूसर ने बुलाया और कहा कि आकर पैसों पर बात कर लो। मैं गई, तो उन्होंने पूछा, कितने पैसे लोगी? मैंने थोड़ी हिम्मत करके कहा कि प्रतिदिन 7500 रुपए। वो बोले, अरे, ये तो बहुत ज्यादा है, थोड़ा कम करो। घर आकर मैंने अपने दोस्त दीपक डोबरियाल को बताया, तो वो हंसने लगा और बोला, तूने इतना मांग भी लिया! फिर बात तय हुई और मुझे प्रतिदिन 5000 रुपए मिले। जबकि पहली फिल्म 'अनवर' के लिए तो सिर्फ 3000 रुपए प्रतिदिन मिले थे।

इंटीमेट सीन कहानी की जरूरत थी, सेंसशनलाइज नहीं किया गया

रसिका दुग्गल ने अपने एक्टिंग करियर में कई फिल्मों और वेब सीरीज में दमदार भूमिका निभाई है। खास करके वेब सीरीज मिर्जापुर में बीना त्रिपाठी की भूमिका ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस सीरीज में उनके इंटीमेट सीन की भी खूब चर्चा हुई। उस सीन के बारे में रसिका कहती हैं- वो सीन स्क्रिप्ट के पॉइंट ऑफ व्यू से जरूरी था।

उसे जबरदस्ती या सेंसशनलाइज करने के लिए नहीं डाला गया था। पुनित कृष्ण जो राइटर हैं, उन्होंने हर किरदार को बहुत सेंसिटिवली बिल्ड किया था। रही बात इंटिमेट सीन की तो पुनित, गुरमीत और करण ने शूट से पहले मुझे हर शॉट के बारे में बताया। सेट पर कौन मौजूद होगा, क्लोज सेट रहेगा, ये सारी बातें पहले ही डिस्कस हो गई थीं, जो मेरे कंफर्ट के लिए जरूरी थीं। अब तो इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर आ गए हैं, लेकिन तब नहीं थे।

खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए

मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम या शोहरत नहीं है। मुझे तब लगता है कि कुछ हासिल किया है जब मैं अपना काम दिल से कर पाऊं और वो मुझे सच्ची खुशी दे। अगर हर दिन कुछ नया सीखने को मिले, कुछ नया खोजने को मिले, तो वही मेरे लिए सक्सेस है। मुझे लगता है कि इंसान को बार-बार खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए, क्योंकि वहीं से आगे बढ़ने की असली प्रेरणा मिलती है। और ऐसा तभी हो सकता है जब आप रिस्क लेने की हिम्मत रखें, डरने के बजाय नए अनुभवों को अपनाने की कोशिश करें।

दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर ने ब्लॉकबस्टर सी फील दी

मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट नंदिता दास की फिल्म मंटो से आया। उससे पहले इरफान खान और तिलोतमा के साथ किस्सा जैसी खास फिल्में कीं, पर मंटो ने नया रास्ता दिखाया। उस समय कई डायरेक्टर्स मुझे प्रोजेक्ट में लेना चाहते थे, लेकिन प्रोड्यूसर्स ने कहा- मैं सेलेबल नहीं हूं। फिर नंदिता ने मुझमें भरोसा जताया और मंटो में सफिया मंटो का रोल दिया। यही निर्णायक मोड़ रहा। उसके बाद दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर जैसे शो आए, जिसने बड़े ऑडियंस के सामने मेरी पहचान बनाई और ब्लॉकबस्टर सी फील दी।

रायपुर वनडे से पहले स्टेन का बड़ा बयान: रोहित-विराट का जलवा कायम, डी कॉक पर सबकी निगाहें

रांची (एजेंसी)। रायपुर में भारत के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लिए, रांची में पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद वरिष्ठ बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक को कुछ साबित करना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे बुधवार को रायपुर में होगा। भारत सीरीज में 1-0 से आगे है।

रांची में पहले वनडे में विराट कोहली (135), केएल राहुल (60) और रोहित शर्मा (58) ने यादगार बल्लेबाजी की, जिससे भारत 349/8 पर पहुंच गया। 11/3 से पिछड़ने के बाद, मैथ्यू ब्रीट्ज़के (72), मार्को जेनसन (70) और कॉर्बिन बॉश (67) की प्रोटियाज तिकड़ी ने प्रोटियाज को जीत के करीब पहुंचाया। दूसरे वनडे से अपनी उम्मीदों पर बात करते हुए, जियोस्टार विशेषज्ञ स्टेन ने कहा कि मुझे लगता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का प्रदर्शन जारी रहेगा। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि कौन से तेज गेंदबाज और कौन से स्पिनर कुछ दिलचस्प करते हैं। यह अब तक बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग रहा है, तो कौन से गेंदबाज दूसरे वनडे में अच्छा प्रदर्शन करेंगे? क्विंटन डी कॉक ने पहले वनडे में कोई रन नहीं बनाया था, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी बात साबित करनी होगी। वह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर दक्षिण अफ्रीका बड़ा स्कोर बनाने के लिए निर्भर करेगा।

इस साल वनडे से संन्यास लेने के बाद सफेद गेंद से वापसी करने के बाद से, डी कॉक ने वनडे में दक्षिण अफ्रीका के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चार मैचों में 79.66 की औसत और 91 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123* रन रहा है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भारत के खिलाफ है, उन्होंने भारत के खिलाफ 51.28 की औसत से 1,077 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और दो अर्द्धशतक शामिल है तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 रन है।

महिला क्रिकेटरों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह का हुआ प्रमोशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने 2025 विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीन खिलाड़ियों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह ठाकुर को प्रमोशन दिया है। रेलवे ने इन तीनों को ही आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देते हुए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी- स्पोर्ट्स) के पद पर नियुक्त किया है। इन तीनों खिलाड़ियों को अब ग्रुप बी गजेटेड ऑफिसर के बराबर वेतन और सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) को इस पहल से महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी भी मिलेगी।

गौरतलब है कि महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुआ था। इसके खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता था।

राणा सहित तीनों ही क्रिकेटरों ने इस सम्मान और प्रमोशन के लिए रेलवे का आभार जताते हुए कहा है कि इससे उनको और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। राणा को

राणा हाल ही में महिला प्रीमियर लीग नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया। गत सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने के बाद राणा अब जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी।

वैभव सूर्यवंशी की नाबाद शतकीय पारी बेकार गई, महाराष्ट्र के खिलाफ हारा बिहार

कोलकाता (एजेंसी)। प्रतिभावान बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 61 गेंद में नाबाद 108 रन की पारी के बावजूद बिहार को मंगलवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर बिहार ने 14 साल के सूर्यवंशी की नाबाद पारी से तीन विकेट पर 176 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के मारे और टूर्नामेंट के इतिहास में शतक जड़ने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। इसके जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान पृथ्वी साव की 30 गेंद में 66 रन की पारी के अलावा नीरज जोशी (30), रंजीत निकम (27) और निखिल नाईक (22) की पारियों से पांच गेंद शेष रहते सात विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। मोहम्मद इजहार (22 रन पर दो विकेट) और सकीबुल गनी (50 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाकर बिहार को मैच में बनाए रखा था लेकिन धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। इससे पहले सूर्यवंशी ने सात छक्के जड़ बिहार की ओर से टी20 पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने आयुष लोहारुका (नाबाद 25) के साथ चौथे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। सूर्यवंशी ने अंतिम ओवर में अर्शिन कुलकर्णी पर चौके के साथ शतक पूरा किया। जाधवपुर यूनिवर्सिटी मैदान पर गोवा ने मध्य प्रदेश को सात विकेट से हराया। मध्य प्रदेश के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा ने सुयश प्रभुदेसाई (नाबाद 75) और अभिनव तेजराणा (55) के अर्धशतक से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर 171 रन बनाकर जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश ने इससे पहले हरप्रीत सिंह के 80 रन की बदौलत छह विकेट पर 170 रन बनाए।

आईपीएल2026 नीलामी: 2 करोड़ बेस प्राइस पर ग्रीन, लिविंगस्टोन; वेंकटेश-बिश्नोई लिस्ट में, मैक्सवेल क्यों नहीं?

मुम्बई (एजेंसी)। कैमरन ग्रीन, लियाम लिविंगस्टोन, रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर और मथीशा पथिराना उन 45 खिलाड़ियों में शामिल है, जिन्होंने 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में 2 करोड़ रुपये के उच्चतम आधार मूल्य के साथ प्रवेश किया है। कुल 1,355 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है और 30 नवंबर को पंजीकरण बंद होने के बाद सोमवार को फ्रेंचाइजी के साथ साझा किया। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अधिकतम 25 खिलाड़ियों की टीम बनाने की अनुमति है और इस साल 77 स्थान उपलब्ध हैं, जिनमें 31 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

आईपीएल सभी दस टीमों से इच्छा सूची प्राप्त करने के बाद इस सूची को छोटा करेगा। 16 दिसंबर को अबू धाबी में दिन भर चलने वाली नीलामी से पहले, फ्रेंचाइजी को अपनी शॉर्टलिस्ट जमा करने के लिए 5 दिसंबर तक का समय दिया गया है। भारतीय खिलाड़ियों में, प्रमुख भूमिकाओं में विशेषज्ञ खिलाड़ी बड़ी बोलियां आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन सुर्खियां ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर टिकी हैं, जिन्होंने पीठ की चोट के कारण 2025 की मेगा-नीलामी को छोड़ दिया था। जिन टीमों के मजबूत रुचि दिखाने की उम्मीद है, उनमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) (64.3 करोड़ रुपये का पर्स) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) (43.4 करोड़ रुपये) शामिल हैं, दोनों के पास स्वस्थ बजट है।

केकेआर, विशेष रूप से वेस्टइंडीज के टी20 दिग्गज आंद्रे रसेल के हाल ही में आईपीएल से संन्यास लेने के बाद, ग्रीन पर आक्रामक रूप से काम कर सकता है। ग्रीन की बहुमुखी प्रतिभा, वह क्रम में कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं, सीम-अप गेंदबाजी कर सकते हैं, और क्षेत्ररक्षण में भारी योगदान दे सकते हैं, उन्हें इस साल सबसे अधिक मांग वाले नामों में से एक बनाता है। केकेआर ने वेंकटेश अय्यर सहित ने खिलाड़ियों को रिलीज किया, जिनकी कीमत उन्हें पिछले साल की मेगा-नीलामी में 23.5 करोड़ रुपये लगी थी। अब उनके पास भरने के लिए 12 स्थान हैं, जिनमें छह विदेशी शामिल हैं। पांच बार की चैंपियन सीएसके में नौ रिक्तियां हैं, जिनमें से चार विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

इस नीलामी से पहले रिलीज किए गए कई खिलाड़ियों ने 2 करोड़ रुपये की शीर्ष मूल्य सीमा को चुना है। इसमें श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी शामिल हैं, जिन्हें सीएसके ने पिछले साल 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, लेकिन डेथ ओवरों के विशेषज्ञ के रूप में उनकी कीमत के बावजूद, चोट से जूझने के बाद रिलीज कर दिया था। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन, जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 8.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, भी एक निराशाजनक सीजन के बाद खुद को पूल में वापस पाते हैं।

भारतीय खिलाड़ियों में, वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई, दोनों ने खुद को 2 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर सूचीबद्ध किया है। बिश्नोई, जिन्हें पिछले साल लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, को फ्रैंचाइजी के साथ चार सीजन बिताने के बाद जाने दिया गया। इस लंबी सूची में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का नाम शामिल नहीं है। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने पिछले सीजन में उन्हें 4.2 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन अब 37 वर्षीय मैक्सवेल को 2025 सीजन के बीच में उंगली में फ्रैक्चर हो गया और उनकी जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को शामिल किया गया है, जिन्हें रिटेन किया गया है।

शास्त्री बोले, गंभीर की जगह मैं होता तो हार की पूरी जिम्मेदारी लेता

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टेस्ट क्रिकेट में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जतायी है। शास्त्री के अनुसार टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने से कोच कोच गौतम गंभीर बच नहीं सकते। कोच के अलावा टीम के खराब प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी भी जिम्मेदार है क्योंकि जिस प्रकार से लगातार विकेट गिरे उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। जहां तक विकेट की स्पिनरों से अधिक

सहायता मिलने की बात है। उसका भी बहाना नहीं चलेगा क्योंकि हम शुरुआत से ही ऐसे ट्रैक पर खेलते रहे है। 2012 से 2024 तक घरेलू धरती पर एक भी सीरीज नहीं हारने वाली भारतीय टीम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद 2 घरेलू सीरीज हारी है। उसे पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से हराया। वहीं अब दक्षिण अफ्रीका ने 2-0 से पराजित किया है। शास्त्री ने कहा कि अगर वे उनके साथ होता तो वह सारी जिम्मेदारी स्वयं ले लेते। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में जिस प्रकार 100 रन पर एक विकेट से 130 रन पर 7 विकेट गिरे हैं। ये टीम खराब भी नहीं है। उनके पास बहुत प्रतिभा है। खिलाड़ियों को भी कुछ जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आप क्रिकेट खेलने की जब शुरुआत करते है, तब से स्पिन खेले है।' जब ने उनसे ये पूछा कि क्या वह मुख्य कोच गंभीर का बचाव कर रहे हैं, तब शास्त्री ने कहा, मैं (उनका) बचाव नहीं कर रहा। सौ फीसदी वह भी जिम्मेदार हैं। शास्त्री जब कोच थे तब विराट कोहली टीम के कप्तान थे। उस समय भारतीय टीम घर में हराने और सीरीज जीतने की ताकत रखती थी। शास्त्री-कोहली के समय में भारतीय टीम अपनी धरती पर केवल दो टेस्ट हारी थी। शास्त्री भारत के सबसे सफल कोच में से एक है। उनके कार्यकाल में 2017 से 2021 तक भारत का टेस्ट में जीत का रिकार्ड 65 का रहा था।

लंबी अवधि के प्रारूप मुझे रास आते हैं, विकेटों के बीच दौड़ने पर कोहली से सलाह लेता हूं: तिलक वर्मा

मुम्बई। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को लंबे प्रारूपों में खेलना रास आता है और वह विराट कोहली से फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह ले रहे है ताकि आने वाले मौकों का पूरा फायदा उठा सके। तेइस वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक सिर्फ चार वनडे खेले हैं जबकि उन्हें टेस्ट टीम में मौका मिलने का इंतजार है। उन्होंने

कहा कि मौजूदा वनडे श्रृंखला में टीम में कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। तिलक ने 'जियोस्टार' से कहा, '' वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं। मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं। जब रोहित भाई और विराट भाई एक ही टीम में होते है, तो आत्मविश्वास का स्तर बिल्कुल अलग होता है।'' उन्होंने रोहित और कोहली की तारीफ करते हुए कहा, ''उनके पास अपार अनुभव और ज्ञान है। मैं बेहतर होने के लिए उनसे ज्यादा से ज्यादा सलाह लेने की कोशिश करता हूं।' इस युवा बामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह कोहली से खास तौर पर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह लेते रहे है क्योंकि वह इस मामले में वह उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं। तिलक ने कहा, ''मैं विराट भाई से काफी बात करता हूं, खासकर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में उनकी सलाह लेता हूं। मुझे भी दौड़ना पसंद है और मुझे लगता है कि इस मामले में मैं काफी तेज हूं।'' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला के बारे में तिलक ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुझे जब भी मौके मिलेंगे, मैं उन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहूंगा। मैं वनडे और टेस्ट में भी खुद को साबित करना चाहता हूं।

जूनियर महिला वर्ल्ड कप : भारत की नामीबिया पर बड़ी जीत, 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारतीय टीम ने पूल सी के अपने पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सैंटो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नैशनल में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच ने (12वें, 30वें, 45वें) मिनट और हिना बानो (35वें, 35वें, 45वें) मिनट में शानदार हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में सबसे आगे रहीं, जबकि साक्षी राणा ने (10वें, 23वें) मिनट में दो गोल किए।

भारत के शानदार प्रदर्शन में बिनिमा धन ने (14वें), सोनम ने (14वें), साक्षी शुक्ला ने (27वें), इशिका ने (36वें), और मनीषा ने (60वें) मिनट में एक-एक गोल किया। भारत ने शुरू में ही लय बना ली और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। 10वें मिनट में सफलता मिली जब साक्षी राणा ने एक तेज रिवर्स फ्लिक से गोल किया। कनिका सिवाच ने जल्द ही एक जबरदस्त फिनिश के साथ अपना दूसरा गोल किया। इससे पहले बिनिमा धन और सोनम के तेज स्ट्राइक ने पहले क्वार्टर के आखिर तक स्कोर 4-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी एकतरफा मुकाबला जारी रहा जब राणा ने अपना दूसरा गोल किया, और साक्षी शुक्ला ने पेनल्टी-कॉर्नर ड्रैगफ्लिक को गोल में बदला। सिवाच ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक और गोल करके बढ़त को 7-0 कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी उसी लय के साथ शुरुआत की। हिना बानो ने जल्दी-जल्दी दो गोल किए, जिसमें एक टॉप-कॉर्नर फिनिश भी शामिल था, इसके बाद इशिका ने एक रिबाउंड पर गोल करके स्कोर डबल-डिजिट तक पहुंचाया।

बानो ने पेनल्टी-कॉर्नर डिफ्लेक्शन से अपनी हैट्रिक पूरी की और सिवाच ने कुछ ही पल बाद अपनी हैट्रिक पूरी करके स्कोर को आखिरी क्वार्टर में 12-0 कर दिया। कई रोटेशन के बावजूद, भारत का दबदबा बना रहा और मनीषा के आखिरी पेनल्टी-कॉर्नर पर किए गए गोल ने 13-0 की जीत पूरी की। भारतीय टीम बुधवार को अपने अगले ग्रुप-स्टेज मैच में जर्मनी भिड़ेगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से खिलाड़ियों को लाभ होगा : लवलीना बोरगोहेन

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने कहा है कि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से उभरते हुए खिलाड़ियों को लाभ होगा। बोरगोहेन ने मेजबानी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे युवा प्रतिभाओं को खेलों में आगे बढ़ने और वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ता है। भारतीय मुक्केबाज ने कहा कि यह देश के लिए एक अच्छा है क्योंकि जब देश में कोई बड़ी प्रतियोगिता होती है, तो खिलाड़ियों को और भी अवसर मिलते हैं। यह गुजरात में आयोजित होगा, इसलिए वहां के खिलाड़ियों को विशेष लाभ होगा। इससे पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 100वें राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के अधिकार मिलने पर प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की सामूहिक प्रतिबद्धता ने वैश्विक खेल मंच पर भारत का स्थान मजबूती से स्थापित किया है। बरहाल खिलाड़ी इन खेलों की तैयारियों को शुरु करने लगे है। निशानेबाज सरबजोत सिंह ने कहा कि 2030 में होने वाले इन खेलों को लेकर वह उत्साहित है। उन्होंने कहा कि वह ये खेल अहमदाबाद में आयोजित होंगे, जिसमें खिलाड़ियों को अच्छी सुविधा मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि इन खेलों में देश को कई पदक मिलना तय है। उन्होंने बताया कि वह हर दिन चार से पांच घंटे अभ्यास कर रहे है। वहीं हाल में कजाकिस्तान में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक विजेता आदित्य मालरा ने कहा है कि देश में राष्ट्रमण्डल खेलों को लेकर काफी उत्साह है, क्योंकि पहले भारत के खिलाड़ी बाहर इन खेलों को खेलने जाया करते थे, लेकिन अब बाहर विदेशों के खिलाड़ियों को भी भारत में यह खेल खेलने का अवसर मिल रहा है। मिलेगा।

38 की उम्र में रोहित की आक्रामक पारी देखकर हैरान हैं इरफान पठान

मुम्बई। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने के लिए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। रोहित ने पहले ही एकदिवसीय में शानदार पारी के साथ ही दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है। टेस्ट और टी20 से संन्यास लेने के बाद रोहित की यह पारी दिखाती है कि उनका फार्म अब भी बरकरार है। इसी को लेकर पठान ने कहा कि 38 साल की उम्र में जिस प्रकार से रोहित ने बल्लेबाजी की है। उससे उनकी फार्म का अंदाजा होता है। पठान ने कहा, रोहित अपने करियर के सबसे अच्छे दौर में दिख रहे हैं। वह 38 साल के हो गये ये लगता ही नहीं है। उन्होंने फिटनेस में काफी सुधार किया है पर जिस तरह उन्होंने हालातों को देखकर बल्लेबाजी की है। उससे अंदाजा होता है कि वह किस मानसिकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। रोहित ने इस मैच में एक और बड़ा विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने तीन छक्के लगाकर एकदिवसीय में तेजी से अपनी 350 छक्के पूरे किये हैं।

SMAT: हार्दिक पांड्या की पेशेवर क्रिकेट में धमाकेदार वापसी, ठोका शानदार अर्धशतक, बड़ौदा जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय बाद पेशेवर क्रिकेट में लौटे हार्दिक पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) में आते ही ऐसा प्रभाव छोड़ा कि पूरे भारतीय क्रिकेट जगत की नजरें उनकी ओर टिक गईं। हैदराबाद में खेले गए इस मुकाबले में हार्दिक ने सिर्फ 42 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोककर बड़ौदा को पंजाब पर यादगार जीत दिला दी। यह पारी न सिर्फ उनकी बल्लेबाजी की पुरानी चमक को दर्शाती है, बल्कि उनके ऑलराउंड कौशल का भी शानदार उदाहरण है। उनकी यह वापसी आने वाले दिनों में भारतीय टीम संयोजन के लिए भी बड़े संकेत देती है।

हार्दिक की आतिशी पारी ने पलटा मैच का मोमेंटम

बड़ौदा के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपनी वापसी मैच को एक विशेष मौके में बदल दिया। 42 गेंदों में नाबाद 77 रन की तूफानी पारी में सात चौके और चार छक्के शामिल थे। उनकी बैटिंग में वही पुरानी ताकत, टाइमिंग और मैच को हाथ में लेने की क्षमता साफ दिखाई दी। पारी की शुरुआत धीमी थी, लेकिन हार्दिक ने आते ही रफ्तार पकड़ी और पंजाब बॉलिंग अटैक की लाइन-लेंथ को पूरी तरह हिला दिया। एक समय मुश्किल लग रहा लक्ष्य हार्दिक की आक्रामक बल्लेबाजी से बेहद आसान हो गया।

शिवालिक शर्मा के साथ 101 रन की गेम-चेंजिंग पार्टनरशिप

हार्दिक के दमदार प्रदर्शन का सबसे अहम हिस्सा रहा शिवालिक शर्मा के साथ उनकी 101 रन की साझेदारी। शिवालिक ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए और बेहद समझदारी से रिटायर्ड आउट होकर हार्दिक को एंड पर स्ट्राइक रखने का मौका दिया।

इस साझेदारी ने मैच का पूरा रुख

बदल दिया और बड़ौदा को अंत में मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टीम को आखिरी 15 गेंदों पर 30 रन चाहिए थे, लेकिन नए बल्लेबाज जितेश शर्मा के आने के बाद चीजें और आसान हो गईं।

बड़ौदा का दबदबा

जितेश शर्मा ने आते ही तेजी से रन जोड़े और हार्दिक का शानदार साथ निभाया। केवल 9 गेंदों में बड़ौदा ने जरूरी रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। लक्ष्य भले ही बड़ा लग रहा था, लेकिन हार्दिक की शानदार टाइमिंग और आक्रामक अंदाज ने पंजाब की गेंदबाजी को बेअसर कर दिया।

हार्दिक का गेंदबाजी प्रदर्शन: महंगा लेकिन प्रभावी

बल्लेबाजी के अलावा हार्दिक ने गेंद से भी योगदान दिया। हालांकि उनका चार ओवर का स्पेल थोड़ा महंगा रहा (52 रन), लेकिन उन्होंने 1 विकेट चटकाया। उनकी गेंदबाजी की लय अभी पूर्ण रूप से लौटती नहीं दिखी, लेकिन वापसी मैच को देखते हुए यह प्रयास सराहनीय माना जा रहा है। आने वाले मुकाबलों में वे और बेहतर लय में लौट सकते हैं।

पंजाब की तेज शुरुआत भी नहीं दिला सकी जीत

पंजाब की ओर से अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 19 गेंदों में फिफ्टी लगाकर शानदार शुरुआत दी। उनके अलावा अनमोलप्रीत सिंह ने 32 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। इन दोनों की तेज बल्लेबाजी से पंजाब का स्कोर मजबूत दिख रहा था, लेकिन उनकी गेंदबाजी हार्दिक और शिवालिक की साझेदारी को रोक नहीं पाई।

ग्रुप सी की स्थिति, गुजरात शीर्ष पर

इस जीत के बाद ग्रुप सी में बड़ौदा और पंजाब दोनों के दो-दो मैच पूरे हो चुके है। वहीं गुजरात चार मैचों में तीन जीत के साथ ग्रुप में सबसे आगे है। हार्दिक की यह वापसी न सिर्फ बड़ौदा के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए भी एक बड़ा सकारात्मक संकेत है, जो उन्हें फिर से अपने पुराने अंदाज में देखने के लिए उत्सुक थे।

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के लिए घोषित की टीम, वुड की जगह जैक्स को शामिल किया

ब्रिस्बेन। इंग्लैंड ने गुरुवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम में बदलाव करते हुए तीन साल से टीम से बाहर चल रहे स्पिन ऑलराउंडर विल जैक्स को चोटिल मार्क वुड की जगह शामिल किया है। दूसरा टेस्ट मैच 4 दिसंबर से गाबा मैदान में खेला जाएगा। यह इंग्लैंड की टीम में एकमात्र बदलाव है। पर्थ में पहले टेस्ट में मिली हार के बाद इंग्लैंड ने एक स्पिनर को भी रखने का फैसला किया है। जैक्स को शुएब बशीर पर इसलिए वरीयता दी गयी है क्योंकि वह बल्लेबाजी भी अच्छी करते है। जैक्स ने इससे पहले इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट मैच खेले हैं और 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लिए थे।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में हो रहे अत्याचार पर ब्रिटिश सांसद ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी के सांसद जॉन मैकडोनेल ने बलूचिस्तान में मानवाधिकार स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पाकिस्तानी बलों के जरिये सरकार समर्थित अपहरणों और ड्रोन हमलों पर ध्यान आकर्षित किया। मैकडोनेल ने हाउस ऑफ कॉमन्स में तीन लिखित संसदीय प्रश्न और एक अर्ली डे मोशन दायर किया है।

फ्रांस: घर में लगी आग में दंपती समेत पांच लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। पूर्वी फ्रांस के एक कस्बे में आग लगने से एक घर में मौजूद पांच लोगों की मौत हो गई। म्यूर्थ-ए-मोसेले विभाग ने रविवार को बताया कि ल्यूनेस-मैसंस शहर में लगी आग पर काबू पाने के लिए रातभर 70 दमकलकर्मी व लगभग 40 वाहनों को तैनात किया गया था। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी महसूस करने वाले छठे व्यक्ति का इलाज किया जा रहा है। वह खतरे से बाहर है। पीड़ितों में दंपती और 17 से 20 वर्ष की आयु के तीन युवा शामिल थे।

चीन में रिकॉर्ड 37 लाख लोगों ने दी सिविल सेवा की परीक्षा

बीजिंग, एजेंसी। चीन में रविवार को 37 लाख से अधिक लोगों ने राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा दी। चीन में सिविल सेवा के लिए उम्र सीमा को 35 साल से अधिक बढ़ाने के बाद यह पहली राष्ट्रीय परीक्षा थी। यह रिकॉर्ड संख्या देश में बढ़ती बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों की मांग को दर्शाती है। राज्य संचालित समाचार एजेंसी ने बताया कि इस परीक्षा में औसतन प्रति सीट 98 आवेदक प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इन रिक्तियों में से लगभग 70 प्रतिशत कॉलेज के नए स्नातकों के लिए आरक्षित हैं।

सीरिया में लोकतंत्र अभी दूर, पर सुधार अच्छा: एमनेस्टी इंटरनेशनल

दमिश्क, एजेंसी। गैर सरकारी वैश्विक मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने शनिवार को कहा कि सीरिया में नई सरकार ने सुधारों और संक्रमणकालीन न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है, लेकिन लोकतंत्र की कमी अभी भी है। बशर असद की सरकार गिरने के एक साल बाद कैलामार्ड का कहना है कि कानूनी सुधार योजनाओं और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों का स्वागत होना सकारात्मक संकेत है।

ताइवान: चीनी सेना के 25 विमानों ने क्रॉस की मध्य रेखा

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उनके क्षेत्र के आसपास चीन के पीएलए के 27 विमानों, 11 नौसैनिक जहाजों और तीन सरकारी जहाजों को देखा गया। एमएनडी के अनुसार, 27 विमानों में से 25 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। इन विमानों में शेनयांग जे-16 और भारी बॉम्बर शियान एच-6 शामिल थे। एमएनडी ने कहा कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जवाब दे रहे हैं। ताइवान ने कहा कि चीन जापान के साथ तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों के बेस में घुस गए हमलावर, खुद को बम से उड़ाया; तीन मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 24 घंटे के अंदर ही कम से कम सात धमाके हुए। यहीं बलूचिस्तान के नोकुंडी में फ्रंटियर कॉर्प्स के हेडक्वार्टर के गेट पर फिदायीन हमला किया गया। हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया। इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। प्रशासन का कहना है कि यह हमला तहरीक-ए-तालिबान ने किया है। पाकिस्तान के अर्धसैनिक बलों के हेडक्वार्टर पर हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन में तीन हमलावरों को मार गिराने का दावा किया गया है। बलूचिस्तान साउथ के फ्रंटियर कॉर्प्स के मुताबिक हेडक्वार्टर के गेट पर ही जबरदस्त आवाज हुई। इसके बाद तुरंत सुरक्षाबलों ने अभियान शुरू कर दिया। बताया गया कि कम से कम 6 हमलावर हेडक्वार्टर में दाखिल हुए थे। एफसी के प्रवक्ता ने बताया कि जब तक सभी आतंकियों को मारा नहीं जाता, ऑपरेशन खत्म नहीं होगा। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षाबल हर कमरे की ठीक से जांच कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले पेशावर में फ्रंटियर कॉर्प्स के परिसर में फिदायीन हमला हुआ था जिसमें तीन की जान चली गई थी। वहीं क्वेटा में पैरामिलिट्री बेस में कार में हुए धमाके से भी इलाका दहल गया था। पाकिस्तान में बीते कुछ महीनों से इस तरह के हमले तेजी से बढ़े हैं। साभर में ही बलूचिस्तान में सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। कई बार बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी हमलों की जिम्मेदारी ली है।

भारतीयों ने ही अमेरिका को सुपरपावर बनाया: एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने रविवार को कई दिनों की अटकलों के बाद आखिरकार जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ के पॉडकास्ट पिपुल बाय डब्ल्यूटीएफ में साफ कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका को कुशल भारतीय प्रतिभाओं के आने से भारी लाभ हुआ है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने आखिरकार वो बात बोल ही दी, जिसे सुनकर अमेरिका के अंदरूनी इमिग्रेशन-विरोधी गुटों के होश उड़ गए। जीरोधा के निखिल कामथ के पॉडकास्ट में मस्क ने साफ-साफ कहा कि अमेरिका को पिछले दशकों में जितना फायदा हुआ है, उसका बड़ा हिस्सा भारतीय टैलेंट की वजह से हुआ है। सत्या नडेला, सुंदर पिचाई जैसे लोग इसका जीता-जागता सबूत हैं। और तो और, जब एच1-बी वीजा को लेकर ट्रंप कैंप में घमासान मचा हुआ है, तब मस्क ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस प्रोग्राम का दुरुपयोग हुआ है, इसे ठीक करो, लेकिन बंद करोगे तो अमेरिका खुद अपनी सबसे बड़ी ताकत को मार डालेगा। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब हजारों भारतीयों का सदियों पुराना अमेरिकी सपना (ऊंची पढ़ाई, मोटी सैलरी वाली नौकरियां, बेहतर लाइफस्टाइल और तरक्की का वादा) सख्त होते वीजा नियमों और अचानक नीतिगत बदलावों की वजह से तेजी से फीका पड़ता दिख रहा है। मस्क ने कहा कि मेरा मानना है कि अमेरिका को यहां आए टैलेंटेड भारतीयों से बहुत फायदा हुआ है। इस दौरान निखिल कामथ ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे सफल भारतीयों का उदाहरण दिया, जो दशकों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के एच1-बी प्रोग्राम का समर्थन करने के कुछ ही दिन बाद रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने इसे धीरे-धीरे खत्म करने का बिल पेश कर दिया और दावा किया कि यह अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीन रहा है। ऐसे कदम भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए बड़ा खतरा है, क्योंकि एच1-बी उनके लिए ग्रीन कार्ड और फिर अमेरिकी नागरिकता का सबसे आम रास्ता रहा है। ट्रंप 2.0 सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के हेड रहे मस्क ने कहा कि बाइडेन प्रशासन में बॉर्डर कंट्रोल नाम की कोई चीज नहीं थी। बिना बॉर्डर कंट्रोल के आप देश नहीं चला सकते। बाइडेन के समय बड़े पैमाने पर अवैध इमिग्रेशन हुआ, जिससे नेगेटिव सिलेक्शन इफेक्ट पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि अगर अवैध तरीके से अमेरिका आकर ढेर सारे सरकारी लाभ मिल रहे हैं, तो आप गलत तरह के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह एक गलत इंसेंटिव स्ट्रक्चर है। बॉर्डर कंट्रोल न होना बिल्कुल बेतुका था। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से पहले की इमिग्रेशन पॉलिसी पर बोलते हुए मस्क ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि आम अमेरिकी नागरिकों का यह डर बहुत वास्तविक है कि विदेशी टैलेंट उनकी नौकरियां छीन रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा अपना अनुभव यही है कि टॉप टैलेंट हमेशा कम पड़ता है। मुश्किल काम करवाने के लिए आपको असाधारण लोग चाहिए। कुछ कंपनियां इसे सिर्फ कॉस्ट का खेल बना देती हैं। अगर अमेरिकी नागरिक से आधे या उससे भी कम पैसों में कोई काम कर दे तो वे उसे हायर कर लेती हैं। स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स जैसे अपने खुद के टॉप अमेरिकी कंपनियों का उदाहरण देते हुए मस्क ने कहा कि उनकी कंपनियां हमेशा बेस्ट टैलेंट ढूंढती हैं और उन्हें एवरेज से कहीं ज्यादा सैलरी देती हैं। इसलिए एच1-बी के दुरुपयोग को रोकना जरूरी है, लेकिन प्रोग्राम को पूरी तरह बंद करना सही नहीं। उन्होंने अंत में कहा कि हां, एच1-बी प्रोग्राम का कुछ कंपनियों ने दुरुपयोग किया है। खासकर कुछ आउटसोर्सिंग कंपनियों ने सिस्टम के साथ खेला है, उसे रोकना होगा। लेकिन मैं बिल्कुल इस बात से सहमत नहीं कि एच1-बी प्रोग्राम ही बंद कर देना चाहिए।

मस्क ने बताया- उनकी पत्नी को गोद लिया गया था : पॉडकास्ट के दौरान एलन मस्क ने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि आप इस बारे में जानते हैं या नहीं, लेकिन मेरी पार्टनर शिवॉन आधी भारतीय हैं। मेरे और उसके एक बेटे का मध्य नाम शेखर है, जो चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।' मस्क ने बताया कि उनकी पार्टनर शिवॉन जिलिस कनाडा में पली-बढ़ी हैं और जब वे एक छोटी बच्ची थीं, तब उन्हें गोद लिया गया था। शिवॉन जिलिस ने साल 2017 में मस्क की कंपनी न्यूरालिंक जॉइन की थी और वे फिलहाल कंपनी में डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस एंड स्पेशल प्रोजेक्ट्स के तौर पर काम कर रही हैं। शिवॉन ने येल यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की है।

नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से मांगा क्षमादान, अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मुकदमे के बीच किया अनुरोध

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने चल रहे भ्रष्टाचार मुकदमे के बीच देश के राष्ट्रपति से आधिकारिक रूप से माफी मांगी है। यह कदम इस्राइल की राजनीति में बड़ा और असाधारण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी विभाग को अपना माफी का आवेदन भेज दिया है। वहीं राष्ट्रपति कार्यालय ने इस आवेदन को 'असाधारण और दूरगामी असर वाला कदम' बताया है।

नेतन्याहू पर क्या हैं आरोप : बेंजामिन नेतन्याहू इस्राइल के इतिहास में पहले ऐसे मौजूदा प्रधानमंत्री हैं जिन पर भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा है। उनके खिलाफ तीन बड़े मामलों में आरोप दर्ज हैं। इसमें धोखाधड़ी, भरोसे का उल्लंघन, रिश्वत लेना शामिल हैं। इन मामलों में आरोप है कि नेतन्याहू ने अमीर व्यापारियों और राजनीतिक समर्थकों से उपहार और फायदे लिए और बदले में उन्हें लाभ पहुंचाया। हालांकि, अब तक किसी भी मामले में उनकी दोष सिद्धि नहीं हुई है। वह लगातार सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं।

नेतन्याहू का देशवासियों के लिए संदेश : इस्राइल के नागरिकों। मेरे खिलाफ जांच शुरू हुए लगभग दस साल हो गए हैं। इन मामलों में ट्रायल लगभग छह साल से चल रहा है और उम्मीद है कि यह कई और वर्षों तक चलेगा। जैसे-जैसे कोर्ट में मेरे खिलाफ झूठी दलीलों को पूरी तरह से गलत साबित करने वाले बयान और सबूत सामने आ रहे हैं, और जैसे-जैसे यह साफ हो रहा है कि मेरे खिलाफ सबूतों का ढांचा गंभीर अपराध करते हुए बनाया गया था, मेरा निजी हित रहा है और रहेगा कि इस प्रोसेस को आखिर तक जारी रखा जाए जब तक कि मैं सभी आरोपों से पूरी तरह बरी न हो जाऊं। लेकिन सुरक्षा और राजनीतिक हकीकत, देश के हित, कुछ और ही चाहते हैं। इस्राइल देश बहुत बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है और उनके साथ-साथ खतरों को दूर करने के बहुत सारे मौके भी हैं। इन मौकों को पाने के लिए देश की एकता जरूरी है। ट्रायल का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ रहा है। फूट डालने की यह कोशिश फूट को और बढ़ाती है। मुझे यकीन है, देश के कई और लोगों की तरह, कि ट्रायल का तुरंत खत्म होना आग को कम करने और उस बड़े मेल-मिलाप को बढ़ावा देने में बहुत मदद करेगा जिसकी हमारे देश को बहुत जरूरत है। मैंने इस मामले पर लंबे समय से बहस की है, लेकिन हाल ही में जो हुआ है।

भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद, नहीं प्रभावित होंगे संबंध: विदेश सलाहकार हुसैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। लेकिन इस मुद्दे को नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में बाधा नहीं बनने देगा। ढाका में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत हसीना को प्रत्यर्पित किए बिना बेहतर संबंधों की उम्मीद की जा सकती है तो हुसैन ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे (द्विपक्षीय) संबंध केवल एक मुद्दे पर अटके नहीं रहेंगे। हालांकि हुसैन ने कहा कि चूंकि हसीना अब एक घोषित अपराधी हैं, बांग्लादेश उनके जल्द से जल्द भारत से प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। हसीना के खिलाफ पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। जिस दौरान कई प्रदर्शनकारी मारे गए थे। कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पांच अगस्त 2024 को उनकी सरकार का पतन हो गया। इसके बाद हसीना ने भागकर भारत में शरण ली। इस साल 17 नवंबर को एक विशेष न्यायाधिकरण ने गैरहाजिर होने पर पूर्व प्रधानमंत्री को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। इससे पहले बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। ढाका में मोहम्मद यूनुस नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत भारत के साथ संबंधों के बारे में एक अन्य सवाल के जवाब में हुसैन ने कहा, भारत को नई वास्तविकताओं के साथ तालमेलन होने के लिए कुछ समय चाहिए। हालांकि सलाहकार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ बेहतर संबंध रखना चाहेंगे, जो दोनों पक्षों के हितों पर आधारित हों। इससे पहले बुधवार को हुसैन ने कहा था कि भारत ने हसीना के प्रत्यर्पण के लिए पहले की गई मांग पर कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन ढाका अब नई दिल्ली से जवाब की उम्मीद करता है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री के दोषी ठहराए जाने के बाद 'स्थिति अब अलग है।

दित्वाह से श्रीलंका में अब तक 334 लोगों की मौत, भारतीय एयरफोर्स 104 भारतीयों को रेस्क्यू कर लाई वापस

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह से मची तबाही में अब तक कम से कम 334 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया के स्थानीय मीडिया ने डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के हवाले से बताया कि 370 लोगों की अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस बीच ऑपरेशन सागरबंधु के तहत भारतीय वायु सेना श्रीलंका के आपदाग्रस्त क्षेत्रों फंसे लोगों को रेस्क्यू कर रही है। भारतीय वायुसेना ने 40 श्रीलंकाई सैनिकों और 104 भारतीयों को रेस्क्यू किया। इस तूफान से कैंडी शहर में सबसे ज्यादा तबाही मची है। कैंडी में अब तक 88 मौतें हुई हैं, जबकि 150 लोग लापता बताए गए हैं। बादुल्ला में 71, नुवारा एलिया में 68 और मटाले में 23 लोगों की मौत हुई है। डेली मिरर ने डीएमसी के हवाले से बताया कि इस आपदा से देशभर के 309,607 परिवारों के 1,118,929 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां संपर्क पूरी तरह से बाधित हो गया है। इसकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में भी दिक्कतें आ रही हैं। भारतीय रेस्क्यू टीमें बाढ़ से प्रभावित समुदायों की मदद के लिए श्रीलंका एयर फोर्स, नेवी, आर्मी, और पुलिस के साथ तालमेल बैठाकर काम कर रही हैं। वहीं फर्स्ट रिस्पांडर (जो आपदा या इमरजेंसी के समय में सबसे पहले पहुंचकर प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाते हैं) भी रेस्क्यू ऑपरेशन में अन्य टीमों के साथ कोऑर्डिनेशन कर लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं। कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने जानकारी दी है कि श्रीलंका में फंसे 104 भारतीय नागरिकों के आखिरी बैच को सोमवार को निकालकर घर वापस लाया गया। भारतीय हाई कमीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कोलंबो के बंदरनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों का आखिरी बैच घर पहुंच गया है। 104 फंसे हुए भारतीय आज सुबह करीब 6.30 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचे।' लोगों को निकालने के साथ-साथ भारत ने श्रीलंका में बचाव और राहत अभियान भी तेज कर दिए हैं। इससे पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने रविवार को ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका के एक प्रतिबंधित क्षेत्र से फंसे यात्रियों को निकालने के लिए एक हाइब्रिड बचाव अभियान चलाया। आईएएफ ने एक्स पर कहा कि एक गरुड़ कमांडो को विंच से नीचे उतारा गया ताकि ग्रुप को कोटमाले के एक हेलीपैड तक ले जाया जा सके, जहां से 24 यात्रियों को कोलंबो पहुंचाया गया। सेना ने कहा, 'एक साथ की कोशिश में, तीन गंभीर घायलों को तुरंत मेडिकल मदद के लिए कोलंबो एयरलिफ्ट किया गया।

नक्शा विवाद के बीच नेपाल ने चीनी कंपनी को दिया नोट छपाई का ठेका, इतने करोड़ नोटों का करार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली नोट पर अंकित नक्शे को लेकर जारी विवाद के बीच काठमांडो ने विभिन्न मूल्यों के अपने नोटों की छपाई का ठेका चीनी कंपनी को दे दिया है। 100 रुपये के नेपाली नोट पर अंकित नक्शे में भारत के तीन क्षेत्रों को अपने हिस्से में दर्शाया गया है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि एनआरबी ने चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50, 500 व 1,000 के नेपाली रुपये के नोट छापने का ठेका दिया है। पौडेल ने कहा कि हाल में दिए गए ठेके के अनुसार चीनी प्रेस नौ महीने के भीतर नेपाली बैंक नोटों का डिजाइन, प्रिंट व आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एनआरबी चीनी कंपनी को जानकारी उपलब्ध कराएगा जिसके आधार पर वह नोट को डिजाइन करेगा। डिजाइन को एनआरबी मंजूर करेगा जिसके बाद ही नोटों की छपाई होगी।

4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए हुआ करार : महीने की शुरुआत में इसी चीनी कंपनी के साथ 1,000 रुपये के 4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए करार हुआ था। नेपाली रुपये के 1,000 के नोट पर दूसरी चीजों के साथ सात रोडोडेंड्रोन होंगे, जो नेपाल का राष्ट्रीय फूल है। नोट पर सात प्रांत दिखाए गए हैं। कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा को दिखाया अपना हिस्सा दरअसल, नेपाल के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया है, जिसमें देश का संशोधित नक्शा छपा है। इस नक्शे में भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। भारत ने इसको लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नेपाल के नक्शे की निंदा की और कहा कि यह एकतरफा कृत्य है, जो जमीनी हकीकत नहीं बदलता। नक्शे को लेकर विवाद पिछले एक साल से चल रहा है और भारत ने नेपाल को आगाह किया था कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा कृत्रिम विस्तार स्वीकार्य नहीं होगा। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) की ओर से जारी नया नोट पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर वाला है। नोट पर छपाई वर्ष 2081 बीएस (साल 2024) दर्ज है। वर्ष 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने संसद से मंजूरी लेकर इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। साल 2020 में भारत ने नेपाल के संशोधित नक्शे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे एकतरफा और अस्वीकार्य कदम बताया था। नेपाल की भारत से 1,850 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है।

ट्रंप लंबे समय के लिए खत्म कर सकते हैं शरण देने की प्रणाली

वाशिंगटन, एजेंसी। बीते दिनों अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास हुए हमले के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है। इसके तहत अब ट्रंप की प्रशासन ने अमेरिका में आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियों को और कड़ा करने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे शरण देने की प्रक्रिया को लंबे समय के लिए रोकना चाहते हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि कई ऐसे लोग देश में आ रहे हैं जिन्हें अमेरिका में नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने हाल ही में व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी करने वाले अफगान नागरिक का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोग देश के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे लोगों को अमेरिका नहीं चाहते। इनमें से कई लोग ऐसे हैं जो अच्छे नहीं हैं। हमारे पास पहले से ही काफी समस्याएं हैं।

व्हाइट हाउस के पास हमला : बता दें कि यह कदम उस अफगान प्रवासी की गिरफ्तारी के बाद आया है जिस पर व्हाइट हाउस के पास एक नेशनल गार्ड सदस्य की हत्या का आरोप है। बुधवार को हुए हमले में स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई, जबकि स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है।

सोमालिया जैसे देशों पर साधा निशाना : ट्रंप ने सोमालिया जैसे देशों पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ये ऐसे देश हैं जहां न सरकार है, न सेना, न पुलिस। लोग एक-दूसरे को मारते रहते हैं और फिर हमारे देश आकर बताते हैं कि हमें कैसे चलाना चाहिए। हमें इनकी जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि 19 से ज्यादा देशों पर कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं, क्योंकि वे अपराध से भरे हुए हैं। नेशनल गार्ड पर हमले का जिक्र इस दौरान ट्रंप ने व्हाइट हाउस के पास हुए हमले में घायल दो नेशनल गार्ड सैनिकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एंड्रयू वोल्फ अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि दूसरी सैनिक सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हमले के आरोपी अफगान नागरिक रहमनुल्लाह लाकनवाल पर योजना बनाकर और जानबूझकर की गई हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पूर्व राष्ट्रपति बाइडन पर भी बोला बड़ा हमला इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्होंने बिना जांच-पड़ताल के लोगों को देश में आने दिया, जिससे आज यह स्थिति बनी। ट्रंप ने यह भी कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने भी कहा कि बाइडन प्रशासन ने देश के खिलाफ आत्म-नुकसान करने जैसा काम किया। गौरतलब है कि लाकनवाल 2021 में ऑपरेशन एलाइज वेलकम के तहत अमेरिका आया था।

फ्लोरिडा में यूएस-यूक्रेन की मीटिंग, ट्रंप टीम जल्द मॉस्को जाकर पुतिन से करेगी वार्ता

तल्हासी, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें एक बार फिर तेज हो गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारी रविवार को फ्लोरिडा में यूक्रेनी अधिकारियों से मिले, जहां प्रस्तावित शांति फ्रेमवर्क के अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस बीच ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे अपने प्रतिनिधिमंडल को इस सप्ताह मॉस्को भेज रहे हैं, जहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण वार्ता तय है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर ने यूक्रेनी शांति दल से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यूक्रेन एक ओर रूसी सेना से जूझ रहा है और दूसरी ओर बड़े घरेलू भ्रष्टाचार विवाद से घिरा है।

शांति समझौते के लिए अभी और काम जरूरी: रूबियो : अमेरिका और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बैठक की। इस वार्ता का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए एक रास्ता तलाशना था। बैठक के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि बातचीत उपयोगी रही, लेकिन अभी शांति समझौते तक पहुंचने के लिए काफी काम बाकी है। रूबियो ने कहा मुद्दा सिर्फ लड़ाई खत्म करने का नहीं है, बल्कि ऐसा समाधान ढूंढना है जिससे यूक्रेन की संप्रभुता और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। आज हमने कुछ प्रगति की है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। यूक्रेन की तरफ से सुरक्षा परिषद प्रमुख रुस्तेम उमेरोव ने हिस्सा लिया। उन्होंने अमेरिका के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा अमेरिका हमारी बात सुन रहा है, हमें समर्थन दे रहा है और हमारे साथ काम कर रहा है। उमेरोव ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत में कितनी प्रगति हुई, लेकिन उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित और समृद्ध यूक्रेन है, और इस दिशा में अमेरिका पूरी तरह सहयोग कर रहा है।

भ्रष्टाचार विवाद के बीच बदला यूक्रेन का वार्ताकार : कुछ दिन पहले राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने शक्तिशाली चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रिय येर्माक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। ऊर्जा सेक्टर में 100 मिलियन डॉलर की गबन घोटाले की जांच के बाद यह बड़ा कदम उठाया गया। रूबियो की येर्माक से पिछली मुलाकात केवल एक हफ्ता पहले जिनेवा में हुई थी, जहां दोनों पक्षों ने शांति योजना के संशोधित ड्राफ्ट पर सहमति जताई थी।

ट्रंप-पुतिन वार्ता से पहले बढ़ी हलचल : ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता के लिए अपने दूत स्टीव विटकॉफ और संभवतः जेरेड कुश्नर को भेजेंगे। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति भवन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी पुष्टि की है कि पुतिन गुरुवार से पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे। ट्रंप की शांति योजना में कई विवादित बिंदु शामिल थे। जैसे यूक्रेन की सेना के आकार पर सीमा लगाने का प्रस्ताव, नाटो सदस्यता पर रोक, 100 दिनों के भीतर चुनाव करवाने की शर्त और शुरुआती प्रस्ताव में पूर्वी डोनबास क्षेत्र को रूस को सौंपने का सुझाव, जिसे अब संशोधित कर दिया गया है। हालांकि, ट्रंप इस पूरी योजना को अब केवल एक 'कॉन्सेप्ट' या 'ब्लूप्रिंट' बता रहे हैं, जिससे यह साफ है कि इसके अंतिम स्वरूप को लेकर अभी भी कई पहलू तय होना बाकी हैं।

युद्ध नहीं थमा, हमले जारी : यूक्रेन में शांति वार्ता की हलचल के बीच रूस ने कीव और उसके आसपास के क्षेत्रों में मिसाइल और ड्रोन हमलों की तीव्रता बढ़ा दी है। शनिवार को हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए। वहीं, रविवार तड़के विषगोरोड में एक आवासीय इमारत पर ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 19 लोग घायल हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, रूस ने हाल के हमलों में 122 ड्रोन और कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमलों की संख्या बताते हुए कहा कि सिर्फ एक हफ्ते में रूस ने 1,400 ड्रोन और 66 मिसाइलें दागीं। हमें मजबूत वायु सुरक्षा और ऐसे वास्तविक समाधान चाहिए जो युद्ध को समाप्त करने में मदद कर सकें।

बस्ती में कई कारणों से दो लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए

बस्ती (एजेंसी)। विधानसभा क्षेत्रवार निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का कार्य तेजी से चल रहा है। सोमवार को जनपद के 74.26 फीसदी मतदाताओं का डाटा डिजिटाइज्ड हो गया। अभी भी 25 फीसदी मतदाताओं का डिजिटाइजेशन का कार्य होना बाकी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में 19 लाख 430 मतदाता हैं। इनमें से 14 लाख 12 हजार आठ मतदाताओं का डाटा डिजिटाइज्ड हो गया है। इनमें से 816 मतदाताओं ने खुद अपना डाटा फीड किया। एसआईआर के दौरान 48326 मतदाता ऐसे चिह्नित किए गए हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इनके डाटा को बीएलओ ने परिवार वालों से कलेक्ट किया। इनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है और निर्वाचक नामावली में कटे मतदाता के तौर पर डिजिटाइज्ड कर दिया गया है। यह कुल मतदाताओं का 2.54 फीसदी है। जिले में 35656 मतदाता ऐसे हैं, जो अनमेट हैं। उनको बीएलओ खोज नहीं पाए। जानकारी के मुताबिक स्थाई तौर पर 114709 मतदाता स्थाई तौर पर दूसरी जगह पर शिफ्ट हो गए। 23267 मतदाता ऐसे हैं, जो दूसरी जगह पर इनरोल्ड हैं और उनका नाम दूसरी जगह से काट दिया जाएगा। अन्य कारणों से 2777 मतदाताओं का नाम सूची से हटाया गया है। इस प्रकार कुल दो लाख 24 हजार 835 मतदाताओं का नाम सूची से हटाया है। इनका डाटा डिजिटाइज्ड कर दिया गया है।

बलरामपुर में बस-ट्रक की टक्कर, आग लगने से तीन नेपाली यात्रियों की मौत, 24 झुलसे

बलरामपुर (एजेंसी)। बलरामपुर के फुलवरिया बाईपास पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सोनौली से दिल्ली जा रही एक पैसेंजर बस अनियंत्रित होकर हाई-टेंशन लाइन और ट्रांसफार्मर से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। हादसे में तीन यात्रियों की झुलसकर मौत हो गई। बस के टकराने के बाद गर्म कपड़े ले जा रहे एक ट्रक में भी आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय बस में ज्यादातर यात्री नेपाल के थे। हादसे में 24 अन्य यात्री भी घायल हुए, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को बहराइच और लखनऊ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बाकी मामूली घायल यात्रियों को दिल्ली और नेपाल के लिए रवाना किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने घायलों के परिजनों से संपर्क कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बस का ड्राइवर और कंडक्टर अभी तक लापता है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन उनके खोजने में जुटे हुए हैं। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही प्रभावित परिवारों की मदद के लिए प्रशासन लगातार संपर्क बनाए हुए है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी राहत और सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

तुलसी निकेतन आवासीय परिसर का व्यापक पुनर्विकास, 20 हजार लोगों को मिलेगा आवास

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के सबसे पुराने और जर्जर हो चुके तुलसी निकेतन आवासीय परिसर का व्यापक पुनर्विकास करना, ताकि करीब 20 हजार से अधिक निवासियों को सुरक्षित और आधुनिक आवास मिल सके। गुरुवार को जीडीए (गाजियाबाद विकास प्राधिकरण) और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के बीच परियोजना के लिए समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह प्रोजेक्ट पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। पुनर्विकास की लागत न तो प्राधिकरण पर आएगी और न ही आवंटियों पर, जिससे निवासियों पर कोई आर्थिक भार नहीं पड़ेगा। एनबीसीसी इस प्रोजेक्ट की परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में दो चरणों में पूरा करेगा। समझौता हस्ताक्षर के बाद, आठ सप्ताह में एनबीसीसी प्राधिकरण को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपेगा, जिसमें क्रियान्वयन मॉडल का आकलन होगा। शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर डीपीआर (विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की जाएगी। वर्तमान स्थिति: जीडीए ने वर्ष 1989-90 में 7.83 हेक्टेयर भूमि पर यह योजना विकसित की थी। कुल 2,292 फ्लैट (2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआईजी) और 60 दुकानें बनाई गई थीं। वर्तमान में यहां 20 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। योजना के 16 एकड़ क्षेत्र में निजी डवलपर्स के सहयोग से नई बहुमंजिला आवासीय इमारतें बनाई जाएंगी। यह पुनर्विकास योजना तुलसी निकेतन के निवासियों को सुरक्षित और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी... भारतीयों के एच-1बी वीजा में एक साल में ही 40 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के बाद भारतीयों के एच2-1बी वीजा में एक साल में ही 40 फीसदी की कमी आई है। यूएससीआईएस के आंकड़ों के मुताबिक 2015 से अब तक एच-1बी वीजा की मंजूरी मिलने में 70 फीसदी की कमी आई है। वहीं एक साल में ही यह 37 फीसदी कम हो गया। भारत की पांच सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में टीसीएस के ही सबसे ज्यादा कर्मचारियों को एच-1बी वीजा मिला है। वहीं भारत की कंपनियों को कुल 4.5 हजार एच-1बी वीजा ही जारी हो सके हैं, जो कि इस दशक में सबसे कम है। टीसीएस का भी रिजेक्शन रेट 7 फीसदी तक बढ़ा है। 2024 में टीसीएस के 4 फीसदी आवेदन ही रद्द हुए थे। इस साल टीसीएस के 5293 कर्मचारियों को अमेरिका में अपनी नौकरी जारी रखने की अनुमति मिली है। वहीं भारत से अमेरिका जाने वाले कर्मचारियों को इस साल टीसीएस के केवल 846 लोगों को ही एच-1बी वीजा दिया गया है। जबकि 2024 में यह संख्या 1452 के करीब थी। अमेरिका में भारत की टॉप आईटी कंपनियों में पहले नंबर पर टीसीएस है, जिसका रिजेक्शन रेट 7 प्रतिशत है। इसके बाद इंफोसिस का रिजेक्शन रेट 1 प्रतिशत, एचसीएल अमेरिका का 1 फीसदी, एलटीआई मइंडट्री का 1 फीसदी और विप्रो का 2 फीसदी है। अमेरिका में एच-1बी वीजा के मामले में अमेजन, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल सबसे आगे हैं। टॉप एच-1बी वीजा पिटिशन वाली 25 कंपनियों में केवल तीन भारतीय हैं। टीसीएस के अलावा बाकी कंपनियों का रिजेक्शन रेट कम है। इसका कारण कंपनियां अब आवेदन ही कम करवा रही हैं। अमेरिका में एच-1बी वीजा की नीति को लेकर एलन मस्क ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारतीयों से अमेरिका ने खूब पैसा कमाया है। मस्क ने कहा कि तकनीक और व्यापार के क्षेत्र में भारतीय अप्रवासियों की प्रतिभा ने अमेरिका को बहुत लाभ पहुंचाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक कंपनियों में शीर्ष पदों पर भारतीय मूल के लोग हैं। बता दें कि बीते कुछ समय से ही ट्रंप और मस्क के रिश्तों में दरार पड़ गई है।

संचार साथी एप पर मुखर हुई प्रियंका गांधी वाड्रा... केंद्र सरकार लोगों की जासूसी करवा रहीं

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने एप को मनहूस उपकरण बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संचार साथी एप की विपक्ष द्वारा की जा रही आलोचना का जवाब देकर, विरोधी पार्टियों से संसद में व्यवधान पैदा न करने का आग्रह कर आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार सभी मुद्दों पर बहस को तैयार है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि उन्हें मुद्दे खोजने की जरूरत नहीं है। कामकाज की एक सूची तैयार की गई है, और उसमें कई मुद्दे हैं। उन्हें नए मुद्दे ढूंढने और संसद को बाधित करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हर चिंता का अपना महत्व है, लेकिन संसद की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए उनका इस्तेमाल करना सही नहीं है। हम विपक्षी नेताओं से बातचीत करने वाले हैं, मैं पहले से ही उनके संपर्क में हूं... हम उनके मुद्दों को कम नहीं आंक रहे हैं, लेकिन देश में एक नहीं, कई मुद्दे हैं।

दरअसल कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दूरसंचार विभाग के हालिया आदेश की आलोचना की जिसमें संचार साथी एप को जासूसी एप बताया गया है। यह हास्यास्पद है। नागरिकों को निजता का अधिकार है। हर किसी को अपने परिवार और दोस्तों को संदेश भेजने की निजता का अधिकार होना चाहिए, वे भी बिना सरकार की नजर में आए... वे इस देश को हर रूप में तानाशाही में बदल रहे हैं। संसद इसलिए नहीं चल रही है, क्योंकि केंद्र सरकार किसी भी विषय पर बात करने से मना कर रही है। विपक्ष को दोष देना बहुत आसान है। वे किसी भी विषय पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं... एक स्वस्थ लोकतंत्र चर्चा की मांग करता है... धोखाधड़ी को रिपोर्ट करने और यह देखने के बीच एक बहुत ही महीन रेखा है कि भारत का हर नागरिक अपने फोन पर क्या कर रहा है। इस तरह से काम नहीं करना चाहिए।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी दूरसंचार विभाग (डीओटी) के उन निर्देशों की आलोचना की, जिसमें मोबाइल हैंडसेट पर संचार साथी एप को पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य बताया गया है। उन्होंने इस निगरानी का एक मनहूस उपकरण बताया। डीओटी ने निर्माताओं और आयातकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि एप पहली बार इस्तेमाल करते ही दिखाई दे और सुलभ हो और उसे निष्क्रिय न किया जा सके। बाजार में पहले से मौजूद उपकरणों के लिए, कंपनियों को सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए ऐप को आगे बढ़ाने के लिए कहा गया है।

हैदराबाद-कुवैत इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी, मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद से कुवैत जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 86 को मंगलवार सुबह बम होने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान जैसे ही राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ा, तुरंत बाद हैदराबाद एयरपोर्ट को धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने तत्काल फ्लाइट को मुंबई डायवर्ट कर दिया। सुबह करीब 9 बजे विमान की मुंबई में सुरक्षित लैंडिंग हो गई। सभी 173 यात्री और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की जा रही है। लैंडिंग के बाद विमान को मुंबई एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में ले जाया गया। बम डिस्पोजल स्क्वायड, सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूर्ण सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। प्रारंभिक जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला है। सुरक्षा एजेंसियां धमकी भरे ईमेल की उत्पत्ति और साजिश की गहन जांच कर रही हैं। फिलहाल फ्लाइट को कुवैत के लिए रवाना करने पर फैसला जांच पूरी होने के बाद लिया जाएगा। बता दें इससे पहले भी कई बार विमान और स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। जिसके चलते विमानों की आपात लैंडिंग करानी पड़ी तो कई स्कूलों को खाली कराया गया।

तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट: तिरुवल्लूर में रेड अलर्ट, कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

- मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में मौसम विभाग ने भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। चेन्नई मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना गहरा अवदाब कमजोर होकर निम्न दबाव क्षेत्र में तब्दील हो गया है, लेकिन इसके असर से अगले दो दिनों तक तटीय और आंतरिक जिलों में तेज बारिश की संभावना बनी हुई है।

मौसम विभाग ने बताया कि यह निम्न दबाव क्षेत्र चेन्नई से करीब 40 किलोमीटर दूरी पर स्थित है और तमिलनाडु-पुडुचेरी तट से लगभग 25 किलोमीटर दूर समुद्र में केंद्रित है। इसके कारण कई जिलों में भारी वर्षा की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

तिरुवल्लूर जिले में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया है। चेन्नई, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और रानीपेट जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां बहुत भारी बारिश हो सकती है। वेल्लोर, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची और कुड्डालोर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

3 दिसंबर को नीलगिरी, इरोड और कोयंबटूर जिलों में बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, थेनी, डिंडीगुल, तिरुप्पूर, नामक्कल और सेलम जिलों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट लागू रहेगा।

मौसम विभाग ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है और तटीय क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने को कहा है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में राहत दल तैनात कर दिए हैं। लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित हुआ है, जबकि स्कूलों को बंद रखने पर भी स्थानीय प्रशासन विचार कर रहा है। आने वाले 24 से 48 घंटे राज्य के कई जिलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहने वाले हैं।

मुस्लिम ज्ञानवापी हिंदुओं को सौंप दें, हिंदू भी अब कोई नया दावा पेश ना करें

-केके मुहम्मद ने की मंदिर-मस्जिद विवादों में संयम बरतने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पूर्व रीजनल डायरेक्टर केके मुहम्मद ने मंदिर-मस्जिद विवादों में संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि चर्चा के सेंटर में अब सिर्फ तीन जगहें- राम जन्मभूमि, मथुरा और ज्ञानवापी होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि मुसलमानों को अपनी मर्जी से ये जगहें सौंप देनी चाहिए। केके मुहम्मद ने हिन्दुओं से भी कहा कि वे अब नया दावा पेश ना करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि दावों को बढ़ाने से और ज्यादा दिक्कतें पैदा होंगी। केके मुहम्मद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब मंदिर-मस्जिद विवाद से जुड़ी कई याचिकाएं देश भर की अदालतों में पेंडिंग हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केके मुहम्मद ने बताया कि राम जन्मभूमि के अलावा मथुरा और ज्ञानवापी दो और जगहें हैं जो हिंदुओं के लिए उतनी ही जरूरी हैं जितनी मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना है। अयोध्या विवाद पर बात करते हुए केके मुहम्मद ने 1976 में बीबी लाल की अगुआई में बाबरी मस्जिद की खुदाई में खुद के शामिल होने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह विवाद एक कम्युनिस्ट इतिहासकार के असर की वजह से बढ़ा। उनके मुताबिक कम्युनिस्ट इतिहासकारों ने मुस्लिम कम्युनिटी को इस बात के लिए मनाया कि वे मस्जिद के नीचे मंदिर होने के सबूत को खारिज कर दें। मुहम्मद के मुताबिक ज्यादातर मुसलमान शुरू में विवादित जगह पर मंदिर बनाने की इजाजत देकर मामले को सुलझाने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा कि इतिहासकार आर्कियोलॉजिस्ट नहीं थे और खुदाई के किसी भी स्टेज पर वह उस जगह पर नहीं गए थे। उन्होंने झूठी बातें फैलाने की आलोचना की और उस समय लोगों की राय पर असर डालने वालों के बीच सीधी जानकारी की कमी की ओर इशारा किया।

मोहम्मद ने कहा है कि उस बहुत जरूरी समय में एक कम्युनिस्ट इतिहासकार ने इन सब चीजों में दखल दिया और मुस्लिम समुदाय को यकीन दिलाया कि प्रोफेसर लाल ने उस जगह की खुदाई की थी और उन्हें ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे मंदिर के पहले से होने का पता चले। तो यह उनकी बनाई हुई चीज थी। इसलिए, मुसलमानों के पास कोई और रास्ता नहीं था। उन्होंने कहा कि वे कभी उस जगह पर नहीं गए थे, न खुदाई से पहले, न खुदाई के दौरान और न ही खुदाई के बाद।

केके मोहम्मद ने कहा कि इसलिए बिना सब्जेक्ट जाने, कम्युनिस्ट इतिहासकार इस तरह की झूठी कहानियां फैला रहे थे। इसलिए, किसी को तो इसका जवाब देना ही था। इसलिए पहली बार प्रोफेसर बीबी लाल जिन्होंने टीम को लीड किया था, उन्होंने इसका करारा जवाब दिया। मंदिर-मस्जिद बहस के बड़े मुद्दे पर केके मुहम्मद ने सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि हमें बहुत सावधान रहना चाहिए। उन्होंने राम जन्मभूमि के साथ-साथ मथुरा और ज्ञानवापी को हिंदू समुदाय के लिए खास महत्व वाली जगहों के तौर पर पहचाना और मुसलमानों के लिए उनकी अहमियत मक्का और मदीना जितनी बताई।

उन्होंने आगे कहा कि इसलिए मुसलमानों को अपनी मर्जी से ये तीन जगहें सौंप देनी चाहिए। धार्मिक जगहों से जुड़ी दूसरी याचिकाओं के बारे में सवालों के जवाब में केके मुहम्मद ने कहा कि इन तीनों के अलावा हिंदू समुदाय की तरफ से कोई और मांग नहीं आनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी और दावे करने से समस्या हल नहीं होगी और आगे टकराव का खतरा रहेगा। उन्होंने ऐसी मांगों को लेकर अंदरूनी कंट्रोल की कमी पर भी कमेंट किया और कहा कि हिंदुओं के अंदर की समस्या को कंट्रोल करने वाला कोई नहीं है। उन्होंने ताजमहल के बारे में कुछ हिंदू संगठनों के आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और उन्हें झूठ बताया। सांस्कृतिक विरासत के बचाव पर केके मुहम्मद ने कहा कि सरकार से जो उम्मीदें थीं खासकर उन जगहों की सुरक्षा को लेकर वे पूरी नहीं हुईं। उन्होंने मौजूदा समय को आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया का काला युग बताया, और खास तरक्की न होने की आलोचना की।

डिजिटल अपराध में तेज़ी से बढ़ोतरी, सेक्सटॉर्शन और साइबर अपराध के ज़रिए मुंबईकरों से 127 करोड़ रुपये ठगे गए

मुंबई (एजेंसी)। इन दिनों मुंबई में डिजिटल अपराध में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और सेक्सटॉर्शन एवं साइबर अपराध की वजह से मुंबईकरों से 127 करोड़ रुपये ठगे जाने की खबर सामने आई है। बताया गया है कि सेक्सटॉर्शन के मुकाबले तीन गुना ज्यादा लोग साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। साइबर अपराध में शेयर ट्रेडिंग फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम और प्रोविडेंट फंड स्कैम शामिल हैं। सेक्सटॉर्शन जैसे ही साइबर अपराध जैसे डिजिटल अपराध में तेजी से बढ़ोतरी होने से लोगों के बीच चिंता का माहौल है। खबर है कि 2022 से अगस्त 2025 के बीच मुंबई में सेक्सटॉर्शन के 193 और साइबर अपराध के 603 मामले दर्ज किए गए। इन डिजिटल अपराधों में लोगों से 127.6 करोड़ रुपये ठगे गए हैं। दरअसल

राज्य साइबर विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरनेट एक्सेस और जागरूकता की कमी की वजह से सेक्सटॉर्शन और साइबर अपराध जैसे वर्चुअल क्राइम बढ़ रहे हैं। सेक्सटॉर्शन में साइबर अपराधी चैट या वॉट्सअप ऐप वीडियो कॉल के दौरान मॉर्फ्ड, आपत्तिजनक इमेज दिखाकर लोगों को ब्लैकमेल करते हैं ताकि उनसे पैसे ऐंठे जा सकें। इस बीच, साइबर अपराध में अपराधी सोशल मीडिया पर लोगों को टारगेट करते हैं और अपनी असली पहचान छिपाते हैं। मुंबई के पवई इलाके में रहने वाले एक युवा मैनेजर ने ब्लैक ब्वाक डी नाम के डेटिंग ऐप पर दिव्या नाम की एक महिला से दोस्ती की। 20,000 रुपये चार्ज करने के बाद, दिव्या ने पीड़ित का निजी वीडियो उसके भाई, दोस्तों और उसकी कॉन्टैक्ट लिस्ट के सदस्यों को भेज दिया। फिर उसने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट न करने का वादा करके मैनेजर से 2 लाख रुपये ऐंठ लिए। इस बीच, मलाड की एक छात्रा को छह महीने तक साइबर अपराध का सामना करना पड़ा। जब पुलिस ने मुंबई से सटे मीरा रोड से आफताब को गिरफ्तार किया, तो उन्हें पता चला कि पीड़िता उसे कॉलेज में इग्नोर कर रही थी। इसीलिए वह उसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उसे परेशान कर रहा था।

क्या हम उनके लिए लाल कालीन बिछाएं? रोहिंग्या घुसपैठ पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमित कल्याणकारी संसाधनों पर दबाव पर जोर देते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या आपके गरीब बच्चे इन लाभों के हकदार नहीं हैं? क्या हमें कानून को इतना ज्यादा खींचना होगा? पीठ ने अवैध प्रवासन, खासकर भारत की उत्तरी सीमाओं पर, से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं पर भी प्रकाश डाला। मुख्य न्यायाधीश ने इस मुद्दे के राष्ट्रीय सुरक्षा पहलू पर जोर देते हुए कहा कि उत्तर भारत में हमारी सीमा बेहद संवेदनशील है। अगर कोई घुसपैठिया अवैध रूप से प्रवेश करता है, तो क्या उसे यहीं रखना हमारा दायित्व है? ये टिप्पणियां रोहिंग्याओं के लापता होने का आरोप लगाने वाली एक याचिका की सुनवाई के दौरान आईं।

हालांकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका के मूल आधार पर ही सवाल उठाते हुए तर्क दिया कि यह याचिका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दायर की गई है जिसका ऐसे मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एक जनहित याचिका याचिकाकर्ता, जिसका रोहिंग्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, ये प्रार्थनाएं कर रहा है। अदालत से इस याचिका पर विचार न करने का आग्रह किया। पक्षों की संक्षिप्त सुनवाई के बाद, पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि वह 16 दिसंबर को इस पर फिर से विचार करेगी। ये टिप्पणियां रोहिंग्य ओं के लापता होने का आरोप लगाने वाली एक याचिका की सुनवाई के दौरान आईं। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका के मूल आधार पर ही सवाल उठाते हुए तर्क दिया कि यह याचिका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दायर की गई है जिसका ऐसे मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एक जनहित याचिका याचिकाकर्ता, जिसका रोहिंग्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, ये प्रार्थनाएं कर रहा है,- और अदालत से इस याचिका पर विचार न करने का आग्रह किया। पक्षों की संक्षिप्त सुनवाई के बाद, पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि वह 16 दिसंबर को इस पर फिर से विचार करेगी।

कर्नाटक में सिद्धरमैया और डीके के बीच समझौता... तूफान के आने से पहले की शांति

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के विपक्षी दलों और राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कर्नाटक के नाटक को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच 'समझौता' अस्थायी है। उन्होंने कहा, यह तूफान से पहले की शांति और एक 'रणनीतिक समायोजन' है। लेकिन कांग्रेस ने मुद्दे पर भ्रम पैदा करने के लिए विपक्ष और मीडिया को जिम्मेदार ठहराया। एक महीने से चल रहे सत्ता संघर्ष के बाद दोनों नेताओं ने शनिवार को सिद्धरमैया के आवास पर नाश्ते पर मुलाकात कर मतभेदों के दूर होने की बात कही। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने बाद में प्रेसवार्ता को संबोधित किया, एकता का प्रदर्शन कर ऐलान किया कि वे पार्टी आलाकमान का कहना मानने वाले हैं। इस तरह, उन्होंने मुख्यमंत्री परिवर्तन पर विवाद को खत्म करने की कोशिश की। कथित तौर पर 2023 में कर्नाटक में सरकार बनाते समय सहमति बनी थी कि ढाई साल के कार्यकाल के बाद शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पर आसीन होंगे, और ढाई साल नवंबर 2025 में पूरे हुए।

राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रकाश शेषराघवचार के मुताबिक जिस बैठक के परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ, वह ''हर असहमति को सुलझाने के बारे में कम और कामकाजी सद्भाव को बहाल करने के बारे में अधिक थी''। उन्होंने दावा किया, ''यह केवल एक अस्थायी समझौता है। एक बार जब कोई राजनीति में अति महत्वाकांक्षी होता है, तब आप उस शख्स को कुछ समय के लिए शांत कर सकते हैं, लेकिन वह फिर से उभरेगा।' बीजेपी नेता शेषराघवचार के मुताबिक, शिवकुमार ने अपने समर्थकों को उनके पक्ष में आवाज उठाने के लिए उकसाया था। इसके बाद ''शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली गए और कुछ संत भी उनके समर्थन में आए। अब डीके पीछे नहीं हट सकते। इस बात से उनकी प्रतिष्ठा को धक्का लगेगा। अब उनके सामने करो या मरो की स्थिति है, जिसे उन्होंने खुद न्योता दिया है। हो सकता है कि मीडिया या किसी और माध्यम से इस नए सिरे से शुरू करने के लिए वह कुछ समय तक चुप रहें।''

भाजपा नेता ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस अब दो गुटों में बंट चुकी है और इसकी लड़ाई राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जैसी हो गई है, जहां गुटबाजी ने चुनाव में इसकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। अन्य विपक्षी पार्टी जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के विधान पार्षद (एमएलसी) टी ए शरवण ने बताया कि इस विवाद ने दोनों नेताओं और उनकी पार्टी को जनता के सामने पहले ही बेनकाब किया है, लेकिन अब वे अपने झगड़े को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''राज्य के लोग एकता के इस प्रदर्शन को स्वीकार नहीं करने वाले हैं। कर्नाटक सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में असमर्थ है और विकास कार्यों को करने में विफल रही है। इसलिए, मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने नाटक का मंचन किया।''

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक रामकृष्ण उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने सिर्फ सुलह-समझौते का काम किया है, जो ज्यादा दिन नहीं रहने वाला है। उन्होंने कहा, ''कल की नाश्ते पर बैठक आलाकमान के आदेश पर हुई थी, इस उन्होंने (मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने) स्वेच्छा से नहीं किया था। उनके बीच पहले से ही मतभेद थे। नाश्ते पर बैठक और प्रेसवार्ता आलाकमान द्वारा पूरी तरह से सुनियोजित कदम था। वरिष्ठ पत्रकार उपाध्याय ने कहा, ''सिद्धरमैया और शिवकुमार ने ठीक वही किया, जो उन्हें बताया गया था, कि वे साथ हैं, उनमें एकता है, उनके बीच कोई मतभेद नहीं है और वे कांग्रेस आलाकमान की बातों पर अड़े रहने वाले हैं। लेकिन इतने महीनों और पिछले एक हफ्ते से चल रही तीखी खींचतान के बाद, क्या समाधान की कोई संभावना है? नतीजा शून्य है।''

उनके अनुसार, नाश्ते की बैठक में कुछ भी हासिल नहीं हुआ, क्योंकि इसमें स्पष्टता का अभाव था कि क्या आलाकमान ने डीके को मुख्यमंत्री बनाने के संबंध में कोई वादा किया था। कांग्रेस प्रवक्ता एम. लक्ष्मण ने जोर देकर कहा कि दोनों नेताओं के बीच किसी भी समय कोई मतभेद नहीं था। लक्ष्मण ने बताया कि ''मतभेदों का विमर्श भाजपा और जनता दल (एस) और मीडिया के एक वर्ग का नतीजा है। अगर कोई समझौता हुआ था, तब वह कांग्रेस का अंदरूनी मामला था और फैसले पार्टी को लेने थे।